THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 44 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख शु.13 2080 बुधवार, 3 मई 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

महात्मा गांधी के पोते अरुण गांधी का 89 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पोते अरुण गांधी का मंगलवार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। यह जानकारी परिवार के सूत्रों ने दी। परिवार के सूत्रों ने बताया कि वह कुछ समय से बीमार थे। अरुण गांधी के बेटे तुषार गांधी ने बताया कि लेखक एवं सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता अरुण गांधी का अंतिम संस्कार आज कोल्हापुर में किया जाएगा। अरुण गांधी का जन्म डरबन में 14 अप्रैल 1934 को हुआ था। वह मणिलाल गांधी और सुशीला मशरुवाला के पुत्र थे। अरुण गांधी अपने दादा के पदचिह्नों पर चलते हुए एक सामाजिक कार्यकर्ता बने।

सारी उम्र भर गांधीवादी मूल्यों के प्रचारक रहे अरुण :

अरुण गांधी के परिवार में उनके बेटे तुषार, बेटी अर्चना, चार पोते और पांच परपोते हैं। अरुण गांधी खुद को शांति का पुजारी कहते थे। उन्होंने बेथानी हेगेडस और इवान तुर्क के सचित्र कस्तुरबा, द फॉरगॉटन वुमन, ग्रैंडफादर गांधी, द गिफ्ट ऑफ एगर: एंड अदर लेसन फ्रॉम माई ग्रैंडफादर महात्मा गांधी जैसी किताबें लिखीं। उन्होंने अपने दादा के पदचिन्हों पर चलते हुए शांति, सौहार्द की स्थापना के लिए गांधी वादी मूल्यों का सदैव प्रचार किया।

पवार ने एनसीपी अध्यक्ष पद छोड़ा

भावुक न हों, साहब फैसला वापस नहीं लेंगे : अजित

कार्यकर्ता मानने को तैयार नहीं

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने 17 अप्रैल को कहा था कि 15 दिन में महाराष्ट्र की राजनीति में दो बड़े विस्फोट होंगे। बयान के ठीक 16वें दिन यानी 2 मई को 12:45 बजे 82 साल के शरद पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का अध्यक्ष पद छोड़ने का ऐलान कर दिया। पवार ने कहा कि वो इस्तीफा देने जा रहे हैं। उन्होंने इसकी वजह नहीं बताई है।

4 दिन पहले गुरुवार को शरद पवार ने कहा था कि रोटी पलटने का वक्त आ गया है। किसी ने मुझसे कहा कि रोटी सही समय पर पलटनी है। न पलटे तो कड़वी हो जाती है। इस बयान पर अजीत पवार ने कहा कि नए चेहरों को आगे लाना एनसीपी की परंपरा रही है। एनसीपी महाराष्ट्र के महा विकास अघाड़ी गठबंधन में सहयोगी है। पवार ने 1999 में कांग्रेस से अलग होकर एनसीपी बनाई थी। उसके बाद से ही वे पार्टी के अध्यक्ष थे। पवार के ऐलान के बाद पार्टी कार्यकर्ता रोने लगे और उनसे फैसला वापस लेने की मांग करने लगे।

अजित पवार बोले, पवार की उम्र को देखते हुए फैसला :

अजित पवार ने कहा, शरद पवार की उम्र को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। वो सभी कार्यक्रमों में मौजूद रहेंगे। अध्यक्ष नहीं हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वो पार्टी में नहीं हैं। आप भावुक ना हों। जो भी नया अध्यक्ष होगा, हम उसके साथ खड़े रहेंगे।

देश में एनसीपी के 9 सांसद, 3 राज्यों में 57 विधायक :

एनसीपी की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, एनसीपी के देश में अभी 9 सांसद हैं। इनमें लोकसभा के 5 और राज्यसभा के 4 मेंबर शामिल हैं। वहीं, देशभर में पार्टी के 57 विधायक हैं। महाराष्ट्र में 54, केरल में 2 और गुजरात में 1 विधायक शामिल हैं। वहीं, देशभर में पार्टी के 20 लाख कार्यकर्ता हैं।

इस्तीफे में लिखा, लगातार यात्रा मेरी जिंदगी का हिस्सा :

शरद पवार ने इस्तीफे में लिखा, मेरे साथियों! मैं एनसीपी के प्रेसिडेंट का पद छोड़ रहा हूं, लेकिन सामाजिक जीवन से रिटायर नहीं हो रहा हूं। लगातार यात्रा मेरी जिंदगी का अटूट हिस्सा बन गया है। मैं पब्लिक मीटिंग और कार्यक्रमों में शामिल होता रहूंगा। मैं पुणे, बारामती, मुंबई, दिल्ली या भारत के किसी भी हिस्से में रहूं, आप लोगों के लिए हमेशा की तरह उपलब्ध रहूंगा। लोगों की समस्याएं सुलझाने के लिए मैं हर वक्त काम करता रहूंगा। लोगों का प्यार और भरोसा मेरी सांसें हैं। जनता से मेरा कोई अलगाव नहीं हो रहा है। मैं आपके साथ था और आपके साथ आखिरी सांस तक रहूंगा। तो हम लोग मिलते रहेंगे। शुक्रिया। शरद पवार मुंबई के वाईबी चव्हाण सेंटर में मंगलवार को अपनी पॉलिटिकल बायोग्राफी 'लोक भूलभुलैया संगति' का विमोचन कर रहे थे। इस किताब के पन्ना नंबर 319 पर उन्होंने लिखा, महाविकास अघाड़ी की सरकार सिर्फ सत्ता का खेल नहीं थी। अन्य पार्टियों को दबाकर, अन्य पार्टियों का महत्व किसी ना किसी तरह से खत्म करके राजनीतिक वर्चस्व निर्माण करने वाली भाजपा को यह करारा जवाब था।महाविकास अघाड़ी की सरकार भाजपा को देश में मिली सबसे बड़ी चुनौती थी। यह सरकार अस्थिर करने का प्रयास होगा, इसकी कल्पना मुझे थी। हम हमारे लेवल पर इसे हैंडल करने में सक्षम थे, लेकिन उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने से शिवसेना में तूफान आएगा, इसका हमें अंदाजा नहीं था। यह असंतोष खत्म करने में शिवसेना नेतृत्व (उद्धव और आदित्य) कम पड़ा। संघर्ष ना करते हुए उद्धवजी के इस्तीफा देने के कारण महाविकास अघाड़ी की सत्ता को पूर्ण विराम मिला।

पहली बार बगावत : 1977 के आम चुनाव के बाद कांग्रेस पार्टी कांग्रेस (यू) और कांग्रेस (आई) में बंट गई। शरद पवार कांग्रेस (यू) में शामिल हुए। 1978 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में दोनों हिस्सों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा।

अध्यक्ष चुनने के लिए कमेटी बनाई गई

पवार के इस्तीफे के बाद पार्टी का अध्यक्ष चुनने के लिए एक कमेटी बनाई गई है। इसमें प्रफुल्ल पटेल, सुनील तडकारे, केके शर्मा, पीसी चाको, अजित पवार, जयंत पाटिल, सुप्रिया सुले, छगन भुजबल, दिलीप पाटिल, अनिल देशमुख, राजेश टोपे, जितेंद्र अह्वाद, हसन मुशरिफ, धनंजय मुंडे, जयदेव गायकवाड़ का नाम शामिल है।

कांग्रेस ने कहा, एमवीए पर असर नहीं पड़ेगा

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा, शरद पवार जी ने अपने अध्यक्ष पद से किस कारणवश इस्तीफा दिया है यह बताना मुश्किल है। हमें लगता था कि वे आखिरी सांस तक सामाजिक और राजकीय जीवन में रहकर एक विचारधारा के साथ लड़ेंगे, लेकिन अब उनके इस फैसले से महा विकास अघाड़ी (एमवीए) पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

कर्नाटक में मोदी-राहुल की रैली

पीएम बोले-ये गाली की सेंचुरी लगाने की राह पर

राहुल का जवाब-जो बोलता हूं, वो करता हूं

बेंगलुरू, 2 मई (एजेंसियां)। 10 मई को कर्नाटक में चुनाव होंगे। उससे पहले भाजपा और कांग्रेस के दिग्गज नेताओं का प्रचार जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पहले चित्रदुर्ग में रैली की। फिर विजयनगर गए, वहां उन्होंने कांग्रेसी नेताओं की उनके ऊपर की जा रही अभद्र टिप्पणी का जिक्र किया। पीएम ने कहा, ये लोग गाली की सेंचुरी लगाने की राह पर हैं। वहीं राहुल गांधी ने तुमकुरु और हरिहर में जनसभा को संबोधित किया। पीएम ने कहा, कांग्रेस की वारंटी खत्म हो चुकी है, कांग्रेस की विश्वसनीयता खो चुकी है। ऐसे में बिना वारंटी वाली कांग्रेस की गारंटी भी झूठी है।

जबकि राहुल ने कहा, कर्नाटक में भाजपा ने चोरी से सरकार बनाई है। भाजपा ने 3 साल पहले लोकतंत्र को खत्म कर इसे चुरा लिया। पीएम कर्नाटक सरकार के भ्रष्टाचार पर क्यों नहीं बोल रहे हैं? उन्हें बताना चाहिए कि कर्नाटक में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए उन्होंने क्या कदम उठाए हैं।

नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा

पीएम ने कर्नाटक के चित्रदुर्ग में शिक्षा को फोकस में रखने की बात कही। उन्होंने कहा, भाजपा ने किसानों के बच्चों की पढ़ाई के लिए 'रायता विद्या निधि' की शुरूआत की है। आदिवासी साथियों के लिए 400 से अधिक एकलव्य मॉडल स्कूल बनाए। कांग्रेस सरकार ने तो बच्चों की यूनिफॉर्म में भी घोटाला कर दिया था।

पीएम मोदी ने कांग्रेस के इतिहास को आतंक और आतंकवादियों के तुष्टिकरण से जोड़ते हुए कहा, जब दिल्ली में बाटला हाउस एनकाउंटर हुआ तो कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता के आंखों में आतंकियों के मर जाने की खबर सुनकर आंसू आ गए थे। पीएम ने कहा, भाजपा सरकार ने गरीबों की एक और चिंता का समाधान किया है। >14

रक्षा मंत्री राजनाथ बोले भारत-मालदीव का संबंध विशेष

समय की कसौटी पर खरा उतरा

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद भारत सरकार की ओर से अपतटीय गश्ती पोत तटरक्षक जहाज हुरवी और लैंडिंग क्राफ्ट के हैंडओवर समारोह में शामिल हुए। राजनाथ सिंह ने मंगलवार को मालदीव की राजधानी माले में एक कार्यक्रम में भारत के उपहार के रूप में मालदीव को एक तेज गश्ती जहाज और एक लैंडिंग क्राफ्ट सौंपा। इससे पहले उन्होंने मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के साथ करीबी द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों का विस्तार करने के लिए बातचीत की। मालदीव के शीर्ष नागरिक और सैन्य अधिकारियों की उपस्थिति में समारोह में अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत-मालदीव संबंध "वास्तव में विशेष" है और यह पूरे क्षेत्र के अनुसरण के लिए एक मॉडल के रूप में विकसित हुआ है। रक्षा मंत्री ने हिंद महासागर क्षेत्र में आम चुनौतियों को दूर करने में सहयोग बढ़ाने के लिए भारत, मालदीव और क्षेत्र के अन्य समान विचारधारा वाले देशों की आवश्यकता पर भी जोर डाला।

हैंडओवर समारोह में राष्ट्रपति सोलिह ने अपतटीय गश्ती पोत को मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) में शामिल किया। राजनाथ सिंह ने हैंडओवर समारोह में कहा कि हमारा संबंध समय की कसौटी पर खरा उतरा है और हमने हमेशा जरूरत के समय एक-दूसरे का समर्थन किया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध पूरे क्षेत्र के अनुसरण के लिए एक मॉडल के रूप में विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा, हिंद महासागर क्षेत्र की आम चुनौतियों को दूर करने की दिशा में भारत, मालदीव और क्षेत्र के अन्य समान विचारधारा वाले देशों को हमारे सहयोग को बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, इसलिए हमें यह सुनिश्चित करने के लिए एक सहयोगात्मक प्रयास सुनिश्चित करना चाहिए कि हिंद महासागर का समुद्री विस्तार शांतिपूर्ण हो और क्षेत्रीय समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए समुद्री संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग किया जाए।

...तो भारत में फांसी के जरिए नहीं होगी मौत की सजा!

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में मौत की सजा को लेकर अहम बयान दिया है। सरकार ने कहा है कि वह फांसी के जरिए दी जाने वाली मौत की सजा को बदलने पर विचार कर रही है। केंद्र ने कहा कि वह इसके लिए एक एक्सपर्ट कमेटी के गठन पर विचार कर रही है, जो मौत की सजा देने के मौजूदा तरीकों को परखेगी।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमानी के इस प्रतिवेदन पर गौर किया। अटॉर्नी जनरल ने कोर्ट से कहा कि प्रस्तावित पैनल के लिए नामों को तय करने की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है और कुछ समय बाद वह इस मुद्दे पर ज्यादा जानकारी देंगे।

बेंच ने इस पर कहा, अटॉर्नी जनरल ने कमेटी में नियुक्तियों पर विचार करने की बात कही है। इसको देखते हुए हम गर्मी की छुट्टियों के बाद इसकी सुनवाई के लिए एक तय तारीख देंगे। >14

मोदी सरनेम मानहानि केस में राहुल को राहत नहीं

> *गुजरात हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा, छुट्टियों के बाद जून में आएगा फैसला*

अहमदाबाद, 2 मई (एजेंसियां)। मोदी सरनेम मानहानि केस में राहुल गांधी की अपील पर गुजरात हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। राहुल ने 2019 के मामले में खुद को दोषी ठहराए जाने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जस्टिस हेमंत प्राचहक छुट्टियों के बाद इस मामले में फैसला सुनाएंगे। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी को इस मामले में कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है। अब जून में इस पर फैसला आएगा।

27 अप्रैल को कोर्ट में राहुल की ओर से सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने अपनी दलीलें रखीं थीं। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी ने मर्डर नहीं किया है। अगर दोषसिद्धी पर रोक नहीं लगाई गई तो वे 8 साल तक चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। राजनीति में एक सप्ताह भी लंबा वक्त होता है, आठ साल में तो याचिकाकर्ता का राजनीतिक करियर खत्म हो सकता है।

सिंघवी की दलीलें पूरी होने के बाद बाद जस्टिस हेमंत प्रच्छक ने कहा था, अब शिकायतकर्ता को अपना पक्ष रख लेने दीजिए। 2 मई को इस मामले का निपटारा कर देंगे। मैं भी 5 मई के बाद फ्री नहीं हूं, मैं भारत से बाहर जा रहा हूं। इसलिए यह सब जल्द ही समाप्त करना होगा। बता दें कि बीते

23 मार्च को सूरत की सेशन कोर्ट ने राहुल गांधी को धारा 500 के तहत दो साल की सजा सुनाई थी। हालांकि कोर्ट से उन्हें तुरंत जमानत भी मिल गई थी। कांग्रेस नेता ने कोर्ट से सजा पर रोक लगाने की अपील की थी, जिससे कोर्ट ने इनकार कर दिया था। इसके बाद राहुल ने गुजरात हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

यह गंभीर अपराध नहीं, उन्होंने मर्डर नहीं किया :

राहुल गांधी की तरफ से पेश एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, यह कोई गंभीर अपराध नहीं है। उन्होंने मर्डर नहीं किया, जिसे माफ नहीं किया जा सकता। हम आरोप साबित होने पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं। ऐसा नहीं हुआ तो उन पर 8 साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लग जाएगी। सिंघवी ने नवजोत सिंह सिद्धू का उदाहरण देते हुए कहा कि जब सिद्धू को सजा पर स्टे मिल सकती है तो राहुल गांधी को क्यों नहीं?

नीरव, ललित, विजय माल्या किसी जाति से नहीं आते :

अभिषेक मनु सिंघवी ने सूरत मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया पूर्णेश मोदी का बयान भी पढ़ा और सवाल उठाते हुए कहा, नीरव मोदी, ललित मोदी या विजय माल्या किसी जाति से नहीं आते हैं, तो शिकायतकर्ता की भावनाएं कैसे आहत हुईं? मोदी सरनेम कई जातियों में आता है।

उपनाम मोदी कई जातियों और समुदायों में पाया जाता है। शिकायतकर्ता ने कैसे तय किया कि राहुल गांधी ने केवल उन्हीं के बारे में बात की है? राहुल के वकील ने कहा कि 23 मार्च 2023 को राहुल गांधी को सजा सुनाई गई और 24 मार्च को उनका सांसद पद भी रद्द कर दिया गया। राहुल गांधी के अयोग्य घोषित किए जाने के बाद वे अपने निर्वाचन क्षेत्र के मुद्दे नहीं उठा सकते हैं, जो उनके निर्वाचन क्षेत्र के साथ अन्याय है। एक-एक सांसद के मामले में, इसका नुकसान उसके निर्वाचन क्षेत्र को होगा। बाद में इस नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकेगी।

वकील बोला-5 बार दी सुप्रीम कोर्ट की परीक्षा तब भी नहीं कर पाया पास

> *अर्जी देखते ही बोले सीजेआई चंद्रचूड़-डिसमिस*

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को एक अनूठी याचिका आई। एक वकील ने याचिका लगाई कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड्स यानी एओआर की परीक्षा 5 बार दी लेकिन एक बार भी पास नहीं हो पाए। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के सामने दलील देते हुए वकील ने कहा कि आखिरी बार तो बस एक सवाल छूट गया था, इसके बावजूद 5 अटेंप्ट में वह परीक्षा पास नहीं कर पाए।

वकील की दलील सुन चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा नियम तो सबके लिए एक ही हैं और उन्होंने फौरन डिसमिस कहते हुए याचिका खारिज कर दी। आपको बता दें कि उच्चतम न्यायालय ने कुछ दिन पहले ही एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड्स परीक्षा का रिजल्ट घोषित किया था। इस बार कुल 260 एडवोकेट एओआर परीक्षा में सफल हुए थे।

क्या है एओआर परीक्षा?

एओआर यानी एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड्स परीक्षा सुप्रीम कोर्ट ने साल 1966 में रूल नंबर 2, रूल नंबर 4 और रूल नंबर 6 के जरिए इंट्रोड्यूस किया था। ऐसे वकील जो सुप्रीम कोर्ट में वकालत करना चाहते हैं उनके लिए एओआर परीक्षा बहुत महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित है। सुप्रीम कोर्ट साल में एक बार इस परीक्षा का आयोजन करता है। और इसका मकसद सुप्रीम कोर्ट में वकालत करने वाले वकीलों की ज्ञान, क्षमता और स्किल टेस्ट करना है।

4 साल की वकालत अनिवार्य :

एओआर परीक्षा के लिए कम से कम 4 साल की वकालत अनिवार्य है। 4 साल की प्रैक्टिस के बाद सुप्रीम कोर्ट को सूचित करना होता है कि आप किसी सीनियर एडवोकेट के अंडर ट्रेनिंग ले रहे हैं और एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड्स बनना चाहते हैं। फिर एक साल की ट्रेनिंग के बाद अभ्यर्थी एओआर की परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

एओआर परीक्षा पास करने के बाद संबंधित वकील का सुप्रीम कोर्ट के 10 मील के दायरे में अपना पंजीकृत दफ्तर और एक पंजीकृत क्लर्क होना चाहिए। सारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही सुप्रीम कोर्ट संबंधित वकील को बतौर एओआर दर्जा देता है। >14

परिणीति-राघव इस महीने करेंगे सगाई

13 मई को नई दिल्ली में होगा फंक्शन

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने अपनी रिलेशनशिप को अभी तक ऑफिशियल नहीं किया है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों जल्द ही सगाई करने वाले हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, 13 मई को नई दिल्ली में उनकी सगाई होने वाली हैं। इससे पहले ये खबर सामने आई थी कि पिछले महीने 10 अप्रैल को ही दोनों की सगाई होने वाली थी। रिपोर्ट के मुताबिक, डेटिंग की अफवाह के बीच अब ये खबर सामने आई है कि दोनों इसी महीने की 13 तारीख को नई दिल्ली में सगाई करने वाले हैं। पिछले महीने जब परिणीति की चचेरी बहन प्रियंका चोपड़ा अपनी फिल्म सिटाडेल के प्रमोशन के भारत आई थीं, तब भी ये अनुमान लगाया जा रहा था कि परिणीति और राघव चड्ढा की सगाई भी उसी दौरान हो जाएगी। हालांकि ऐसा हुआ नहीं।

बता दें, पिछले महीने मुंबई में लंच डेट पर एक साथ देखे जाने के बाद से ही दोनों के डेटिंग की अफवाहें शुरू हो गई थीं। 28 मार्च को सुबह 11:45 पर आप सांसद संजीव अरोड़ा ने ट्वीटर पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने परिणीति और राघव की फोटो शेयर करते हुए लिखा था, मैं आप दोनों को हार्दिक बधाई देता हूं। मैं उम्मीद करता हूं कि दोनों का साथ, प्यार और आनंद से भरा रहे। मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं। उनके इस पोस्ट के सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स जमकर रिएक्ट कर रहे थे और साथ ही कपल को बधाई भी दे रहे थे।

बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ बिहार में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरपुर, 2 मई (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के कथावाचक पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ बिहार में मुकदमा दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार कथावाचक के खुद की तुलना भगवान से करने पर हिन्दू धर्मावली और सनातनी आहत है, जिसके चलते उनके खिलाफ खुद को भगवान बताने पर मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पेशे से वकील सूरज कुमार ने कथावाचक पर मुकदमा दर्ज कराया है। वकील सूरज कुमार का आरोप है कि राजस्थान में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने खुद को हनुमान जी का अवतार बताया था और अपनी तुलना भगवान से की थी। वकील सूरज कुमार ने बागेश्वर धाम के कथावाचक पर हिन्दू धर्म का पालन करने वालों को धोखा देने और गुमराह करने का आरोप भी लगाया है। धीरेंद्र शास्त्री पर मुजफ्फरपुर के ईसीजेएम कोर्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है।

वहीं, उन पर आरोप लगाया है कि वे अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए खुद की तुलना भगवान से करके भगवान को नीचा दिखा रहे हैं। लोगों को कथित चमत्कार के नाम पर ठग रहे हैं और उन्हें अपने पैरों में झुका रहे हैं। बागेश्वर धाम के कथावाचक के ऐसा करने से सनातन धर्म की परंपरा को ठेस पहुंची है। धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ धारा, 295 क, 505 और 298 के तहत मामला दर्ज कराया गया है। इस मामले में कोर्ट में आगामी 10 मई को सुनवाई होगी।

दरबार लगने के पहले ही निशाने पर आए कथावाचक :

पं. धीरेंद्र शास्त्री का बिहार की राजधानी पटना में 13 मई से 17 मई तक दरबार लगना तय है, लेकिन कथावाचक के बिहार आने से पहले ही जमकर बयानबाजी शुरू हो गई है। उन्हें गांधी मैदान में जगह नहीं दिए जाने पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि नीतीश कुमार टोपी पहने, नमाज पढ़े, इफ्तार पार्टी में जाएं मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं। लेकिन, वह सनातन धर्मावलंबियों को रोकेंगे तो हमारे देश का सनातनी भी जाग जाएगा।

वहीं, बीते दिनों भगवान सहस्त्रबाहु को लेकर की गई बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री की टिप्पणी के खिलाफ उज्जैन में कलचुरी, कलाल और कई अलग-अलग समाज के प्रतिनिधियों ने मोर्चा खोला था, हालांकि बाद में कथावाचक ने अपने बयान के लिए माफी मांग ली थी।

'कांग्रेस ने दी गाली' वाले बयान पर पलटवार

'आरएसएस क्या ऐसी संतान को स्वीकारती है', भाजपा की भाषा में ही जवाब देंगे

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। पीएम मोदी के कर्नाटक में दिए एक भाषण को लेकर राजनीति तेज हो गई है। दरअसल, उन्होंने अपने इस भाषण में कांग्रेस की तरफ से दी गई गालियां गिनाई थीं। इसपर अब कांग्रेस के तमाम नेताओं के बाद शिवसेना (यूटीबी) के उद्धव ठाकरे ने भी पलटवार किया है। उन्होंने पीएम के इस बयान का जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और उनकी टीम के पास गालियां गिनने का समय है लेकिन उनकी पार्टी के लोग उन्हें और उनके बेटे आदित्य को रोज गालियां दे रहे हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनको दी गई गालियां गिनाते हुए कहा था कि अब तक 91 बार कांग्रेस के नेता उनको गालियां दे चुके हैं। इसपर ठाकरे

ने आगे कहा कि बीजेपी के नेता लगातार अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, पीएम उन्हें क्यों नहीं रोक रहे हैं? हम उन्हें उसी भाषा में जवाब देंगे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बीजेपी की अपमानजनक भाषा उनकी संस्कृति को दर्शाती है। ठाकरे ने कहा, मैं आरएसएस से पूछ रहा हूं, क्या आप ऐसी संतान (बीजेपी) को स्वीकार करते हैं।

कांग्रेस-राकांपा से हाथ मिलाने पर क्या बोले?

कांग्रेस और राकांपा से हाथ मिलाने को लेकर हुई आलोचना का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा जब वह कांग्रेस और राकांपा के साथ जाते हैं तो बीजेपी दावा करती है कि उन्होंने हिंदुत्व छोड़ दिया है। अगर ऐसा है तो आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के मस्जिद जाने का क्या होगा।

तेल रिफाइनरी का विरोध कर रहे लोगों से मिलेंगे ठाकरे

ठाकरे ने यह भी कहा कि प्रस्तावित तेल रिफाइनरी का विरोध कर रहे स्थानीय लोगों से मिलने के लिए वह 6 मई को बारसू जाएंगे। ठाकरे ने कहा, मुझे बारसू जाने से कोई नहीं रोक सकता, यह महाराष्ट्र का हिस्सा है। यह पीओके नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा जब वह मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने रिफाइनरी के लिए जगह का सुझाव दिया था, लेकिन पीएम मोदी को दिए उनके पत्र में पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर गोली चलानी चाहिए इस बात का जिक्र नहीं था।

जम्मू शहर के नरवाल पेट्रोल पंप में संदिग्ध धमाका, शार्ट-सर्किट की आशंका

जम्मू, 2 मई (एजेंसियां)। जम्मू शहर के नरवाल इलाके में मंगलवार सुबह एक पेट्रोल पंप पर संदिग्ध धमाका हुआ। इस मामले में किसी के घायल होने की सूचना अभी नहीं आई है। इससे इलाके में दहशत और अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। विस्फोट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। धमाका मंगलवार सुबह नरवाल मंडी के पास एक पेट्रोल पंप पर हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह शॉर्ट सर्किट का मामला बताया गया है। अभी जांच की जा रही है।

अगर हिंदुओं के खिलाफ बोलेंगे तो गोली मार दी जाएगी

बीजेपी विधायक का बयान

बेंगलूरू, 2 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव प्रचार चरम पर है, सभी पार्टियां और उनके उम्मीदवार अपनी-अपनी पार्टी के प्रचार में जुटे हुए हैं। इसी बीच कर्नाटक में बीजेपी के विधायक और उम्मीदवार बसवनगौड़ा पाटिल यतनाल ने ऐसी बात कह दी है जिस पर बवाल मच गया है। उन्होंने कहा जो भी हिंदुओं के खिलाफ बात करेगा उसको गोली मार दी जाएगी। उनके ऑन कैमरा दिया गया ये बयान वायरल हो रहा है और राज्य की राजनीति में सक्रिय विपक्षी पार्टियां उन पर कार्यवाही की मांग कर रही हैं। दरअसल विजयपुरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पाटिल ने कहा, अगर आप भारत में हमारी आस्था के खिलाफ बोलते हैं, या भारत के खिलाफ बोलते हैं, या फिर हिंदुओं के खिलाफ बोलते हैं तो आपको गोली मार दी जाएगी। बसवनगौड़ा पाटिल ने यह बयान यूपी में हुए अतीक हत्याकांड का उदाहरण देते हुए कही। गौरतलब है कि गैंगस्टर से माफिया और फिर राजनेता बने अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ अहमद की उस समय तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी जब वह पुलिस हिरासत में अपने मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए जा रहे थे। यतनाल ने कहा, अगर कर्नाटक के लोग बीजेपी सरकार को वोट देते हैं तो वह सत्ता में दुबारा आने पर कर्नाटक में भी योगी आदित्यनाथ की शैली को लागू करेगा। उन्होंने कहा, अगर कोई बीजेपी के खिलाफ बोलेगा तो हम उसके साथ यूपी जैसा ही करेंगे। उन्होंने कहा, जो भी भारत के खिलाफ बोलेगा, उसका एनकाउंटर किया जाएगा। हम उनके जेल नहीं लेकर जाएंगे बल्कि सारा फैसला सड़क पर ही हो जाएगा।

बढ़ते चुनाव के साथ बढ़े विवादित बयान?

कर्नाटक चुनाव में जैसे-जैसे वोटिंग के दिन नजदीक आते जा रहे हैं नेताओं के बयान तीखे होते जा रहे हैं। इससे पहले वरिष्ठ बीजेपी नेता के एस ईश्वरप्पा ने अजान के लिए लाउडस्पीकरों के इस्तेमाल पर आपत्ति जताते हुए नाराजगी जताई थी। बीजेपी नेता ने दावा किया कि लाउडस्पीकर पर अजान से लोग खासकर परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र परेशान हो जाते हैं।

अनियंत्रित होकर खाई में गिरी सगाई के कार्यक्रम से लौट रही कार, एक की मौत

पहाड़पानी, 2 मई (एजेंसियां)। (नैनीताल) नैनीताल में धानाचूली-पहाड़पानी मोटर मार्ग के चौरलेख के पास देर रात एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। वहीं, पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। धारी पुलिस चौकी प्रभारी विजय कुमार ने बताया कि रात करीब 11 बजे एक ऑल्टो कार लोहाघाट से धारी की ओर जा रही थी। जिसमें सवार सभी लोग एक पारिवारिक सगाई कार्यक्रम में लोहाघाट गए हुए थे। वहां से लौटते समय चोरलेख के पास कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को पदमपुरी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

महाराष्ट्र में राज ठाकरे की पार्टी की बनेगी सरकार

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना के अध्यक्ष अमित ठाकरे ने विश्वास जताया है कि हम जल्द ही सत्ता में होंगे और हमारा काम 50 फीसदी नहीं बल्कि 100 फीसदी पूरा होगा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की कार्यकर्ताओं की बैठक आज मुंबई में हुई। अमित ठाकरे ने उस समय बोलते हुए यह विश्वास व्यक्त किया है। कुछ दिन पहले राज ठाकरे ने अपने भाषण में कहा था कि यह समस्या जल्द दूर होगी और हम सत्ता में होंगे। उसके बाद अमित ठाकरे ने भी कुछ ऐसा ही बयान दिया है जिसकी चर्चा खूब हो रही है।

अमित के दावे से अब छिड़ी ये बहस

अमित ठाकरे ने कही ये बात

अमित ठाकरे ने यह विश्वास जताते हुए कहा, आज हम श्रम बल की ताकत देखने आए हैं। तुम बस मेरा नाम लो। जो कुछ भी मौजूद है वह सब आपकी मेहनत है। आप कहते हैं कि 50 प्रतिशत काम हो गया और कुछ काम नहीं हुआ। लेकिन निश्चिंत रहें कि हम जल्द ही सत्ता में आएंगे, मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा काम 100 प्रतिशत होगा।"

चर्चा में शर्मिला ठाकरे का बयान

कार्यकर्ताओं की बैठक में शर्मिला ठाकरे भी पहुंचीं थी। उन्होंने कहा, "अमित जब से राजनीति में आए हैं, मैं आलसी हो गई हूं। मुझे आज यहां नहीं होना चाहिए था, लेकिन मैं यहां सिर्फ आपके लिए हूं। लेबर कट शुरू हो गए। हम मजदूरों को न्याय दे रहे हैं। मैं यहां आपके काम की सराहना करने आई हूं। लेकिन अगले साल मैं नहीं आउंगी क्योंकि आज जो माइक मेरे हाथ में है वह अगले साल अमित के पास चला जाए। हमारा काम बहुत अच्छा चल रहा है। मुश्किल घड़ी में मजदूरों को न्याय मिल रहा है। श्रमिकों के कल्याण के कारण इकाइयों में वृद्धि हुई है। बाला नंदगांवकर ने कहा, "मौजूदा राजनीति में कुश्ती चल रही है। एकनाथ शिंदे के साथ उद्धव ठाकरे की युद्ध जारी है। तो ये कुश्ती फडणवीस के साथ भी चल रही है। नितेश राणे बनाम संजय राउत चल रहा है। अजीत पवार घर में कुश्ती कर रहे हैं। बारसू में कुश्ती भी हो रही है। कौन किसका समर्थन कर रहा है और कौन किसके खिलाफ, यह पता नहीं चल रहा है। राज ठाकरे भी इस कुश्ती में उतरेंगे।

शराब घोटाले में 'आप' के राघव चड्ढा का नाम आया

ईडी की सप्लीमेंट्री चार्जशीट में जिक्र

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के शराब घोटाला मामले में ईडी की दूसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में अब आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा का भी नाम आ गया है। ईडी की सप्लीमेंट्री चार्जशीट में कहा गया कि सिसोदिया के पूर्व सचिव सी अरविंद ने जांच एजेंसी को बताया था कि मनीष सिसोदिया के घर पर हुई बैठक में राघव चड्ढा मौजूद थे। इस चार्जशीट के हवाले से कहा जा रहा है कि मनीष सिसोदिया के आवास पर पंजाब सरकार के एसीएस वित्त, आबकारी आयुक्त वरुण रूजम, एफसीटी और पंजाब आबकारी के अधिकारियों की एक बैठक हुई, जिसमें विजय नायर के अलावा राघव चड्ढा भी मौजूद थे।

'जयंत पाटिल को दावा करने दें

सीएम तो महाविकास अघाड़ी का होगा', किसानों के मन में भी अघाडी

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें जयंत ने कहा था कि महाराष्ट्र में अगला सीएम एनसीपी का ही होगा। संजय राउत ने कहा, 'जयंत पाटिल ने सीएम पद का जो दावा किया है, नेता इस तरह का बयान अपने पार्टी कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ाने के लिए देते हैं। लेकिन सीएम पद पर कौन सी पार्टी का नेता बैठेगा, यह महाविकास अघाड़ी के नेता बात करके तय करेंगे। जयंत पाटिल को दावा करने दीजिए, सीएम महाविकास अघाड़ी का होगा।' राउत ने ये भी कहा, 'महाराष्ट्र में जो एपीएमसी (बाजार समिति) का चुनाव होता है वो सीधे किसानों से जुड़ा होता है। उसमें उनके मुद्दे होते हैं, ऐसे में इस चुनाव परिणाम से फिर स्पष्ट हो गया कि महाराष्ट्र के किसानों के मन में भी अघाड़ी है।'

महाराष्ट्र की सियासत में सीएम पद को लेकर क्यों हैं चहल-पहल?

ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ का फैसला शिवसेना के 16 विधायकों की योग्यता को लेकर आना है। ये विधायक शिवसेना में बगावत करके बीते साल शिंदे गुट में शामिल हो गए थे। इन विधायकों में सीएम एकनाथ शिंदे भी हैं। सुप्रीम कोर्ट का फैसला जो भी आएगा, वह तो बाद की बात है लेकिन आशंका अभी से जताई जा रही है कि महाराष्ट्र में वर्तमान सरकार गिर सकती है और शिंदे का सीएम पद जा सकता है। ऐसे में चर्चा इस बात की है कि सीएम किस पार्टी का बनेगा।

दिल्ली में रेसलर्स के प्रोटेस्ट पर भी बोले राउत

दिल्ली में रेसलर्स के प्रोटेस्ट पर संजय राउत ने कहा, 'मुझे उनके प्रदर्शन के बारे में ज्यादा नहीं पता है लेकिन अखबार के जरिए कुछ खबर पढ़ने को मिल रही हैं। यह दिल्ली वालों का मुद्दा है, दिल्लीवाले देखेंगे।'

एयरपोर्ट के पास जंगल में युवक की लाश मिलने से मचा हड़कंप

देहरादून, 2 मई (एजेंसियां)। देहरादून में मंगलवार को जौलीग्रांट एयरपोर्ट के पास कोठारी मोहल्ले के जंगल मे एक युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस मामले में हत्या की आशंका जता रही है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब साढ़े नौ बजे स्थानीय लोगों ने शव को देखा तो पुलिस को इसकी सूचना दी। कोतवाल राजेश शाह व चौकी इंचार्ज उत्तम रमोला ने बताया कि युवक के शरीर पर चोट के निशान भी हैं। मृतक युवक टिहरी का बताया जा रहा है। वह भानियावाला में किराए पर रहता था।

एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति ने अपने 'लिव-इन-पार्टनर' दूसरे ट्रांसजेंडर की हत्या की

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में करीब 30 साल के एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति की उसके 'लिव-इन-पार्टनर' ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। भिवंडी नगर पुलिस थाने के थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों ट्रांसजेंडर व्यक्तियों का आपस में संबंध था और वे गैबी नगर इलाके में एकसाथ रहते थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों के बीच आए दिन छोटी-छोटी बात पर झगड़ा होता था तथा सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे भी उनके बीच झगड़ा हुआ और पीड़ित पर उसके 'पार्टनर' ने फर्श की एक टाइल से वार किया। इलाके के एक अन्य ट्रांसजेंडर ने मीडियाकर्मियों को बताया कि पड़ोसियों ने हुए झगड़े में बीच-बचाव करने की कोशिश की थी लेकिन आरोपी ने यह कहकर उन्हें भगा दिया कि यह उनका निजी मामला है।

'द केरल स्टोरी' की रिलीज़ पर रोक लगाने की याचिका सुनने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

तिरुवनन्तपुरम, 2 मई (एजेंसियां)। फिल्म 'द केरल स्टोरी' का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। फिल्म को लेकर लगातार विवाद उठ रहा है। ऐसा ही विवाद 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर भी उठा था। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस केएम जोसफ की बेंच ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि आप सीधा सुप्रीम कोर्ट क्यों आए हैं? पहले आपको हाई कोर्ट जाना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस केएम जोसफ ने कहा कि आपको हाई कोर्ट जाना चाहिए या इसे चीफ जस्टिस के पास रखें। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि यह फिल्म हेट स्पीच को ऑडियो और विजुअल माध्यम से प्रसारित करने का तरीका है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमेशा राहत के लिए आप सीधा यहां नहीं आ सकते हैं, दूसरे मामले में आईए दाखिल कर राहत की मांग नहीं की जा सकती है। द केरल स्टोरी फिल्म पांच मई को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। फ़िल्म का ट्रेलर 16 मिलियन से ज़्यादा लोग देख चुके हैं।

क्या है फिल्म की कहानी?

सुदिप्तो सेन की फिल्म में दावा किया गया है कि ये केरल की उन 32 हजार लापता लड़कियों की कहानी है, जिनका ब्रेनवॉश करके पहले उन्हें इस्लाम कबूल करने पर मजबूर किया गया और बाद में आईएसआईएस आतंकवादी बना दिया। फिल्म के मुताबिक ये उन लड़कियों की कहानी है जो नर्स बनना चाहतीं थीं, लेकिन आईएसआईएस की आतंकी बन गईं। फिल्म को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। कहा जा रहा है कि इससे सांप्रदायिक माहौल बिगड़ सकता है।

पहले फिल्म देखें फिर

द केरल स्टोरी में एक्ट्रेस अदा शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा इसमें योगिता बिहानी, सिद्धी इदनानी और सोनिया बलानी जैसे कलाकार अहम किरदारों में हैं। फिल्म के निर्देशक सुदिप्तो सेन और एक्ट्रेस अदा शर्मा का कहना है कि लोग कोई भी फैसला करने से पहले फिल्म देखें और उसके बाद अपनी राय दें। हालांकि 32 हज़ार लड़कियों के गायब होने और धर्म परिवर्तन के दावे पर खूब बवाल हो रहा है।

बंगाल में तीसरी बार जीत की दूसरी वार्षिकी पर ममता बनर्जी बोलीं- जनता से ज्यादा कोई ताकतवर नहीं

कोलकाता, 2 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार की तीसरी जीत की दूसरी वार्षिकी पर ममता बनर्जी ने मां, माटी, मानुष दिवस पर राज्य की जनता को बधाई दी। इसके साथ ही कहा है कि साल 2021 के चुनाव में पूरी दुनिया को दिखाया है कि प्रजातंत्र में जनता से ज्यादा कोई ताकतवर नहीं होता है। बता दें कि साल 2021 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व में तीसरी बार तृणमूल कांग्रेस की सरकार विजयी हुई थी और भाजपा पराजित हुई थी। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 200 के पार का नारा दिया था और ममता बनर्जी सरकार के सामने कड़ी चुनौती पेश की थी, लेकिन ममता बनर्जी ने खेला होबे का नारा दिया था और भाजपा को मात्र 77 सीटों से संतोष करना पड़ा था।

ममता बनर्जी बोलीं-मां, माटी और मानुष की सदा हूं अभारी

ममता बनर्जी ने तीसरी बार जीत की दूसरी वार्षिकी के अवसर पर

कहा कि वह मां-माटी-मानुष का सदा आभारी हैं, जिन्होंने 2021 में आज के दिन दुनिया को दिखा दिया कि लोकतंत्र में जनता की ताकत से बड़ी कोई ताकत नहीं होती है। उन्होंने कहा कि प्रजातंत्र में जनता ही सबसे ज्यादा ताकतवर होती है। ममता बनर्जी ने कहा, "हमें राष्ट्र निर्माण के प्रति अपने प्रयास और प्रतिबद्धता को जारी रखना चाहिए, क्योंकि अभी बहुत सी लड़ाइयां एक साथ लड़ी और जीती जानी हैं। मैं मा-माटी-मानुष दिवस पर आज हमारे राज्य में लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए बांग्ला के सभी लोगों के अथक समर्थन के लिए ईमानदारी से बधाई देती हूं।"

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार की क्या हैं चुनौतियां-

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा ममता बनर्जी की सरकार की बड़ी चुनौती है। भाजपा सहित विरोधी दल चुनाव बाद हिंसा का आरोप लगाते रहे हैं और इस साल पंचायत चुनाव होना है। फिर से हिंसा की आशंका है।

पंचायत स्तर पर बेलगाम भ्रष्टाचार है। स्वच्छ पंचायत व्यवस्था का निर्माण करते समय शीर्ष नेतृत्व को पार्टी कार्यकर्ताओं से डील करनी पड़ रही है। शिक्षक भर्ती घोटाले सहित कई घाटालों का खुलासा हो रहा है और कई टीएमसी के नेता जेल में हैं।

स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेताओं से लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का गुस्सा समाप्त करने के लिए अभिषेक बनर्जी को दो महीने का जनसंपर्क करना पड़ रहा है।

भर्ती में भ्रष्टाचार के कारण सत्ताधारी दल पहले ही संकट में है। सीबीआई और ईडी की लगातार रेड चल रही है। कई नेताओं को ईडी और सीबीआई ने हिरासत में लिया है।

सरकारी कर्मचारियों का डीए बकाया कम चल रहा है। दिन प्रतिदिन यह संशय बढ़ता जा रहा है कि क्या वे पहले की तरह चुपचाप सरकार के साथ रहेंगे। पंचायत चुनाव इसका असर पड़ सकता है।

तृणमूल कांग्रेस के नेताओं में असंतोष बढ़ रहा है। कहीं कांग्रेस तो कहीं लेफ्ट तो कहीं बीजेपी तृणमूल के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को तोड़ रही है और जैसे ही पंचायत चुनाव के लिए उम्मीदवारों का ऐलान होगा। इसकी संख्या बढ़ेगी।

पहले काटी ग्रिल...फिर फर्स्ट फ्लोर से कूदे

रॉड और सुए से हमला...तिहाड़ में गैंगस्टर टिल्लू की हत्या

नई दिल्ली, 2 मई(एजेंसियां) देश की राजधानी दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या का मामला सामने आया है। उस पर प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्यों ने हमला किया था। उसे अस्पताल भी ले जाया गया था। एएनआई के के अनुसार, दिल्ली के रोहिणी कोर्ट शूटआउट के आरोपी गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया पर प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्यों योगेश टुंडा और अन्य ने तिहाड़ जेल में रॉड से हमला कर मार डाला। जेल अधिकारी टिल्लू को दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल लेकर भी पहुंचे, यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस

जांच में जुटी है। तिहाड़ जेल की हाई रिस्क वार्ड में ग्राउंड फ्लोर पर टिल्लू ताजपुरिया (33) बंद था। टिल्लू पर सुबह करीब सवा छह बजे जेल में ही बंद चार बदमाशों दीपक उर्फ तीतर, योगेश उर्फ टुंडा, राजेंद्र और रियाज खान ने सुए से हमला किया था। बताया जाता है कि हमलावर चारों ने लोहे की रॉड से सुआ बना रखा था। जेल प्रशासन घायल अवस्था में टिल्लू को अस्पताल ले गया था। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

टिल्लू ताजपुरिया पर ऐसे किया हमला

जेल सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया ग्राउंड फ्लोर पर जेल नंबर-9 में बंद था। गोगी गैंग के योगेश टुंडा और दूसरे सदस्य सुबह सवा छह बजे अपने वार्ड की लोहे की ग्रिल काटकर बाहर आए। इसके बाद बेडशीट का उपयोग कर ग्राउंड फ्लोर पर कूद गए। टिल्लू को यहां हाई-सिक्योरिटी वार्ड में रखा था। हमलावर टिल्लू के वार्ड में लगी ग्रिल को काटकर अंदर घुस गए। गोगी गैंग के सदस्यों ने लोहे के नुकीले हथियारों से टिल्लू ताजपुरिया पर हमला किया था। जेल प्रशासन घायल टिल्लू को अस्पताल लेकर पहुंचा, यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। एक अन्य घायल रोहित का उपचार चल रहा है। वह खतरे से बाहर बताया जा रहा है।

जितेंद्र गोगी की हत्या में सामने आया था नाम

दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में 24 सितंबर 2021 में बदमाशों ने दिल्ली के टॉप मोस्ट बदमाश जितेंद्र उर्फ गोगी की हत्या कर दी थी। इस मामले में सुनील उर्फ टिल्लू ताजपुरिया का नाम सामने आया था। रोहिणी कोर्ट संख्या 207 में जितेंद्र उर्फ गोगी के घुसते ही हमलावरों ने गोलियां बरसाई थी। पहली गोली उसकी पीठ पर मारी गई। गोली लगते ही उसने पीछे घूमकर हमलावरों की तरफ देखा तो फिर उसके सीने पर ताबड़तोड़ गोलियां मारी गईं। गोलीबारी होते ही कोर्ट रूम में भगदड़ मच गई थी। जज व कर्मचारियों ने अपने कमरे में जाकर जान बचाई। वहां मौजूद अन्य वकील अहलमद के कमरे में घुस गए। गोली चलते ही गोगी के साथ अंदर गए कमांडो ने हमलावरों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर उन्हें ढेर कर दिया।

सलमान खान की सुरक्षा को लेकर बोले डिप्टी सीएम फडणवीस

बाबरी का नाम लेकर उद्धव पर भी साधा निशाना

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने फिल्म एक्टर सलमान खान, उद्धव ठाकरे को लेकर बयान दिया है। डिप्टी सीएम ने कहा कि सलमान खान को सुरक्षा दी जाएगी। मुंबई से सुरक्षित कोई अन्य शहर नहीं है। इसके अलावा फडणवीस ने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बाबरी ढांचा गिरने के समय मैं खुद कार्यकर्ता के रूप में वहां था, लेकिन उद्धव ठाकरे ये बताएं कि वो कहां थे? उसके बाद ही वह हिंदुत्व पर बात करें। इसके अलावा फडणवीस ने बरसु रिफायनरी पर भी बयान दिया। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अभिनेता सलमान खान को सुरक्षा दी जाएगी।

मुंबई से सुरक्षित कोई अन्य शहर नहीं है। गौरतलब है कि बीते समय लॉरेंस बिश्नोई गैंग द्वारा सलमान खान को लगातार धमकियां मिल रही हैं। इसके बाद से सलमान की सुरक्षा बढ़ी है। फडणवीस ने कहा कि बाबरी ढांचा गिराने के समय वह खुद भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में वहां थे, लेकिन उद्धव ठाकरे कहां थे यह स्पष्ट करें? उसके बाद ही हिंदुत्व की बात करें। पीएम मोदी पर जनता का भरोसा है। कांग्रेस प्रवक्ता या नेता जितना भी पीएम मोदी के खिलाफ बोलेंगे, उतना पराजित होंगे। अगले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी सबसे आगे रहेगी। फडणवीस ने कहा कि निश्चित कुछ लोगों की पहचान की गई है, कुछ नेताओं की भी पहचान की गई है और कुछ ऐसे नेताओं की भी पहचान की गई है जो बार-बार आंदोलन में होते हैं, और कुछ लोग ऐसे हैं उनका एक गुट है ,जो राज्य में अशांति पैदा करना चाहते हैं। ऐसा इनपुट मिला है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 3 मई, 2023 3

सु वि चा र

मान-शान की इच्छा से दिये गये लाख रुपये की तुलना में प्रेम व ईमानदारी से दान किये गये मुट्ठी भर चावल का अधिक महत्त्व है

निम्स न्यू मेडिकल ब्लॉक की आधारशिला रखेंगे मुख्यमंत्री : हरीश राव

स्वास्थ्य मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) के सुपर-स्पेशियलिटी नए मेडिकल ब्लॉक की आधारशिला रखेंगे, जिसका निर्माण 1,571 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक में, स्वास्थ्य मंत्री, टी हरीश राव ने मंगलवार को नए निम्स मेडिकल ब्लॉक को एक ऐतिहासिक पहल के रूप में वर्णित किया, क्योंकि यह तेलंगाना में गरीब रोगियों के लिए सुपर-स्पेशियलिटी सेवाएं सुलभ कराएगा।

उन्होंने कहा, "एक बार नया ब्लॉक पूरा हो जाने के बाद, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) के लिए आगामी ब्लॉक के अलावा, एनआईएमएस में कुल बिस्तरों की संख्या बढ़कर 3,500 हो जाएगी, जिसमें अतिरिक्त 200 बिस्तर होंगे।" गांधी अस्पताल में 200 बिस्तरों वाला एमसीएच ब्लॉक पूरा होने और इस महीने के अंत तक उद्घाटन के लिए तैयार होने की उम्मीद है। तेलंगाना मां और बच्चे के स्वास्थ्य के लिए समर्पित एक अलग ब्लॉक बनाने वाला देश का पहला राज्य होगा। जनसंख्या में वृद्धि के अनुरूप, सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि जरूरतमंद रोगियों के लिए पर्याप्त मुफ्त सुपर-स्पेशियलिटी बेड उपलब्ध हों। राव ने कहा कि नया एनआईएमएस ब्लॉक, हैदराबाद में बनने वाले 4 टीआईएमएस सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल, गांधी अस्पताल और वारंगल हेल्थ सिटी को अपग्रेड करने से गरीब मरीजों को कम से कम 10,000 सुपर-स्पेशियलिटी बेड तक पहुंच सुनिश्चित होगी।

गृह मंत्री ने कारागार एवं सुधार विभाग की समीक्षा की

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने मंगलवार को जेल एवं सुधार विभाग की समीक्षा की। इस समीक्षा में डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में स्थित मंत्री कार्यालय में विभाग प्रभारी डीजी व गृह विभाग के मुख्य सचिव जितेंद्र, आईजी राजेश, कारागार विभाग के डीआईजी, अधीक्षक सहित अन्य उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में गृह मंत्री ने कारागार विभाग के कामकाज, उस विभाग में स्थापित औद्योगिक इकाइयों, विभाग के अधीन पेट्रोल स्टेशनों, बंदियों के लिए चलाये जाने वाले कार्यक्रमों और कारागार विभाग से संबंधित मजिस्ट्रेटी पूछताछ के तरीके पर चर्चा की। गृह मंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि टीआईएसएस, मुंबई द्वारा अन्य संगठनों के साथ किए गए एक सर्वेक्षण में तेलंगाना कारागार विभाग देश में तीसरे स्थान पर था। उन्होंने कहा कि जेल विभाग द्वारा चलाए जा रहे पेट्रोल पंपों में बंदियों की सजा पूरी होने के बाद उन्हें नौकरी देना अच्छी नीति है। समीक्षा बैठक में कारागार विभाग के डीआईजी मुरली बाबू, श्रीनिवास सहित विभिन्न जेल अधीक्षक और अन्य ने भाग लिया।

युवा मतदाता आधार का विस्तार होगा : विकास राज

सीईओ ने राजनीतिक दलों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज ने मंगलवार को राजनीतिक दलों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में बीजेपी, टीडीपी, कांग्रेस, सीपीआई (एम) और एमआईएम के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान, सीईओ ने मतदाता आधार का विस्तार करने के लिए 17-18 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं के लिए नामांकन की तारीखों को उदार बनाने के ईसीआई के प्रयासों के बारे में राजनीतिक दल के नेताओं को अवगत कराया। उन्होंने मतदान केंद्रों की स्थिति पर भी प्रकाश डाला, रैंप, पेयजल, फर्नीचर, प्रकाश व्यवस्था, हेल्प डेस्क, साइनेज और शौचालय जैसी न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित करना। सीईओ ने कहा कि ईसीआई के निर्देशों के अनुसार सरकारी अधिकारी स्थायी सुविधाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। सीईओ ने राजनीतिक दलों को ईआरओ द्वारा की गई विभिन्न

गतिविधियों के बारे में भी बताया, जिसमें 406 बैठकें आयोजित करना, नोटिस बोर्ड पर फॉर्म 8, 9, 10 और 11 प्रदर्शित करना और निष्पक्ष और पारदर्शी सुनिश्चित करने के लिए बूथ स्तर एजेंटों (बीएलए) के महत्व को शामिल किया गया है। हालांकि, सीईओ ने बताया कि 34891 मतदान केंद्रों के मुकाबले केवल 1785 बीएलए के साथ बीएलए की संख्या पर्याप्त नहीं थी। उन्होंने बीएलए की संख्या बढ़ाने के लिए राजनीतिक दल के नेताओं को फिर से आमंत्रित किया। सीईओ ने कहा कि उन्होंने फोटो समान प्रविष्टियों सहित आदि सुरक्षा उपायों पर ईआरओ को निर्देश भी जारी किए और डेटा प्रविष्टि स्तर पर पाई गई तार्किक त्रुटियों के प्रति सतर्कता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। ईसीआई ने आगे बताया कि वर्तमान में फर्म 6, 7 और 8 सहित 4 लाख लंबित फॉर्म थे। सीईओ ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और आदिवासियों जैसे अन्य वंचित वर्गों के बीच मतदाता भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए ईसीआई की विशेष पहल पर भी प्रकाश डाला। सीईओ ने राजनीतिक दलों के साथ रचनात्मक और सार्थक चर्चा की सराहना की और देश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव को बढ़ावा देने के लिए निरंतर सहयोग की आशा व्यक्त की। राजनीतिक दलों ने नवीनतम निर्देशों और आगामी आम चुनावों को ध्यान में रखते हुए ईसीआई की आईटी पहलों पर अधिक विवरण देने और उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों से अवगत कराने के लिए उनके साथ कार्यशाला आयोजित करने का अनुरोध किया। बैठक में डिप्टी सीईओ सुश्री सत्य वाणी और हमीद ने भी बैठक में भाग लिया।

हनुमान जयंती उत्सव 14-18 मई तक, हुई बैठक

तिरुमाला, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी जेईओ (एच एंड ई) सदा भार्गवी ने कहा कि हनुमान जयंती उत्सव 14-18 मई तक तिरुमाला में मनाया जाएगा और भक्ति कार्यक्रमों को भक्तों को बड़े पैमाने पर प्रभावित करना चाहिए। सभी विभागाध्यक्षों के साथ तिरुपति में प्रशासनिक भवन में अपने कक्ष में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान, जेईओ ने कहा कि टीटीडी की सभी परियोजनाओं के कलाकारों द्वारा अंजनाद्री आकाशगंगा, नाडा नीराजनम में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रख्यात विद्वानों के साथ धार्मिक प्रवचनों का भी आयोजन किया गया है। एसवीबीसी वैश्विक भक्तों के लिए कार्यक्रम का सीधा प्रसारण करेगा। सीईओ एसवीबीसी शनमुख कुमार, वैदिक वर्सीफाई वीसी रानीसदाशिव मूर्ति, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वीसी कृष्णमूर्ति, एचडीपीपी सचिव श्रीनिवासुलु, सभी परियोजना कार्यक्रम अधिकारी राजगोपाल, अन्नामचार्य परियोजना निदेशक विभीषण शर्मा और अन्य भी उपस्थित थे।

रैतू बीमा की तर्ज पर ताड़ी निकालने वालों को लिए भी बीमा : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने किसानों के लिए रैतू बीमा की तर्ज पर 'गीता कर्मिकुला बीमा' (ताड़ी ताशकों के लिए बीमा) शुरू करने का फैसला किया, जो पहले से ही तेलंगाना राज्य में लागू है।

सीएम केसीआर ने कहा कि अगर ताड़ी टापर की खेतों में ताड़ के पेड़ से ताड़ी इकट्ठा करने के दौरान दुर्घटनावश मृत्यु हो जाती है तो 5 लाख रुपये की बीमा राशि सीधे परिवार के सदस्यों के बैंक खाते में जमा की जाएगी। सीएम ने राज्य के वित्त मंत्री टी हरीश राव और आबकारी और मद्य निषेध मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ को नई बीमा योजना के लिए दिशानिर्देश तैयार करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में मंगलवार को डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में समीक्षा बैठक की। राज्य के आबकारी मंत्री वी. श्रीनिवास गौड, वित्त मंत्री हरीश राव और अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, सीएम केसीआर ने अपनी चिंता व्यक्त की कि ताड़ी टापर्स की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में पेड़ों से दुर्घटनावश गिरने के कारण उनकी जान चली जाती है। सीएम ने कहा कि ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में मारे गए ताड़ी तस्करों के परिवारों की मदद करना सरकार की जिम्मेदारी है। सीएम केसीआर ने कहा कि सरकार पहले से ही पीड़ित परिवारों को अनुग्रह राशि प्रदान कर रही है लेकिन इसमें बड़ी देरी हो रही है। ताड़ी टापर परिवारों की दुर्दशा को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने बीमा कवरेज का विस्तार करने और शोक संतप्त परिवारों को एक सप्ताह के भीतर राशि वितरित करने का निर्णय लिया, जैसे किसान परिवारों ने रैतू भीम लाभ प्राप्त किया। सीएम केसीआर ने मंत्रियों और सरकार के मुख्य सचिव को इस दिशा में कार्रवाई करने के आदेश जारी किए।

निम्स के डॉक्टरों का कमाल, 4 महीने में 50 किडनी ट्रांसप्लांट किए

जरूरतमंद रोगियों का मुफ्त में किडनी प्रत्यारोपण

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सरकारी अस्पतालों के लिए एक और उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में, निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) में अंग प्रत्यारोपण टीम ने चार महीने की छोटी अवधि में सफलतापूर्वक 50 किडनी प्रत्यारोपण पूरे किए हैं, जिनमें से 28 जीवित संबंधित थे और 22 अंग मस्तिष्क मृत दाताओं से थे। राज्य द्वारा संचालित आरोग्यश्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत जरूरतमंद रोगियों को मुफ्त में निम्स में 50 किडनी प्रत्यारोपण किए गए। निम्स में क्रोनिक किडनी ट्रांसप्लांट के मरीज आरोग्यश्री बीमा योजना के माध्यम से लगभग 15 लाख रुपये की स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का मुफ्त में लाभ उठा रहे हैं।

पिछले एक साल में, तेलंगाना सरकार ने अंग प्रत्यारोपण करने के लिए गांधी अस्पताल, ओजीएच और एनआईएमएस सहित हैदराबाद में तृतीयक सरकारी अस्पतालों को प्रोत्साहित करने के लिए एक ठोस प्रयास शुरू किया था। किडनी के अलावा, राज्य द्वारा संचालित शिक्षण अस्पतालों ने ब्रेन डेड घोषित करने और हृदय, यकृत, त्वचा और फेफड़ों सहित अन्य अंगों के प्रत्यारोपण के प्रयास तेज कर दिए हैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव ने कहा, "मैं इस साल के पहले 4 महीनों में 50 सफल गुर्दा प्रत्यारोपण पूरा करने के लिए निम्स अस्पताल को बधाई देता हूं। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में, तेलंगाना सरकार अब अंग प्रत्यारोपण रोगी के लिए आरोग्यश्री के माध्यम से 15 लाख रुपये का मुफ्त चिकित्सा व्यय प्रदान कर रही है। वर्ष 2014 में राज्य बनने के बाद से निम्स अस्पताल ने 862 किडनी प्रत्यारोपण किए हैं, जिनमें से 522 जीवित संबंधित थे और 340 कैडेवर अंग दान के माध्यम से आयोजित किए गए थे। 2015 से, हर साल औसतन, एनआईएम अस्पताल कम से कम 100 गुर्दा प्रत्यारोपण सर्जरी आयोजित करता है। पिछले साल, निम्स के सर्जनों ने 93 किडनी ट्रांसप्लांट किए और इस साल पहले चार महीनों के भीतर, ट्रांसप्लांट टीमों ने पहले ही 50 किडनी ट्रांसप्लांट किए हैं। मृत दाता अंग प्रत्यारोपण को जीवनदान अंगदान पहल के माध्यम से लिया जाता है। हरीश राव ने कहा, "आने वाले महीनों में, 35 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रहे गांधी अस्पताल में अंग प्रत्यारोपण केंद्र तैयार हो जाएगा, हम सरकारी अस्पतालों में अपनी उच्च अंत अंग प्रत्यारोपण सर्जरी को और मजबूत करने में सक्षम होंगे।" निम्स में यूरोलॉजी टीम का नेतृत्व प्रमुख रूप से डॉ राहुल देवराज कर रहे हैं और टीम के सदस्यों में प्रो डॉ सी राम रेड्डी, डॉ. एस. विद्यासागर, डॉ. जी. रामचंद्रैया, डॉ जीवी चरण कुमार, डॉ. धीरज, डॉ अरुण कुमार, डॉ सुनील, डॉ. विनय, डॉ. विष्णु अन्य शामिल हैं।

राजभवन से आया मंत्री के आरोपों पर जबाव

सचिवालय के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित नहीं थी राज्यपाल

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजभवन और प्रगति भवन के बीच की खाई दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है और उनके बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी है।

अब, यह नए सचिवालय भवन के उद्घाटन के मुद्दे पर है। मंत्री जगदीश रेड्डी द्वारा लगाए गए आरोपों का खंडन करते हुए कि राज्यपाल ने राज्य सरकार द्वारा निमंत्रण दिए जाने के बावजूद जानबूझकर नए सचिवालय परिसर के उद्घाटन समारोह में नही आई। राजभवन ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि राज्यपाल को कोई निमंत्रण नहीं दिया गया है। राजभवन इस निराधार और झूठे आरोप का जोरदार खंडन करता है कि राज्य सरकार द्वारा नए सचिवालय भवन के उद्घाटन के लिए राज्यपाल को निमंत्रण दिया गया है और निमंत्रण के विस्तार के बावजूद राज्यपाल कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए राजभवन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है।

गला दबाकर महिला की हत्या करने वाला गिरफ्तार

आरोपी को गिरफ्तार करने वाले पुलिसकर्मी पुरस्कृत

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीती एक मई रात करीब 12.30 बजे शादनगर थाने के पेट्रोलिंग कार प्रभारी पीसी रफी, पीसी बुपल रेड्डी और एसपीओ गोवर्धन (चालक) चटनपल्ली गांव के बाहरी इलाके में पेट्रोलिंग कर रहे थे। इसी बीच बुचीगुड़ा रोड की ओर एक व्यक्ति सिर पर बोरी लादकर संदेहास्पद तरीके से जा रहा था।

इलाके में गश्त कर रहे पीसी ने उसे रोक लिया और बैग की जांच की तो करीब 30 साल की एक महिला का शव मिला। पूछताछ करने पर संदिग्ध ने अपना नाम रामुलू पुत्र चंदिया उम्र 45 वर्ष बताया। वह पटेल रोड शादनगर का रहने वाला है। उन्होंने कहा कि वह राजापुर मंडल के मूल निवासी है। आरोपी रामुलु ने कहा कि उसने करीब 15 साल पहले शारदा से शादी की थी और उनकी करीब

13 साल की एक बेटी है। संदिग्ध ने कहा कि पिछले छह सालों से उसके पुरुषोत्तम नाम के एक व्यक्ति से संबंध थे। वह आरोपी के साथ एक मजदूर के रूप में भी काम करता है। जैसा कि रामुलू को एक लड़के की लालसा थी। उसने पुरुषोत्तम से अनुरोध किया और 1.5 लाख का भुगतान करके उसके एक महीने के लड़के को गोद ले लिया। दो महीने के बाद, पुरुषोत्तम की पत्नी देवकी (मृतक) आरोपी के घर आई और अपने बच्चे को वापस करने की मांग की। आरोपी के परिवार ने उसे मना लिया और वापस भेज दिया। बीती एक मई को रात 8.30 बजे मृतक देविका रामुलु के घर आई और अपने बेटे को वापस लाने के लिए आरोपी परिवार से झगड़ने लगी। आरोपी रामुलु, उसकी पत्नी शारदा और शारदा की बहन ने पीड़िता को समझाने का प्रयास किया। लेकिन उसने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया और उन पर चिल्लाते हुए अपने बच्चे को वापस मांग रही थी। अभियुक्त रामुलू मृतका के रवैये से तंग आ गया, क्रोधित हो गया और उसे मारने का फैसला किया। घर में अपने परिजनों की मौजूदगी में एक घंटे तक तीखी नोकझोंक के बाद आरोपी रामुलू ने चुन्नी से गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को बोरे में भरकर शादनगर के बाहरी इलाके में फेंकने की योजना बनाई। इसी दौरान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सीपी साइबराबाद स्टीफन रवींद्र ने शादनगर थाने के पीसी रफी और भूपाल रेड्डी की सराहना करते हुए अपराधी को रंगे हाथों पकड़ने की कार्रवाई के लिए पुरस्कृत किया।

यूओएच में कलाकारों और कला प्रेमियों के लिए आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ललित कला विभाग, सरोजिनी नायुडू स्कूल ऑफ आर्ट एंड कम्युनिकेशन, हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) ने हाल ही में एक आउटरीच कार्यक्रम आर्ट सूक संकाय के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जो चित्रित टेराकोटा प्लेटर से लेकर वेल्डेड और टेराकोटा मूर्तियां, ज़ीन से लेकर आभूषण तक की अपनी विविध प्रकार की प्रथाओं और कृतियों को प्रदर्शित करता है। यहां तक कि रोजमर्रा की कार्यात्मक वस्तुएं जैसे कैलेंडर, बैग, स्कार्फ और लैंपशेड भी। सेरीग्राफी और साइनोटाइप जैसी प्रिंटमेकिंग तकनीकों के उपयोग से ये सामान्य प्रतीत होने वाली वस्तुओं को कुछ असाधारण में बदल दिया गया। इस कार्यक्रम में एक एक्टिविटी कॉर्नर शामिल था, जहां आगंतुक पॉटरी, मार्बल प्रिंटिंग और ब्लॉक प्रिंटिंग सहित विभिन्न कलात्मक तकनीकों में अपना हाथ आजमाने में सक्षम थे। यह सरल लेकिन आकर्षक विशेषता एक अधिक इंटरैक्टिव समावेशी अनुभव की अनुमति देती है और आगंतुकों को विभिन्न कलात्मक तकनीकों से परिचित कराती है जो अन्यथा उनके सामने नहीं आती।

8 मई को हैदराबाद में जनसभा को संबोधित करेंगी प्रियंका गांधी

(फाइल फोटो)

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा तेलंगाना में बेरोजगारों की समस्याओं पर एक जनसभा को संबोधित करने के लिए 8 मई को हैदराबाद जाएंगी। पार्टी सूत्रों ने कहा कि वह कर्नाटक से यहां पहुंचेंगी जहां वह 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार कर रही हैं। जनसभा सरूरनगर मैदान में होगी। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) ने बैठक की तैयारी शुरू कर दी है। इस साल के अंत में तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होने हैं, कांग्रेस पार्टी लड़ाई के लिए कमर कस रही है। प्रियंका गांधी की इस मुलाकात को चुनावी मोड में आने की पार्टी की कोशिशों के तहत देखा जा रहा है।

इस बैठक से तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) परीक्षा पेपर लीक के मद्देनजर बेरोजगारों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी के राज्यव्यापी आंदोलन को मजबूती मिलने की उम्मीद है। बेरोजगारी और टीएसपीएससी पेपर लीक मुद्दों पर राज्य कांग्रेस द्वारा की गई गतिविधियों के हिस्से के रूप में नलगोंडा, खम्मम, आदिलाबाद और अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किए गए।

राज्य कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि वे यह भी बताएंगे कि केंद्र और राज्य में सत्ता में आने के बाद उनकी पार्टी युवाओं के लिए क्या करने जा रही है।

कांग्रेस पार्टी टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग कर रही है। तेलंगाना पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

टीएस ईसीईटी-2023 पंजीकरण की अवधि 8 मई तक बढ़ाई गई

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीएस ईसीईटी परीक्षा संयोजक प्रो. श्रीराम वेंकटेश ने मंगलवार को कहा कि तेलंगाना स्टेट इंजीनियरिंग कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीएस ईसीईटी-2023) के लिए बिना विलंब शुल्क के ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 8 मई तक बढ़ा दी गई है। इसके बाद विलंब शुल्क के बिना आगे कोई विस्तार नहीं होगा केंद्रों की सीमित क्षमता को देखते हुए, इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे अपनी पसंद का केंद्र या अपने नजदीकी केंद्र प्राप्त करने के लिए जल्दी आवेदन करें। उम्मीदवार जो अपने अंतिम वर्ष /सेमेस्टर के परिणाम की उम्मीद कर रहे हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन और अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट https://ecet.tsche.ac.in/ पर जाएं।

चिकन बिरयानी में मिला कॉकरोच रेस्टोरेंट पर 20,000 रुपये का जुर्माना

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने अमीरपेट के कैप्टन कुक रेस्तरां को अपने एक ग्राहक एम. अरुण को मुआवजे के रूप में 20,000 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है, जिसने अपने चिकन बिरयानी टेकअवे पार्सल से एक कॉकरोच को रेंगते हुए पाया था। सितंबर 2021 में हुई इस घटना के कारण रेस्तरां को स्वच्छता और स्वच्छता मानकों को बनाए रखने में विफल रहने का दोषी ठहराया गया है। अरुण की शिकायत के अनुसार, उन्होंने कैप्टन कुक रेस्तरां से चिकन बिरयानी टेकअवे पार्सल मंगवाया और अपने कार्यस्थल पर पहुंचने पर एक कॉकरोच को भोजन से रेंगते हुए पाया। उन्होंने कहा कि इस घटना ने न केवल उनकी कई दिनों तक भूख मिटाई, बल्कि उन्हें उल्टी भी कर दी। अरुण ने तुरंत रेस्तरां से संपर्क किया और उन्हें घटना के बारे में बताया, केवल प्रबंधक से माफी मांगने के लिए, जिसने दावा किया कि प्रतिष्ठान में कीट नियंत्रण हाल ही में हुआ था।

हालांकि, उन्होंने माफी स्वीकार करने से इनकार कर दिया और मामले को जिला फोरम में ले गए। सुनवाई के दौरान, रेस्तरां ने अरुण द्वारा लगाए गए आरोपों का खंडन किया और दावा किया कि भोजन ताज़ा और गर्म था, जिससे उस तापमान पर एक कीड़े का जीवित रहना असंभव हो गया। लेकिन आयोग ने रेस्तरां मालिकों को दोषी पाया और कहा कि वे स्वच्छता और स्वच्छता मानकों को बनाए रखने में विफल रहे। इसके अतिरिक्त, अरुण द्वारा प्रस्तुत एक वीडियो में दिखाया गया कि वास्तव में एक कॉकरोच भोजन से रेंग कर बाहर आया था।

आयोग ने रेस्तरां को अरुण को मुआवजे के रूप में 20,000 रुपये और मामले की सुनवाई के दौरान हुए खर्च के लिए 10,000 रुपये अतिरिक्त देने का आदेश दिया है। दोषियों को 45 दिनों के भीतर जुर्माना अदा करने का निर्देश दिया गया है। आयोग ने ग्राहकों को भोजन प्रदान करते समय प्रतिष्ठानों द्वारा स्वच्छता और स्वच्छता मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है।

CLASSIFIEDS

New flats for sale

New Apartments, 3BHK Super Deluxe Flats, Ready to Occupy, GHMC & RERA Approved Project, Good Vastu, OC Received Bank Loan available, @ Pragati Colony, Near Aram Ghar X Roads, Before Shamshabad International Airport. Contact: 9100015559, 9100015558.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मंत्री नंद गोपाल नंदी और सिद्धार्थ नाथ सिंह के करीबियों पर एक्शन, बीजेपी ने दिखाया बाहर का रास्ता

प्रयागराज, 2 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव के लिए राज्य में समाजवादी पार्टी और बीजेपी में बागी नेताओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बीते दिनों बीजेपी में रईस शुक्ला के शामिल होने के बाद योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने खुले तौर पर नाराजगी जाहिर की थी, जिसके बाद प्रयागराज में पार्टी के अंदर नाराज नेताओं की संख्या बढ़ती जा रही थी। बीजेपी ने सोमवार को पार्टी के खिलाफ बगावती तेवर दिखा रहे नेताओं और निर्दलीयों को समर्थन देने वालों पर एक्शन लिया। पार्टी से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले 26 नेताओं के खिलाफ बीजेपी ने की बड़ी कार्रवाई की है। पार्षद का चुनाव लड़ने वाले 26 नेताओं को छह साल के लिए बीजेपी से निकाला गया।

बीजेपी सांसद मेनका गांधी कीचड़ में गिरीं

चुनाव प्रचार के लिए पहुंचीं थी घासीगंज, वीडियो आया सामने

सुल्तानपुर, 2 मई (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में बीजेपी सांसद मेनका गांधी संभल-संभल कर चलते हुए दिखाई दे रही हैं, लेकिन इसी बीच उनका पैर फिसलता है और वो जमीन पर गिर पड़ती हैं। उनके साथ चल रहे सुरक्षाकर्मी उनको फिसलने से बचाने की कोशिश करते हैं, लेकिन तब तक मेनका गांधी गिर जाती हैं। भाजपा सांसद मेनका गांधी शाम यूपी के सुल्तानपुर में नगर निकाय चुनाव का प्रचार करने के लिए घासीगंज वार्ड पहुंचीं थीं। बारिश के चलते हुए कीचड़ की वजह से उनकी गाड़ी कार्यक्रम स्थल से कुछ दूरी पर खड़ी हो गई। मेनका गाड़ी से उतरकर कार्यक्रम स्थल की ओर जाने लगी, लेकिन इसी दौरान बारिश की वजह से हुए कीचड़

की वजह से वो बहुत संभलकर चलते हुए दिखाई देती हैं। इसी दौरान अचानक मेनका गांधी का पैर फिसल जाता है और वो गिर जाती हैं। मेनका गांधी के साथ चल रहे उनको लोगों ने उन्हें तत्काल उठाया। हालांकि राहत की बात यह रही है कि मेनका गांधी को कोई गंभीर चोट नहीं लगी है। इसके बाद वो कार्यक्रम स्थल पर पहुंची और लोगों को संबोधित किया।

घासीगंज में सभा को संबोधित करने पहुंची थी मेनका गांधी

भाजपा ने सुल्तानपुर से पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल को नगर पालिका का प्रत्याशी बनाया है। मेनका गांधी बीजेपी प्रत्याशी के समर्थन में सोमवार शाम को नगर पालिक के वार्ड नंबर 15 घासीगंज में एक सभा को संबोधित करने पहुंची थीं। उनके साथ बीजेपी विधायक विनोद सिंह समेत कई गाड़ियों का काफिला था। उत्तर प्रदेश में दो चरणों में निकाय चुनाव कराए जाएंगे। 18 में से नौ मंडलों में 4 मई को पहले चरण में मतदान होना है, जबकि बचे नौ मंडलों में दूसरे चरण में 11 मई को मतदान होगा। जबकि मतगणना 13 मई को एक साथ होगी।

'भाजपा के विकास का घड़ा भरकर छलकने लगा'

एक यूजर संतोष कुमार यादव ने इस घटना का वीडियो ट्विटर पर शेयर किया है। संतोष ने अपनी प्रोफाइल के इंट्रो में खुद को समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता बताया है। संतोष ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'भाजपा के विकास का घड़ा अब भरकर छलकने लगा है ! सुल्तानपुर में बीजेपी सांसद मेनका गांधी कीचड़ में फिसलकर गिरीं। उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं को फटकार लगाई। सुलतानपुर में 01 मई को दिनभर झमाझम बारिश हुई। देर शाम अपने संसदीय क्षेत्र में सांसद मेनका गांधी घासीगंज वार्ड में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचीं थीं। इसी दौरान वो कीचड़ में फिसलकर गिर गईं।'

तेज प्रताप अपना बयान वापस लें

माफी मांगें ', बिहार में बागेश्वर सरकार को मिला साधु-संतों का समर्थन

पटना, 2 मई (एजेंसियां)। पटना में बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कार्यक्रम को लेकर बिहार के मंत्री तेज प्रताप के बयान के बाद अब बिहार में संत समाज धीरेंद्र शास्त्री के समर्थन में मुखर है। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि पंडित धीरेंद्र शास्त्री का बहिष्कार करना अति निंदनीय है, अगर बहिष्कार करना है असदुद्दीन ओवैसी का करें तो हमेशा नफरत फैलाते थे। हिंदुओं के खिलाफ बयानबाजी करते हैं। स्वामी चक्रपाणि महाराज ने कहा कि बिहार में जब तक सरकार नहीं थी तब तक तेज प्रताप कभी शिव के भक्त कभी कृष्ण के भक्त के रूप में वीडियो जारी करते थे। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि सत्ता मिलते ही सत्ता का ऐसा नशा चढ़ा कि आज तेज प्रताप श्रीराम कथा, भागवत कथा करने वाले पंडित आचार्य पंडित धीरेंद्र शास्त्री का ही बिहार में बहिष्कार कर रहे हैं। वो कह रहे हैं कि आचार्य पंडित धीरेंद्र शास्त्री आयेंगे तो मैं उनका बहिष्कार करूंगा यह दुर्भाग्य की बात है।

चोर गिरोह के 8 लोग पकड़े गए, हथियार समेत आभूषण बरामद

बागपत, 2 मई (एजेंसियां)। बासौली गांव के सरकारी अस्पताल समेत 5 जगहों पर हुई चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया। इसमें पुलिस ने चोर गिरोह के आठ लोगों को गिरफ्तार किया। ग्राम प्रधान के पति जितेंद्र ने तहरीर में बताया कि उनके गांव के सरकारी अस्पताल से सोलर पैनल की बैटरी और गैस सिलिंडर चोरी कर लिया गया। ग्राम प्रधान के पति जितेंद्र ने गांव के ही पारस, विकास, कल्लू, मल्लू, सजय, अक्षय, आर्यन, सागर, राहुल पर चोरी करने का शक जताया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच की। इसके बाद पुलिस ने पारस निवासी कमलानगर बड़ौत, कल्लू निवासी पट्टी चौधरान छपरौली, संजीव निवासी सरूरपुर, अजय, विक्की उर्फ विकास, अक्षय, आर्यन, सागर, मल्लू निवासी बासौली को गिरफ्तार कर लिया।

एक ही परिवार के पांच लोगों की अर्थी साथ उठी, एक साथ जलीं चिताएं

लुधियाना गैस लीक में हुई थी मौत

गया, 2 मई (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में हुए गैस लीक से एक ही परिवार के पांच सदस्यों की दम घुटने से मौत हो गई थी। सभी मृतक बिहार के गया जिले के कोच प्रखंड के मंझोली पंचायत के गन्नू बिगहा के रहने वाले थे। इन सभी का पार्थिव शरीर सोमवार देर रात लुधियाना से एंबुलेंस से पैतृक गांव लाया गया। शव लाते ही चारों तरफ चीत्कार मच गयी। परिवार का रो-रो कर बुरा हाल था। वहीं पांचो के शव के लिए 5 ठठरी बनाई गई जहां गांव के पास ही जलाया गया। इस दौरान औरंगाबाद सांसद सुशील सिंह टिकारी के विधायक अनिल सिंह पूर्व विधायक अभय कुशवाहा सहित जिला प्रशासन के विरोध शामिल हुए, जबकि हजारों ग्रामीण घटनास्थल पर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा सभी मृतकों के दो 2-2 लाख देने का ऐलान किया गया था, जिसे जिला प्रशासन के माध्यम से मृतक के परिजन को दिया गया। डॉक्टर परिवार 20 साल से लुधियाना में रहते थे और डॉक्टर कविलाश यादव वहीं पर रह कर निजी प्रैक्टिस करते थे। डॉक्टर का कविलास के साथ उनकी पत्नी दो बेटे और एक बेटी की मौत हो गई थी।

अतीक की हत्या के बाद प्रयागराज में पहली बार गरजे सीएम योगी

कहा- 'सबका हिसाब बराबर'

प्रयागराज, 2 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव के लिए पहले चरण के प्रचार का अंतिम दिन है। अंतिम दिन चुनाव में प्रचार के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज पहुंचे। अतीक अहमद की हत्या के बाद मुख्यमंत्री पहली बार प्रयागराज पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अतीक अहमद का नाम लिए बिना ही माफियाओं को अपना संदेश दिया। सीएम योगी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, प्रयागराज तो पापाचार का शिकार बना दिया था, यह प्रकृति सबका हिसाब बराबर करके रख

देती है। लेकिन प्रयागराज न्याय की धरती है। जो जैसा करता है वैसा ही भरता है। पीएम की नेतृत्व में भारत की प्रतिष्ठता बढ़ी है। लोकतंत्र में राजा हो या रंक सभी को वोट का समान अधिकार है। आज भारत का सम्मान होता है, दुनिया में भारत के प्रति नजरिया बदल चुका है।

युवाओं के हाथों में तमंचा नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा, आज हमारे नगर सेफ सिटी हो रहे हैं। आज युवाओं के हाथों में तमंचा नहीं है क्योंकि उन्हें तमंचे का दुष्परिणाम पता है। आज उनके हाथ में टैबलेट है और यह टैबलेट उसके टैलेंट को टेक्नोलॉजी से जोड़ेगा। उन्होंने कहा, का मतलब सबका साथ, विकास और विश्वास है। हमारी सरकार में 4 करोड़ गरीबों को एक एक आवास मिल रहा है। लगातार विकास के कार्य हो रहे हैं। हमने किसी के साथ मत और मतभेद के आधार पर नहीं बांटा है। उन्होंने कहा, हम माफिया की अवैध संपत्ति जब्त कर गरीबों को आवास देंगे। तुष्टिकरण को प्रोत्साहन करने वाले भेदभाव करते थे। आज यूपी परिवारवाद और जातिवाद की मानसिकता से ऊपर उठ चुका है। 2017 से पहले का यूपी में त्योहार भय और आतंक से मनाएं जाते थे, लेकिन आज तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। सभी जानते हैं कि तमंचे की कीमत क्या होती है। कुछ लोगों ने प्रयागराज के साथ अन्याय किया था।

बंगाल की लड़कियां और बिहार में 'गुलछर्रे

पटना में बड़े रैकेट का भंडाफोड़, इवेंट के नाम पर 'गंदा धंधा'

पटना, 2 मई (एजेंसियां)। पुलिस ने एक बड़े रैकेट का खुलासा किया है। पटना के शास्त्री नगर थाना की पुलिस ने राजा बाजार इलाके में बेली रोड फ्लाईओवर के पाया नंबर 73 के पास स्थित एक होटल में छापेमारी कर इस मामले का भंडाफोड़ किया। बताया जा रहा है कि गुप्त सूचना के आधार पर जब पुलिस होटल में पहुंची तब वहां 2 कमरों में चार युवतियों को बंद देखा। पुलिस ने जब युवतियों से पूछताछ शुरू की तब उन्होंने पुलिस को इस बात की जानकारी दी कि इवेंट कराने के नाम पर उन्हें पटना बुलाया गया है। कमरे में मिले आपत्तिजनक सामान के बाद जल्द ही मामले का खुलासा हो गया। पुलिस ने होटल के रजिस्टर में इस बात की जानकारी हासिल की कि कौन से लोग होटल पहुंचे हैं और उनके आने का मकसद क्या था? फिलहाल सभी युवतियों को थाने लाया गया है जहां पुलिस ने पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस को इस बात की भी जानकारी मिली है कि युवतियों को जिन लोगों ने पटना बुलाया है उनका रैकेट चलाने वाले लोगों से पुराना संबंध है। सोमवार की देर रात को इस मामले की छानबीन में जुटी रही है। हैरानी की बात है कि राजधानी पटना के होटल रैकेट के अंडे बनते जा रहे हैं।

शिक्षा मंत्री के समर्थन में 20 करोड़ रुपये इनाम का किया था ऐलान

अब चाचा भी कर रहे विरोध

पटना, 2 मई (एजेंसियां)। बिहार में नई शिक्षक नियुक्ति नियमावली की वजह से शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ मुहिम छेड़ दी है। कभी शिक्षा मंत्री के चाचा परमेश्वरी प्रसाद यादव ने अपने भतीजे के समर्थन में 20 करोड़ रुपये इनाम की घोषणा की थी। आज वह खुद शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर के खिलाफ़ हैं। रामचरित मानस विवाद के वक्त एक व्यक्ति ने शिक्षा मंत्री की जुबान काटने वाले को 10 करोड़ इनाम का ऐलान किया था। इस पर परमेश्वरी यादव ने कहा था कि जिसने यह बयान दिया है, उसकी गर्दन काटने वाले को हम 20 करोड़ रुपये इनाम में देंगे। भतीजे के बचाव में करोड़ों रुपये के इनाम की घोषणा करने वाले चाचा भी नई शिक्षक नियुक्ति नियमावली को भतीजे के खिलाफ हो गए हैं। उन्होंने शिक्षक भर्ती के नए नियम को काला कानून बताते हुए मरते दम तक आंदोलन करने की चेतावनी दी है। परमेश्वरी प्रसाद यादव ने नई शिक्षक नियुक्ति नियमावली-2023 में सुविधाओं में कटौती की बात कही है। उन्होंने कहा कि हम लोगों जो पहले से सुविधा मिल रही थी, नई नियमावली के तहत उन सुविधाओं में कटौती की गई है। उनकी मांग है कि सरकार बिना एग्ज़ाम लिए सरकारी नौकरी का दर्जा दें। समान काम, समान वेतन के साथ ही पूरे प्रदेश में ट्रांसफर नीति लागू की जाए। परमेश्वरी प्रसाद यादव ने कहा कि प्रदेश में करीब 16 सालों से ट्रांसफर नीति लागू नहीं हुई है। इस वजह से कई शिक्षकों के परिवार में दरार आ गई। उन्होने कहा कि सरकार की नई नियमावली पर प्रमंडल स्तर से आंदोलन करने के बाद विधानसभा का घेराव करेंगे। शिक्षक अपनी जान दे देंगे लेकिन यह नियम लागू नहीं होने देंगे। आपको बता दें कि सातवें चरण में शिक्षक नियोजन के लिए बिहार सरकार ने अप्रैल महीने में ही नई नियमावली को मंजूरी दे दी है। इस नियम के तहत बीपीएससी के ज़रिए राज्यस्तरीय परीक्षा पास करने के बाद शिक्षकों की नियुक्ति होगी। सीटीईटी, एसटीईटी और टीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थी ज्यादा से ज्यादा 3 बार ही परीक्षा दे पाएंगे। बहाल शिक्षक को सरकारी कर्मी का दर्जा दिया जाएगा। इसके साथ ही अनुकंपा का लाभ भी सरकारी कर्मियों की तरह मिलेगा। प्रदेश में पहले से नियोजित 4 लाख शिक्षकों की भी इसी नियम के तहत नियुक्ति होगी। नई शिक्षक नियमावली के तहत अभ्यर्थियों को आयु सीमा में 10 साल तक की छूट भी दी गई है। परीक्षा में पास हो चुके पुराने नियोजित शिक्षकों की सैलरी भी उनकी वरीयता पर डिसाइड की जाएगी। इसी वजह से प्रदेश भर के शिक्षक नई शिक्षक नियमावली 2023 का विरोध कर रहे हैं।

मुजफ्फरपुर में लगी भीषण आग, 4 बच्चियां जिंदा जलीं

मुजफ्फरपुर, 2 मई (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर के सदर थाना इलाके में देर रात तीन घरों में अचानक आग लग गई। जिसमें चार बच्चियां जिंदा जल गईं। वहीं आधा दर्जन लोग बुरी तरह झूलस गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए एसकेएमसीएच भेजा गया है। घायलों में भी कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना पाकर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। देर रात सदर थाना इलाके की रामदयालु स्टेशन के निकट झोपडीनुमा मकान में रह रहे नरेश राम के घर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और जब तक कोई कुछ समझ पाता तब तक मकान आग की चपेट में आ गया।

अतीक अहमद का जिक्र कर सीएम योगी पर बरसे असदुद्दीन ओवैसी

कहा- ' गोली का बदला गोली नहीं '

मुरादाबाद, 2 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में नगर निकाय चुनाव में प्रचार करने के लिए एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी उमरी कला नगर पंचायत पहुंचे, जहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान ओवैसी ने अतीक अशरफ हत्याकांड पर योगी सरकार को घेरा और जमकर निशाना साधा। ओवैसी ने कहा कि गोली का बदला अगर गोली से होने लगेगा तो फिर सरकार और अपराधियों में फर्क ही क्या रह जाएगा। असदुद्दीन ओवैसी लगातार अतीक अहमद की हत्या को लेकर यूपी सरकार पर सवाल उठा रहे हैं और पुलिस कस्टडी में हुई दोनों भाईयों की हत्या को लेकर योगी सरकार पर हमला कर रहे हैं। सोमवार को जब औवैसी निकाय चुनाव प्रचार के लिए मुरादाबाद पहुंचे तो उन्होंने एक बार फिर से इस मामले पर सीएम योगी को घेरने की कोशिश की और सवाल उठाया जिन तीनों ने अतीक अहमद और अशरफ की हत्या की उनके घर पर अब तक सरकार ने बुलडोजर क्यों नहीं चलाया है। उन्होंने अतीक की हत्या करने वालों को गोडसे की औलाद तक कह दिया।

बीजेपी और सपा पर किया हमला

ओवैसी ने जहां सीएम योगी को आड़े हाथों लिया तो वहीं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी जमकर भड़ास निकाली। ओवैसी ने कहा कि अखिलेश यादव कभी बोलते नहीं हैं वो सिर्फ ट्विटर और फेसबुक पर पोस्ट डाल देते हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमानों की कोई ताकत नहीं है इसलिए उन्हें गोली मार दी जाती है।

गोमती रीवर फ्रंट घोटाले में सीबीआई ने कसा शिकंजा

पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन और दीपक सिंघल से कर सकती है पूछताछ

लखनऊ, 2 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हुए गोमती रीवर फ्रंट घोटले में यूपी के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन और दीपक सिंघल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इन दोनों से सीबीआई जल्द पूछताछ कर सकती है। सीबीआई ने इन दोनों से पूछताछ के लिए सरकार से अनुमति मांगी है। गोमती रीवर फ्रंट का निर्माण समाजवादी पार्टी की सरकार में हुआ था। जब से इसका निर्माण हुआ, बीजेपी अनियमितता के आरोप लगा रही है। ये पूरा घोटाला लगभग 1438 करोड़ का है। प्रदेश में जब योगी सरकार आई तो इसके जांच के आदेश दे दिए। वहीं, सीबीआई ने इस मामले में कई लोगों को अरेस्ट किया है। ऐसे आरोप लगे कि जिन दो अफसरों को इस पूरे प्रोजेक्ट को देखने की जिम्मेदारी दी गई, उन्होंने पूरी तरीके से अनियमितता बरती। उस समय के मंत्री रहे शिवपाल यादव भी आरोपों के घेरे में आए। बिना किसी को बताए गुपचुप तरीके से टेंडर दिए जाने की भूमिका की भी सीबीआई जांच करेगी।

कोल्ड ड्रिंक की बोतल में शराब, पुलिस के उड़े होश

मधुबनी, 2 मई (एजेंसियां)। बिहार के मधुबनी जिले से शराब की तस्करी के मामले में 7 महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। लदनियां थाना क्षेत्र के महथा पंचायत स्थित महथा गांव के पास वेंगाटोल जानेवाले रास्ते पर गश्ती के दौरान नेपाल से आ रही 7 महिलाओं की गतिविधियों पर पुलिस को शक हुआ। संदेह के आधार पर पुलिस ने जांच की तो मामला शराब की तस्करी से जुड़ा निकला। मामले में पुलिस ने सभी 7 महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार महिलाओं के पास से शराब बरामद किये गये हैं।

बरेली में एसिड अटैक पीड़िता युवती की मौत

बरेली, 2 मई (एजेंसियां)। जंगल में मरणासन्न हालत में मिली एसिड अटैक पीड़िता की अस्पताल में मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ाकर उसके नाबालिग भाई और दूसरे बहनोई को भी गिरफ्तार कर लिया है। उसके पिता और एक बहनोई को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। बता दें, फतेहगंज पश्चिमी में अगरास जाने वाले रोड किनारे जंगल में 25 अप्रैल को एक युवती मरणासन्न हालत में मिली थी। उसका गला दबाने के साथ ही उस पर एसिड डाला गया था। पुलिस ने शिनाख्त के बाद मामले का खुलासा कर दिया था। पुलिस के अनुसार युवती की हत्या में पिता तोताराम और बहनोई दिनेश को जेल भेज दिया था। घटना के बाद से नाबालिग भाई और दूसरा बहनोई छेदालाल फरार थे। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने स्वीकार किया कि शादी के बाद भी युवती प्रेमी के साथ रहने पर अड़ी थी। इसी वजह से उन लोगों ने हत्या की योजना बनाई, लेकिन धोखे से वह जिंदा बच गई। युवती का भोजीपुरा के मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा था।

मस्जिद से एलान! बुर्का पहने महिलाओं ने की अतीक की पत्नी शाइस्ता को भगाने में मदद

प्रयागराज, 2 मई (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी मारे गए गैंगस्टर अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन अभी भी फरार है। सूत्रों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) चार दिन पहले प्रयागराज में शाइस्ता परवीन को पकड़ने के बेहद करीब पहुंच गई थी, लेकिन 'लेडी डॉन' स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस को गच्चा देने में कामयाब रही। पुलिस को पुख्ता सूचना मिली थी कि शाइस्ता प्रयागराज के हटुआ इलाके में है। सूत्रों ने कहा कि उसे अतीक के भाई अशरफ अहमद के ससुराल के पास देखा गया था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जब एसटीएफ की टीम वहां छापेमारी करने पहुंची तो बुर्का पहनी महिलाओं ने टीम को घेर लिया। पुलिस आगे नहीं बढ़ पाई और इसका फायदा उठाकर शाइस्ता परवीन भाग गई।

मस्जिद से ऐलान

सूत्रों के मुताबिक जब लोगों को सूचना मिली कि एसटीएफ की टीम छापेमारी करने आ रही है तो स्थानीय मस्जिद से अनाउंसमेंट कर महिलाओं को घर छोड़कर सड़क पर जमा होने के लिए कहा गया। इस भीड़ का फायदा उठाकर शाइस्ता भाग गई। इससे पहले यूपी पुलिस ने नैनी जेल जाकर अतीक के वकील खान सौलत हनीफ से पूछताछ की, जो गैंगस्टर का बड़ा विश्वासपात्र है और उमेश पाल के अपहरण मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। हनीफ के इनपुट के आधार पर पुलिस को पता चला कि उमेश पाल की हत्या से पहले शाइस्ता परवीन 'लेडी डॉन' मुंडी पासी से मिली थी।

सर्च लिस्ट में मुंडी पासी का नाम

पुलिस सूत्रों का कहना है कि कई आपराधिक मामलों में खुद जमानत पर बाहर चल रही मुंडी पासी शाइस्ता परवीन के भागने में मदद कर रही है और उसे खुफिया जानकारी मुहैया करा रही है। पुलिस कौशांबी बॉर्डर के पास मुंडी पासी और अतीक के गनर एहतेशाम की तलाश कर रही है। शाइस्ता परवीन के साथ अशरफ की पत्नी जैनब और बहन आयशा नूरी भी फरार हैं।

गया के ग्रामीण इलाकों में पेयजल की किल्लत नदी के पानी को छानकर पीने को लोग मजबूर

गया, 2 मई (एजेंसियां)। बिहार के गया के ग्रामीण इलाकों में पेयजल की काफी समस्या है। शहर के कई इलाकों के ग्रामीण मजबूरी में नदी का पानी छानकर पीते हैं। कुछ इलाकों में यह समस्या काफी ज्यादा है। बताया जाता है कि गया के सुदूरवर्ती बाराचट्टी, इमामगंज के कई क्षेत्रों में कुआं, चापाकल सब सूख गए हैं। इन ग्रामीणों को पीने के लिए पानी भी नहीं मिल पाता है। इसी तरह से इमामगंज स्थित विराज पंचायत के कई गांव की स्थिति बनी हुई है।

नदी का पानी छानकर पीते हैं लोग

शहर के इमामगंज अंतर्गत विराज पंचायत के कुछ गांवों की हालत तो पूरी तरह से बदतर बनी हुई है। इन गांवों के कुएं तक सूख चुके हैं। सबसे बड़ी बात है कि इस इलाके में नल जल योजना सिर्फ कागजों पर ही पानी दे रही है। वहीं पानी के कुछ स्त्रोत से भी किसी तरह लोग पानी ले रहे हैं। जबकि इस पंचायत के सैकड़ों घरों की आबादी पानी की समस्या को लेकर चिंतित और हताशा में रहने लगी है। वहीं गर्मी बढ़ते ही इन इलाकों में पेयजल की समस्या काफी बढ़ गई है। स्थिति यह होती है कि ग्रामीण नदी का पानी लाकर फिर उसे छानकर पीते हैं।

नल जल योजना का नहीं मिलता लाभ

इस पंचायत के कई गांव टोले में नल जल योजना कागजों पर ही नजर आते हैं। नतीजतन ग्रामीणों को कागजों पर तो पानी मिल रही है, जबकि जमीनी हकीकत है कि लोग पानी के लिए सुबह से लेकर शाम तक परेशान रहते हैं। ग्रामीण बताते हैं कि कुछ गांव और टोलों में जल का स्त्रोत एकदम से खत्म हो गया है। इन इलाकों में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। प्रशासनिक अधिकारियों के पास कई बार इस बारे में शिकायत की गई। इस बारे में कोई सुनने वाला नहीं है। बल्कि पानी को लेकर चल रही योजनाओं में बंदरबांट हो रही है। जिला प्रशासन के जरिए भी नल जल योजना या फिर चापाकल लगाने की योजना हो सभी में कई प्रकार की विसंगतियां है।

नदी के पानी से हो रहा सारा काम

विराट पंचायत के विराट, गोरडीहा, सामो, सिवा समेत कई टोलों में यही स्थिति है। वहीं, ग्रामीण महिला गुड़िया देवी, सोनी देवी, अनीता देवी ने बताया कि हमारे गांव में पानी का स्त्रोत सूख चुका है। कुआं में एकाध बाल्टी पानी है, वह भी गंदा है। मजबूरन हमें नदी से पानी लाना पड़ रहा है। उसी पानी को हमलोग छानकर पीने में इस्तेमाल करते हैं। उसी पानी से नदी में ही कपड़े धोते हैं। गांव की महिलाएं बताती है कि पानी नहीं रहने के कारण काफी दिक्कतें हो रही है। इनका कहना है कि हमारे लिए कोई नहीं सोचता। वहीं, स्थानीय वार्ड सदस्य भी कहते हैं कि समस्या गंभीर है, इसका जल्द निवारण होना चाहिए।

कपिल सिब्बल बोले कांग्रेस को लोकसभा में 50 से कम सीटें आई तो क्या यह बहुत बड़ी उपलब्धि है?

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 को ध्यान में रखते हुए देश का सियासी ताना-बाना फिर से बुना जाने लगा है। सत्ताधारी पार्टी बीजेपी की तीसरी बार लगातार केंद्र की सत्ता पर काबिज होने को लेकर सक्रियता चौंकाने वाली है, वहीं विपक्ष भी केंद्र सरकार को सत्ता से बेदखल करने की मुहिम में जुटी है। चर्चा ये भी है कि इस बार कांग्रेस क्या भूमिका निभाएगी और अन्य विपक्षी दल एक मंच पर दिखाई देंगे या नहीं। इन्हीं पहलुओं पर एबीपी लाइव से बातचीत के क्रम में देश के जाने माने अधिवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने बेबाकी से अपनी राय रखी। उन्होंने गांधी परिवार, कांग्रेस की लोकसभा चुनाव में भूमिका, राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त होने, विपक्षी एकता जैसे मुद्दों पर खुद का अनुभव साझा करे हुए कहा कि राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता का समाप्त होना गलत फैसला है। यह कानून के सिद्धांतों के खिलाफ है। ऐसा

लगता है कि कुछ लोग चाहते हैं कि इनकी सदस्यता जाए। उन्होंने वह हासिल कर लिया। हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट उन्हें राहत दे, यह मेरी कामना है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के बयान के संदर्भ में अगर बीजेपी वालों की बात को मान भी लें तो इस मामले में जिनकी मानहानि हुई, वह तीनों मोदी हैं। तीनों मोदी में से किसी ने याचिका दायर नहीं की। दरअसल, बीजेपी नेता यह साबित करना चाहते हैं कि उनके बयान से पूरे मोदी समाज की मानहानि हुई। कोर्ट को यह मालूम है कि जब तक दो साल की सजा नहीं दी जाएगी तब तक राहुल गांधी की सदस्यता नहीं जाएगी। यही वजह है कि कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल वाजिब भी हैं। यह मामला राहुल गांधी के बयान तक सीमित नहीं है। कुछ लोग राहुल गांधी को टारगेट कर रहे हैं। उनके खिलाफ कई मुकदमे हैं। वर्तमान केंद्र सरकार कांग्रेसमुक्त नहीं, बल्कि विपक्ष मुक्त भारत चाहती है। यही वजह है कि बीजेपी सबको टारगेट करने में जुटी है। उत्तराखंड, एमपी, अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में चुनी हुई सरकारों को सरकार गिराई गई। गोवा में कांग्रेस के पास बहुमत था, लेकिन राज्यपाल ने किसी और को सरकार बनाने के लिए बुलाया। दरअसल, इस मुहिम से जुड़े लोग हिंदुस्तान में बीजेपी के सिवा कुछ नहीं देखना चाहते।

50 से कम सीटों को पार्टी की उपलब्धि कैसे मान लें

जब उनसे यह पूछा गया कि राजस्थान में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच आप ने ट्वीट किया था कि क्या कांग्रेस तब जागेगी जब अस्तबल से घोड़े निकल जाएंगे। क्या आपको लगता नहीं कि कांग्रेस सुस्त मूड में रहती है? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि यदि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 50 से कम सीटें आई हैं, तो क्या हम उसे पार्टी की बड़ी उपलब्धि मान लें! क्या कांग्रेस कमजोर नहीं हुई। अगर आप कांग्रेस का इतिहास पलटेंगे तो आपको पता चल जाएगा, कांग्रेस मजबूत हुई है या कमजोर। आज मैं कांग्रेस में नहीं हूं। यदि में कांग्रेस में होता तो आधिकारिक रूप स कुछ कहता। यह उनका अंदरूनी मामला है। हां, राजस्थान की टिप्पणी के वक्त मैं कांग्रेस में था। आज जिस परिवार से मैं जुड़ा नहीं हूं उसके बारे में कोई टिप्पणी क्यों करूं?

बीजेपी राज में जो हो रहा है, क्या हम उसे सही मान लें

बीजेपी सरकार की कार्यशैली को लेकर पूछे जाने पर कहा कि मैं तो तानाशाही के खिलाफ हूं। मैं तो बीजेपी के खिलाफ हूं। बीजेपी की नीतियों के खिलाफ हूं। यह पूछे जाने पर कि बीजेपी में ऐसा क्या कर रही है जिससे आपको तानाशाही लग रही है? तंजिया लहजे में इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा था कि बीजेपी बहुत अच्छा काम कर रही है। आज मीडिया का मुंह बंद है। क्या इसे मैं उनका अच्छा काम मान लूं। विपक्षी नेताओं के खिलाफ ईडी, और सीबीआई का इस्तेमाल हो रहा है। क्या इसे अच्छा काम मान लिया जाए। अब वो झारखंड और छत्तीसगढ़ में सरकार गिराने में लगे हैं। मीडिया के लिए भी नोटिफिकेशन जारी कर दी कि कौन-सा कंटेंट सोशल मीडिया में दिखाया जाएगा? आप ही बताएं, जिस तरह से एनकाउंटर हो रहा है, क्या वो भी सही है।

मैं, सिर्फ साधन बन सकता हूं

विपक्षी एकता के सवाल पर उन्होंने कहा कि माहौल बन रहा है, लेकिन कौन विपक्ष की एकता का संयोजक बने, यह मैं नहीं कह सकता। यह तो विपक्ष को मिलकर तय करना होगा। सभी सियासी दलों को यह तय करना होगा कि कैसे आगे बढ़ा जाए? इस राह में मैं केवल एक साधन बन सकता हूं। विपक्षी एका के एलि फार्मूले को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि जवाब- मैं चाहता हूं विपक्ष एक मंच पर आए। मैंने एक शुरुआत की थी। मैंने प्लेटफार्म लॉन्च किया था विपक्ष एक साथ बोल रहा है, लेकिन उसे एक मंच पर आने की भी जरूरत है।

ऐसे में अमृतकाल के सपने नहीं होंगे पूरे

वर्तमान में देश का जैसा माहौल है, वैसा नहीं होना चाहिए, देश एक परिवार जैसा होता है। एक छोटा-सा परिवार है। परिवार में जब लोग एक साथ नहीं चलेंगे तो परिवार कभी सफल नहीं हो सकता। परिवार कभी उन्नति नहीं कर सकता। पीएम मोदी को निशाने पर लेते हुए कहा कि अगर देश एक साथ नहीं चलेगा तो अमृतकाल में जो सपने देखे जा रहे है। वो पूरा नहीं हो पाएगा।

अतीक की हत्या का क्या मतलब निकालें?

अतीक अहमद के एनकाउंटर को बतौर वकील उनका मानना है कि जब भी कोई आरोपी कस्टडी में हो, तो उसे सुरक्षा मुहैया कराना पुलिस की जिम्मेदारी होती है। रात को 10 बजकर 30 मिनट पर कौन सी मेडिकल इमरजेंसी थी? जो अतीक को अस्पताल ले जाना पड़ा। यह तो कोई नहीं पूछ रहा कि डॉक्टर क्यों जेल में नहीं गया?

दोनों भाईयों को एक साथ इमरजेंसी कैसे पड़ गई? फिर जब पुलिस लेकर गई, तो बाकी लोगों को कैसे पता चला? आरोपी ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि मुझे जान का खतरा है। पुलिस को भी मालूम था। तब उसे रात के अंधेरे में क्यों लाया गया? ऐसे मामले में तो किसी को पता भी नहीं चलता कि कैसे अस्पताल पहुंचा? फिर उन्होंने अस्पताल के गेट पर उन्हें दरवाजे से बहुत दूर उतारा। मीडिया भी वहीं था। तीनों वहां एक साथ कैसे पहुंच गए? फिर तीनों जय श्रीराम बोलते रहे। इसका क्या मतलब है?

छात्रों ने यूट्यूब से सीखकर व्यापारी के घर में की थी एक करोड़ की डकैती

वारदात से पहले की थी रेकी

छतरपुर, 2 मई (एजेंसियां)। छतरपुर जिले के नौगांव में स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में अध्ययनरत तीन छात्रों ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर नौगांव के ही एक मिष्ठान व्यापारी के घर में एक करोड़ की डकैती को अंजाम दे डाला। आरोपियों ने यूट्यूब के जरिये लूट और डकैती करने के तरीके, मौके से भागने की प्लानिंग, पीड़ितों को डराने, धमकाने और बांधने तक का अभ्यास किया था। इसके बावजूद चार आरोपी सुबह होने के पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ गए, जबकि एक फरार है। पकड़े गए आरोपियों से पुलिस ने लूट के 36 लाख रुपये नगद, 50 तोला से अधिक सोना एवं तीन किलो से अधिक चांदी व मोटर साईकिल सहित कुल एक करोड़ एक लाख 48 हजार की संपत्ति जब्त कर ली है। महज आठ घंटे में ही डकैती की इस बड़ी वारदात का खुलासा करने में छतरपुर पुलिस की लगभग 30 सदस्यीय टीम व साइबर सेल ने रात भर मेहनत की।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष ने की एलजी की सराहना

कहा- यमुना सफाई को लेकर सीएम केजरीवाल ने जनता को किया 'गुमराह'

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में यमुना सफाई अभियान राजनीति का अखाड़ा बन गया है। कितने सरकारें आईं और यमुना सफाई और उसके सौंदर्यीकरण को लेकर बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन दिल्ली वालों को यमुना कभी गंदे नाले से ज्यादा बेहतर नहीं दिखी। पहली बार दिल्ली के एलजी ने इस मुहिम का बीड़ा उठाया और अधिकारियों के साथ लगातार यमुना सफाई के कार्यों पर पैनी नजर बनाये रखा। नतीजा यह निकला कि अब यमुना नदी बेहतर स्थिति में दिखने लगी है। यमुना नदी में आए इस बदलाव के बाद दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने उपराज्यपाल की सराहना की है। इसके उलट उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर दिल्ली की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है।

1200 मीट्रिक टन कचरा निकालने का दावा

दिल्ली के प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार की नाकामियों के कारण यमुना नदी में बढ़ती गंदगी को सफाई करने की दिल्ली के उपराज्यपाल पहल सराहनीय है। उन्होंने 12 फरवरी से शुरु हुए यमुना सफाई अभियान के तहत 1200 मीट्रिक टन कचरा निकालने का दावा किया। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यमुना से गंदगी निकालकर सफाई करने से यमुना का पानी स्वच्छ तब तक नहीं होगा जब तक दिल्ली सरकार यमुना में गिरने वाले सीवर को ट्रीट करने के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पर्याप्त मात्रा में नहीं बनाऐगी।

दिल्ली सरकार के 6800 करोड़ के खर्च से भी यमुना रही जस की तस

अनिल चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने 2015 में सत्ता में आते ही 5 महीनों में यमुना को साफ करने का दावा किया था। उन्होंने कहा था, हम यमुना के पानी को इतना स्वच्छ बनाऐंगे, जिसमें मैं डुबकी लगाकर दिखाउंगा। परंतु पिछले 9 वर्षों में एसटीपी क्षमता बढ़ाने की दिशा में कोई काम उनकी सरकार ने नहीं किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने यमुना सफाई पर 6800 करोड़ रुपये खर्च किए है, परंतु यमुना में गंदगी जस की तस है। यमुना नदी का पानी प्रदूषित ही नहीं जहरीला हो चुका है।

नसबंदी के बाद प्रेग्नेंट हुई महिला, हाईकोर्ट ने कहा

3 लाख मुआवजा दो, सरकार बच्चे की एजुकेशन का पूरा खर्च उठाए

चेन्नई, 2 मई (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने नसबंदी कराने के बावजूद गर्भवती हो जाने वाली एक महिला के पक्ष में शुक्रवार को फैसला सुनाया और तमिलनाडु राज्य सरकार को उसे 3 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने सरकार को सरकारी या निजी संस्थान में महिला के तीसरे बच्चे का शिक्षा खर्च भी उठाने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट ने सरकार से ये भी कहा कि वह पहले से भुगतान किए गए किसी भी शुल्क को वापस लौटाए और भविष्य में किताबों, स्टेशनरी, ड्रेस और अन्य शैक्षिक जरूरतों से संबंधित सभी खर्चों का बोझ उठाए। खबर के मुताबिक जस्टिस बी पुगलेंधी की पीठ ने बच्चे के पालन-पोषण और दूसरी जरूरतों के लिए सालाना 1.20 लाख रुपये या 10,000 रुपये प्रति महीने दिए जाने का आदेश भी दिया है। ये रकम तब तक दी जाएगी जब तक कि बच्चा ग्रेजुएट या 21 साल का नहीं हो जाता। यह फैसला 2016 में थूथुकुडी की एक महिला द्वारा मदुरै बेंच में दायर याचिका पर जारी किया गया। हाईकोर्ट में मामले को लाने वाली महिला एक गृहिणी है और उसके पति एक खेतिहर मजदूर हैं। उनके पहले से ही दो बच्चे थे। उसने 2013 में थूथुकुडी सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नसबंदी कराने का विकल्प चुना था। हालांकि एक कथित मेडिकल लापरवाही के कारण उसने मार्च 2014 में फिर से गर्भधारण किया और बाद में जनवरी 2015 में तीसरे बच्चे को जन्म दिया। आगे से गर्भधारण को रोकने के लिए उसे एक और नसबंदी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा।

बाद में उसने डॉक्टर की कथित लापरवाही के लिए मुआवजे की मांग करते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जस्टिस पुगलेंधी ने कहा कि विभिन्न सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों के जरिये देश भर में लागू किया जा रहा परिवार नियोजन कार्यक्रम पूरी तरह से सरकार के दायरे में आता है। इस गंभीर जिम्मेदारी के लिए जिन चिकित्सा अधिकारियों पर भरोसा किया गया, उन्होंने लापरवाही बरती है। जिससे योजना कमजोर हो रही है।

बीच सड़क पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल पर युवक ने किया हमला

ऋषिकेश, 2 मई अप्रैल (एजेंसियां)। ऋषिकेश में कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के साथ हाथापाई का मामला सामने आया है। हाथापाई का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को मंत्री अपनी कार से जा रहे थे, तभी दो युवक बाइक से उतरे और कार को रोककर मंत्री को अपनी समस्या बताने लगे। तभी एक युवक आक्रोशित हो गया और हाथापाई शुरू कर दी। मंत्री अग्रवाल के पीए कौशल बिल्जवाण ने बताया कि युवक ने मंत्री का कॉलर पकड़ा और पीछे धकेलने लगा। तभी गनर ने उसे वहां से हटाया तो उसने गनर की पिस्टल छीनने और वर्दी फाड़ने का भी प्रयास किया। इस बीच गनर ने किसी तरह युवकों को वहां से हटाया तो वे भाग निकले। उन्होंने कहा कि गनर की ओर से युवकों के खिलाफ मामले में तहरीर दी जा रही है।

परिवर्तन यात्राः सोनीपत में इनेलो नेता अभय चौटाला बोले

शराब घोटाले में दुष्यंत को भी जेल में डालेगी बीजेपी

सोनीपत, 2 मई (एजेंसियां)। सोनीपत में इनोलो विधायक अभय चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार दुष्यंत चौटाला को भी शराब घोटाले के मामले में जेल में डाल देगी। दिल्ली के डिप्टी सीएम की तरह दुष्यंत चौटाला को भी जेल होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के तानाशाही रवैये से हर वर्ग परेशान है। आमजन को भाजपा से छुटकारा दिलाने के लिए सभी पार्टियों को इकट्ठा होकर प्रदेश को भाजपा मुक्त करना होगा। वह मंगलवार को गोहाना के पुराना बस स्टैंड के नजदीक अतुल मलिक के निवास स्थान पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने कार्यकाल में शहरवासियों के लिए कोई भी अच्छा काम नहीं किया। कांग्रेस सरकार ने भी आमजन के लिए कोई काम नहीं किया। अब वक्त आ गया है कि प्रदेश में इनेलो सरकार बनाएगी और लोगों के हित का काम करेंगी। उन्होंने कहा कि परिवर्तन यात्रा समाप्त होने के बाद इनेलो की तरफ से एक रैली का आयोजन किया जाएगा। जिसमें भाजपा से त्रस्त देशभर के बड़े नेता भाग लेंगे। इस दौरान अरुण कुमार व अतुल मलिक भी मौजूद रहे ।

ओडिशा में पिछड़ी जातियों का पहला सर्वेक्षण शुरू

बीजेपी नेता ने पूछा- 'ये कैसा सर्वे हो रहा'

भुवनेश्वर, 2 मई (एजेंसियां)। देशभर में जाति आधारित जनगणना की मांग के परिणामस्वरूप ओडिशा सरकार ने 208 पिछड़ी जातियों के लोगों की सामाजिक और शैक्षिक स्थितियों का सर्वेक्षण शुरू कर दिया है। यह राज्य में पिछड़ी जातियों का पहला सर्वेक्षण है जिसमें यह देखा जाएगा कि वे कैसे घरों में रहते हैं, क्या काम करते हैं, किन स्कूलों में पढ़ते हैं और बाजारों, अस्पतालों से कॉलेजों तक उनकी किस हद तक पहुंच है।

27 मई तक चलेगा जिसके जरिए पिछड़े वर्गों की सामाजिक और शैक्षिक स्थिति का पता लगाने की कोशिश की जाएगी ताकि उनके लिए जरूरी योजनाएं बनाई जा सकें। राज्य मंत्री जगन्नाथ सरकार ने एक बयान देते हुए कहा, 'इसका उद्देश्य पिछड़े वर्गों की सामाजिक और शैक्षिक स्थिति का पता लगाना है, यह उनके सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए केंद्रित योजना

के लिए महत्वपूर्ण है। सर्वेक्षण डेटा हमें ओबीसी के लिए बेहतर योजना बनाने में मदद करेगा।'

सुरथ बिस्वाल ने उठाए सर्वे पर सवाल

ओडिशा में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं और इससे पहले ओडिशा सरकार के इस सर्वेक्षण को लेकर सियासत शुरू हो गई है। बीजेपी के राज्य ओबीसी सेल के प्रमुख सुरथ बिस्वाल ने कहा कि जो लोग राज्य के बाहर काम करते हैं उनमें से कुछ को सर्वेक्षण में शमिल नहीं किया जाएगा। इसकी वजह जनगणना के लिए बनाए गए पोर्टल की जानकारी न होना है जिसमें सर्वे में शामिल लोग लॉग इन करके अपना विवरण भरेंगे। सुरथ बिस्वाल ने सरकार की खामियों का विवरण देते हुए कहा कि कई जातियों को भी एसईबीसी लिस्ट से बाहर किया गया है। ये वे जातियां है जो केंद्र सरकार की ओबीसी सूची में तो शामिल हैं, लेकिन राज्य एसईबीसी सूची में नहीं जोड़ी गई हैं। उनका कहना है कि इन जातियों को खुद ही राज्य की ओबीसी सूची में शामिल हो जाना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में बिस्वाल ने सरकार को घेरते हुए सवाल किया कि यह किस तरह का सर्वे हो रहा है।

जाति को आधार बनाकर सत्ता में लौटने की कोशिश?

वहीं बीजेपी कायकर्ता का कहना है कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक साल 2000 से सत्ता में हैं। उन्होंने महिलाओं का वोट बैंक हासिल किया जो कि अब काम नहीं आने वाला है। राज्य में जो बेरोजगारी है उसे देखते हुए को पार्टी अगले चुनावों में सत्ता में वापसी नहीं कर सकती। ऐसे में जाति को आधार बनाकर वे सत्ता में लौट सकते हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षक रबी दास की मानें तो सर्वेक्षण से यह साफ हो जाएगा कि प्रदेश में ओबीसी वर्ग की आबादी कितनी है। सर्वे के दौरान स्व-सहायता समूहों, संवैधानिक पदों, व्यवसायों आदि में प्रतिनिधित्व से संबंधित सवाल किए जाएंगें।

शरद पवार के इस्तीफे के मायनेः सुप्रिया या अजित

कौन होगा अगला अध्यक्ष, एनसीपी में बदलाव के पीछे की क्या कहानी?

नई दिल्ली, 2 मई अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने का एलान किया है। शरद पवार ने अपने इस्तीफे में कई भावनात्मक बातें भी कही हैं। पवार ने कुछ दिनों पहले इसको लेकर इशारा भी किया था। पवार ने यह एलान पार्टी की बैठक के दौरान किया। उनके एलान करते ही पार्टी के नेताओं ने इस फैसले को मानने से इनकार कर दिया। सभी नेता शरद पवार को मनाने में भी जुट गए हैं। सवाल ये है कि आखिर शरद पवार ने क्यों इस्तीफे का एलान किया? अब एनसीपी का नया मुखिया कौन होगा? अजित पवार और सुप्रिया सुले में कौन मारेगा बाजी?

पहले जानिए शरद पवार ने क्या कहा?

'मेरे साथियो! मैं एनसीपी के अध्यक्ष का पद छोड़ रहा हूं, लेकिन सामाजिक जीवन से रिटायर नहीं हो रहा हूं। लगातार यात्रा मेरी जिंदगी का अटूट हिस्सा बन गया है। मैं पब्लिक मीटिंग और कार्यक्रमों में शामिल होता रहूंगा। मैं पुणे, बारामती, मुंबई, दिल्ली या भारत के किसी भी हिस्से में हूं, आप लोगों के लिए हमेशा की तरह उपलब्ध रहूंगा। लोगों की समस्याएं सुलझाने के लिए मैं हर वक्त काम करता रहूंगा। लोगों का प्यार और भरोसा मेरी सांसें हैं। जनता से मेरा कोई अलगाव नहीं हो रहा है। मैं आपके साथ था और आखिरी सांस तक रहूंगा। तो हम लोग मिलते रहेंगे। शुक्रिया।'

पवार ने आगे कहा, 'मुझे लंबे समय तक पार्टी के नेतृत्व का मौका मिला। मैंने अध्यक्ष पद की कई साल जिम्मेदारी निभाई। मैं चाहता हूं कि कोई और इस जिम्मेदारी को संभाले। अब मैं अध्यक्ष पद से रिटायरमेंट ले रहा हूं।'

पवार ने ये फैसला क्यों लिया?

इसे समझने के लिए हमने महाराष्ट्र के राजनीतिक विश्लेषक आनंद त्रिपाठी से बात की। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र की सियासत में ये बड़ा फैसला है। शरद पवार का नाम महाराष्ट्र में काफी बड़ा है। इसके अलावा वह देश के भी बड़े नेता हैं। ऐसे में उनके एनसीपी अध्यक्ष पद छोड़ने का एलान करना बड़ा

सियासी संदेश भी है।' आनंद पवार के अध्यक्ष पद छोड़ने के पीछे तीन कारण बताते हैं।

1. पार्टी के अंदर उठ रहे ये विरोध के सुरः 2019 में ही पार्टी के कई नेता चाहते थे कि भाजपा और एनसीपी मिलकर सरकार बनाए। हालांकि, शरद पवार ने ऐसा नहीं किया। इसके बाद उनके भतीजे अजित पवार ने पार्टी के फैसले से अलग हटकर देवेंद्र फडणवीस के साथ मिलकर सरकार भी बना ली थी। तब अजित डिप्टी सीएम बने थे। हालांकि, एक दिन बाद ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद शरद पवार के कहने पर कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी ने मिलकर महाविकास अघाड़ी का गठन किया था। तब एनसीपी के कई नेताओं ने इसको लेकर नाराजगी जताई थी। हाल के दिनों में भी पार्टी के कई नेताओं ने भाजपा के साथ आने के लिए सलाह दी थी।

2. खुद की ताकत परखना चाहते हैं पवार?: ये भी संभव है कि पार्टी के अंदर उठ रहे विरोध और बार-बार भतीजे अजित पवार की बगावती सुर के बीच शरद पवार अपनी ताकत परखना चाहते हों। वह यह देखना चाहते हों कि आखिर जिस पार्टी को उन्होंने खड़ा किया था, आज उसमें उनके साथ कितने लोग खड़े हैं? इसका असर भी देखने को मिलने लगा है। बड़ी संख्या में एनसीपी के नेता उन्हें मनाने में जुट गए हैं। सभी एक स्वर में बोल रहे हैं कि वह पार्टी का अध्यक्ष बने रहें। कुछ ऐसा ही दो बार शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे ने भी किया था। बाला साहेब ठाकरे ने भी शिवसेना प्रमुख का पद दो बार छोड़ा था और बाद में पार्टी के नेताओं के आग्रह पर फिर से पद संभाल लिया था।

3. परिवार के विवाद को समय से पहले खत्म करनाः एनसीपी पर प्रभुत्व को लेकर पवार के घर में ही लड़ाई चल रही है। एक तरफ शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले हैं तो दूसरी ओर उनके भतीजे अजित पवार। ऐसे में पार्टी में पॉवर को लेकर परिवार में घमासान है। संभव है कि शरद पवार अपने इस फैसले के जरिए परिवार के विवाद को खत्म करने की कोशिश कर रहे हों।

पवार ने इस्तीफा वापस नहीं लिया तो कौन होगा अगला अध्यक्ष?

1. अजित पवारः शरद पवार के भतीजे और महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार का नाम इसमें सबसे पहले है। अजित पार्टी प्रमुख के लिए सबसे बड़े दावेदार हैं। पार्टी में उनकी हुकूमत भी चलती है। पार्टी पर उनका काफी प्रभाव है। यही कारण है कि जहां शरद पवार खुद नहीं होते हैं, वहां अजित को भेजा जाता है। अजित ने पार्टी के फैसले के खिलाफ जाकर 2019 में देवेंद्र फडणवीस के साथ मिलकर शपथ ले ली थी। बगावत के बावजूद जब वापस अजित शरद पवार के साथ गए तो महाविकास अघाड़ी की सरकार में भी उन्हें ही डिप्टी सीएम बनाया गया। इसके बाद जब उद्धव ठाकरे की सरकार गिरी तो भी शरद पवार ने अजित को ही नेता प्रतिपक्ष बनाया। अजित के साथ सबसे बड़ी ताकत 'पवार' नाम की है। अजित के साथ पवार शब्द जुड़ा हुआ है। ऐसे में संभव है कि पार्टी की बागडोर अजित पवार को ही मिल जाए।

2. सुप्रिया सुलेः शरद पवार की बेटी और एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले अध्यक्ष पद की दूसरी सबसे बड़ी दावेदार हैं। सुप्रिया तेज तर्रार नेता हैं और बोलने में काफी माहिर हैं। उनकी वाक शैली से लोग उनके कायल हो जाते हैं। सुप्रिया ने राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान बना रखी है। ऐसे में संभव है कि पार्टी की कमान आगे सुप्रिया को ही मिल जाए।

3. किसी तीसरे के हाथ भी लग सकती है सफलता : अगर अजित पवार और सुप्रिया सुले के बीच पारिवारिक लड़ाई जारी रहती है तो संभव है कि पार्टी की कमान शरद किसी अपने विश्वसनीय नेता को दे सकते हैं। इसके जरिए वह परिवारवाद के आरोपों को भी गलत साबित करने की कोशिश कर सकते हैं। जैसा की अभी कांग्रेस में भी हुआ है। कांग्रेस ने मल्लिकार्जुन खरगे को अध्यक्ष बनाया है। हालांकि, पार्टी की शक्ति अभी भी गांधी परिवार के पास ही है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 3 मई- 2023

राहत के साथ आफत भी

बीते सप्ताह से ही देश पर पश्चिमी विक्षोभ का साया मडरा रहा है। नतीजतन पूरे देश में कहीं सामान्य तो कहीं भारी बारिश लगभग रोज ही हो रही है। आए दिन हो रही घनघोर बरसात से देश का तमतमाता तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास से ऊपर उठ ही नहीं पा रहा है। अब तक तो यही देखते व सुनते आ रहे हैं कि मौसम की अपनी गति होती है। ऋतु चक्र के मुताबिक जिन महीनों को गर्मी, जाड़ा या बरसात का माना जाता रहा है, वह कमोबेश उसी तरह चलता रहता है। लेकिन इस बार पर्यावरण संबंधी कुछ उथल-पुथल की वजह से मौसम अचानक ही करवट लेता दिख रहा है। इससे मौसम के समय में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। अप्रैल के आखिर और मई की शुरुआती सप्ताह में मौसम ने जो रंग दिखाया है, वह अपेक्षा से थोड़ा अलग है। मई महीने में तो पसीने छुडा देने वाली गर्मी से लोग परेशान होते थे। लेकिन बीते दो दिनों की तेज बारिश ने तापमान में काफी नर्माहट ला दी है। इससे जहां लोगों को गर्मी से निजात मिली है वहीं बरसात से काफी आफत भी झेलने को मिल रहा है। देखा जाए तो इस साल पूरा अप्रैल का महीना ही खुशनुमा मौसम का रहा है, क्योंकि अधिकतम तापमान में कोई खास बढ़ोतरी नहीं रही। जबकि पिछले सालों में अप्रैल-मई में लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता था। यहां तक कि काफी लोग लू और गर्म हवा के थपेड़ों की चपेट में आकर बीमार भी पड गए थे। इस साल समय-समय पर बार-बार पश्चिमी विक्षोभ के कारण सामान्य से ज्यादा बरसात हुई। मौसम विभाग ने अप्रैल की शुरुआत में ही उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों को छोड़ कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान रहने का अनुमान जताया था। लेकिन न केवल अप्रैल में मौसम के लिहाज से स्थिति अच्छी और सहज रही, बल्कि इस बार अप्रैल के आखिर में तापमान सामन्य से भी नीचे दर्ज किया गया। इस दौरान कम से कम पांच बार पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर भारत के कई इलाकों में अच्छी-खासी बारिश हुई, जिसकी तुलना पांच साल पहले की स्थिति से की जा रही है। इस बार तापमान में जो उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है, उतने में गर्मी अपने नियंत्रित स्वरूप में होती है और लोगों को सेहत या कामकाज या अपनी अन्य गतिविधियों के लिए परेशान नहीं होना पड़ता है। बेमौसम बरसात की वजह से इस बार भीषण गर्मी की मार ज्यादा परेशानी पैदा नहीं कर रही है। लेकिन इतनी बरसात में ही शहरों की सडकें जलभराव और जाम जैसी स्थिति से व्यवस्थागत कमियों को उजागर कर देती हैं। सबसे खास बात यह है कि तापमान में संतुलन के कारण प्रदूषण के मोर्चे पर भी काफी राहत महसूस की जा रही है। केंद्रीय वायु गुणवत्ता आयोग की ओर से देश की राजधानी दिल्ली की हवा का जो आकलन किया गया, उसके मुताबिक सात साल में पहली बार दिल्ली में जनवरी से अप्रैल के दौरान स्वच्छ हवा वाले दिनों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। 2016 में इस दौरान खराब से गंभीर श्रेणी में एक सौ तीन दिन दर्ज किए गए थे, जबकि इस साल यह अब तक घट कर केवल अड़सठ दिन रह गए हैं। वातावरण में प्रदूषक तत्त्वों या सूक्ष्म कणों का स्तर भी न्यूनतम रहा। हालांकि कोरोना महामारी के दौरान पूर्णबंदी की वजह से जब सारी गतिविधियां रुक गई थीं, तब स्थिति में गजब का सुधार देखा गया था। कहा जा सकता है कि अन्य सालों की अपेक्षा इन महीनों में गर्मी की मार के साथ-साथ प्रदूषण की वजह से खड़ी होने वाली परेशानी में कमी मौसम के सकारात्मक रुख को दर्शाती है। लेकिन इसी के साथ यह बरसात किसानों के लिए आफत बन कर भी आई है। तेलंगाना में किसानों के धान की जो बर्बादी हुई है वह किसानों के गिरते आंसू में साफ झलकते हुए देखे जा सकते हैं।

सीवरेज की साफ-सफाई में जागरूकता जरूरी

सुनील कुमार महला

हाल ही में पंजाब के लुधियाना जिले में तीस अप्रैल 2023 रविवार को एक दर्दनाक हादसे में घनी आबादी वाले ग्यासपुरा इलाके में जहरीली गैस लीक होने के कारण 11 लोगों की मौत हो गई और कई लोग बीमार पड़ गए। बहुत ही दुखद है कि घटना में 11 लोगों की मौत हो गई। जहरीली गैस से मौतों का यह पहला मामला नहीं है, देश में अनेक स्थानों पर जहरीली गैस के लीकेज से मौतों के समाचार आए दिन अखबारों की सुर्खियों में हम पढ़ते रहते हैं। 02 और 03 दिसंबर 1984 की रात भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड कंपनी का वह हादसा किसको याद नहीं है जब,, लगभग 45 टन खतरनाक गैस मिथाइल आइसोसाइनेट एक कीटनाशक संयंत्र से लीक हो गई थी और गैस संयंत्र के आसपास घनी आबादी वाले इलाकों में फैल गई थी, जिससे हजारों लोगों की तुरंत ही मौत हो गई थी। जानकारी मिलती है कि इस हादसे में मरने वालों की गिनती 16,000 से भी अधिक थी, जो कि एक बहुत बड़ी संख्या है और यह हादसा इतिहास में दर्ज है।

जब कभी भी गैस हादसों की बात होती है तो भोपाल गैस हादसे की बात जरूर होती है, क्यों कि इस हादसे में बहुत ज्यादा लोगों की जिंदगी चली गई थी। दूसरे शब्दों में कहें तो 1984 की भोपाल गैस त्रासदी को देश की सबसे भीषण औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है।इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे। केमिकल फैक्ट्री से हुए जहरीली गैस के खतरनाक रिसाव से रात को सो रहे हजारों लोग हमेशा हमेशा के लिए मौत की नींद सो गए थे। यहाँ तक कि इस त्रासदी का असर आने वाली पीढ़ियों तक ने भुगता मगर सबसे दुखद बात ये है कि हादसे के जिम्मेदारों को कभी सजा नहीं हुई। जानकारी देना चाहूंगा कि भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी ठीक तरह से नहीं किया जा रहा था। कारखाने के टैंक संख्या 610 में निर्धारित मात्रा से ज्यादा एमआईसी गैस भरी हुई थी और गैस का तापमान निर्धारित 4.5 डिग्री के स्थान पर 20 डिग्री था। पाइप की सफाई करने वाले हवा के वेंट ने काम करना बंद कर दिया था। इसके अलावा बिजली का बिल बचाने के लिए मिक को कूलिंग स्तर पर रखने के लिए बनाया गया फ्रीजिंग प्लांट भी बंद कर दिया गया था। कुल मिलाकर, बाद में जांच में यह बात सामने आई थी कि कम कर्मचारियों वाले संयंत्र में घटिया संचालन और सुरक्षा प्रक्रियाओं की कमी के कारण यह हादसा हुआ।सच तो यह है कि इस त्रासदी के पीड़ितों के जख्म आज भी हरे हैं। यह हादसा पत्थर दिल इंसान को भी विचलित कर देने वाला था।बहरहाल, यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में 3 जून को एक लैबोरेटरी में गैस लीक होने के बाद 178 महिला कर्मी बीमार पड़ गई थीं। यह गैस रिसाव पोरस लैबोरेटरी में हुआ था।

भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ मुख्यमंत्री योगी का शंखनाद

रजनीश कपूर

बीते हफ़्ते देश भर में उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फ़ोर्स (एसटीएफ़) खूब चर्चा में थी। कारण था यूपी एसटीएफ़ द्वारा एक प्रभावशाली व्यक्ति को गिरफ़्तार किया जाना। सत्ता के गलियारों में, ख़ासकर दिल्ली में, किसी ने भी इस बात की कल्पना नहीं की होगी कि एक ऐसा व्यक्ति जो ख़ुद को देश के शीर्ष नेतृत्व के काफ़ी निकट बताता रहा हो उसे एक मामूली ठग की तरह ऊप्र की पुलिस गिरफ़्तार कर लेगी। इस गिरफ़्तारी से एक सीधा संदेश गया है, योगी राज में भ्रष्टाचार के लिए कोई जगह नहीं है। संजय राय नामक ये व्यक्ति पूर्वी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के शेरपुर गांव का रहने वाला है। दिल्ली के गलियारों में ये संजय शेरपुरिया के नाम से मशहूर है। ख़ुद को सत्तारूढ़ दल के शीर्ष नेताओं का करीबी बताने वाला शेरपुरिया, किसी भी काम को चुटकियों में करवाने का दावा करता था। लोगों को विश्वास दिलाने की नीयत से शेरपुरिया ने हर महत्वपूर्ण व्यक्ति के साथ अपनी तमाम तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी डाल रखी थी। जिस विश्वास के साथ वो अपने 'शिकारों' के साथ अपने दिल्ली स्थित आवास में मीटिंग करता था, उससे तो कोई भी उसके झाँसे में बड़े आराम से आ जाता। क्योंकि उसका आवास प्रधान मंत्री के आवास के बेहद नज़दीक था। इतना ही नहीं उसके घर पर चलने वाले इंटरनेट के वाईफ़ाई का नाम भी 'पीएमओ' था। जिसका बखान वो अपने मेहमानों के सामने बड़े ज़ोर शोर से करता था।

एक समाचार रिपोर्ट के अनुसार शेरपुरिया की संस्था में देश के कई बड़े आईएएस, आईपीएस अधिकारी व फ़ौज के कुछ अफ़सर भी हैं। ये सभी व्यक्ति अपनी सरकारी सेवा से रिटायर होने के बाद इस संस्था के सलाहकार बने हुए थे। आश्चर्य की बात यह है कि कोई व्यक्ति इतने बड़े पैमाने पर ठगी कर रहा था और देश की राजधानी में शीर्ष जाँच एजेंसियाँ और ख़ुफ़िया तंत्र इन

सबसे बेख़बर था। इसकी जानकारी जैसे ही ऊप्र की एसटीएफ़ को लगी तो उन्होंने तुरंत कार्यवाही की। इस कार्यवाही के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ बधाई के पात्र हैं जिन्होंने बिना विलंब इस ठग पर कार्यवाही करवाई।

दरअसल मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ ने इससे पहले भी भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ कड़ा रुख़ अपनाया है। आपको याद होगा कि आज से एक साल पहले मुख्य मंत्री ने उत्तर प्रदेश के सभी अफ़सर, मंत्री व विधायकों को तीन महीने के अंदर अपनी चल-अचल सभी सम्पत्तियों की घोषणा सार्वजनिक करने के आदेश दिए थे। उनके इस आदेश से काफ़ी हड़कंप मच गया था। भ्रष्टाचार के विरुद्ध जब भी कोई नेता आवाज़ उठाता है तो उसकी लोकप्रियता ऊपर उठने लगती है। जानता के बीच भी एक सकारात्मक संदेश जाता है। जिस तरह योगी आदित्यनाथ अपनी 'बुलडोज़र' नीति के लिए जाने जाते हैं, उनके इस कदम से तमाम भ्रष्ट लोगों का भयभीत होना निश्चित ही है। इसीलिए शेरपुरिया जैसे व्यक्ति पर कार्यवाही होना योगी आदित्यनाथ के व्यक्तित्व को और मज़बूती देगा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को भी योगी जी को प्रोत्साहित करना चाहिए। परंतु योगी जी को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि उनके इर्द गिर्द की नौकरशाही ही उनके इस शंखनाद का पलीता न लगा दें। दिल्ली के कालचक्र समाचार ब्यूरो ने उत्तर प्रदेश सरकार के एक वीआईपी पाइलट कैप्टन प्रज्ञेश मिश्रा के भारी भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया था। इस पाइलट के परिवार की 200 से ज़्यादा 'शैल कम्पनियों' में हज़ारों करोड़ रुपया घूम रहा है। जिसे कालचक्र ने सप्रमाण उजागर किया था। कालचक्र की शिकायत पर ही प्रवर्तन निदेशालय ने प्रज्ञेश मिश्रा के ख़िलाफ़ जाँच करने का नोटिस उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को 19 मई 2020 को जारी किया था। आश्चर्य है कि तब से अब तक इसकी जाँच नहीं हुई।

कालचक्र ने उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल आनंदी बेन पटेल को भी इसकी जाँच न होने की लिखित शिकायत अप्रैल 2021 में भेजी। राज्यपाल महोदया ने तुरंत 31 मई 2021 को उत्तर प्रदेश शासन को इस जाँच को करने के निदेश दिए। पर उस जाँच का क्या हुआ, आज तक नहीं पता चला। कैप्टन प्रज्ञेश मिश्रा व उनके परिवार की 'शैल कम्पनियों' की कई सूचियाँ भी योगी जी के कार्यालय को भेजीं परंतु जाँच में कोई प्रगति नहीं हुई। उधर उत्तर प्रदेश शासन ने अपनी तरफ़ से आश्वस्त होने के लिए या शिकायतकर्ता का नैतिक बल परखने के लिए, उनसे शपथ पत्र भी लिया कि वे अपनी शिकायत पर क़ायम हैं और पूरी ज़िम्मेदारी से ये मामला जनहित में उठा रहे हैं। इसके बाद भी जाँच क्यों नहीं हुई ये चिंता का विषय है। अगर शेरपुरिया की तरह इन कम्पनियों में घूम रहे हज़ारों करोड़ रुपए का स्रोत कैप्टन प्रज्ञेश मिश्र या उनके परिवारजनों से कड़ाई से पूछा गया होता तो अब तक प्रदेश के कितने ही बड़े अफ़सर और नेता बेनक़ाब हो चुके होते। इसीलिए शायद उन्होंने इस जाँच को आज तक आगे नहीं बढ़ने दिया और योगी जी को लगातार धोखे में रखा।

अब योगी जी को इस जाँच का बुलडोज़र भी शेरपुरिया की तर्ज़ पर तेज़ी से चलाना चाहिए। इस से उनकी छवि तो बनेगी ही, भ्रष्टाचार के विरुद्ध उनके इस शंखनाद की ईमानदारी भी सिद्ध होगी। क्योंकि किसी मुख्यमंत्री के एक साधारण से पाइलट को कुछ लाख रुपए का ही वेतन मिलता है। उस पर इतनी अकूत दौलत कहाँ से आ गयी, ये योगी जी के लिए गहरी चिंता का कारण होना चाहिए। वहीं गुजरात की बात करें तो ऐसे ही एक पायलट अजय चौहान को हाल ही में गुजरात सरकार ने नौकरी से हटाया और उसके ख़िलाफ़ जाँच के आदेश भी दिये। वहीं कैप्टन प्रज्ञेश मिश्रा के विरुद्ध ईमानदारी से जाँच का मतलब उत्तर प्रदेश शासन में बीस वर्षों से व्याप्त भारी भ्रष्टाचार के क़िले का ढहना होगा। अब देखना यह है कि भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ हिम्मत से छेड़ी इस मुहीम को योगी जी कितनी तेज़ी से आगे बढ़ाते हैं?

लेखक दिल्ली स्थित कालचक्र समाचार ब्यूरो के प्रबंधकीय संपादक हैं

धरने के पीछे न्याय या राजनीतिक साजिश ?

देश की वह बेटियां जिन्होंने अपने दमखम से भारत ही नही बल्कि विश्व के कई देशों में तिरंगे की शान को बढाया और देश के लिए पदक भी जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। विश्व के पहलवानों को धूल चटाने वाली देश की बेटियों को अपने ही देश में न्याय पाने के लिए धरना देना कितना उचित है? सरकार जहां 'बेटी बचाओ बेटी पढाओ' का नारा बुलंद कर रही है, साथ ही बेटियों और महिलाओं के लिए तमाम योजनाएं भी संचालित है लेकिन फिर भी देश में देश की शान बेटियों को अपने हक की लडाई और न्याय के लिए धरना करना पड़े ,यह देश के लिए उचित संदेश नही है। मामला देश की महिला कुश्ती पहलवानों को लेकर है जहां पर महिला कुश्ती पहलवानों का आरोप है कि रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह ने महिला खिलाडियों का यौन शोषण किया है जिसको लेकर महिला पहलवानों ने इसी वर्ष जनवरी में धरना प्रदर्शन किया था लेकिन सरकार के हस्तक्षेप के बाद मामले की जांच को लेकर शांत हुआ लेकिन तीन माह तक कोई संतोष जनक कार्यवाही न होने पर फिर से महिला पहलवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन प्रारम्भ किया . करीब एक हफ्ते के बाद माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस को भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष ब्रज भूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया और एफआईआर दर्ज हुई। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष ब्रज भूषण शरण सिंह के खिलाफ महिलाओं का यौन उत्पीड़न और पास्को एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया जिसमें एक नाबालिग सहित सात महिलाओं ने शिकायत की है। महिला कुश्ती पहलवानों के समर्थन में भाजपा की विरोधी दलों के नेता भी खूब राजनीति कर रहे है क्योकि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष ब्रज भूषण शरण सिंह भाजपा के गोंडा से सांसद है और भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष भी है। हालांकि माननीय न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गई है और अब आगे की कार्यवाही पुलिस अपने स्तर से ही करेगी।

महिला पहलवानों के साथ विपक्ष की नेताओं और विरोधी दलों के लोगों का समर्थन कही न कही इस मामले को राजनीतिक रंग दे रहा है। ऐसे ही साहिनबाग धरना के समय भी सरकार के विरोधी दलों के लोग धरना देने वालों के साथ मिलकर विरोध और प्रदर्शन कर रहे थे। यदि खिलाड़ी अपने मांगों को लेकर धरना कर रहे है तो उसमें गैर राजनीतिक लोग शामिल हो तो बात कुछ समझ में आती है लेकिन राजनीति के लोग शामिल हो तो कुछ दाल में काला लगता है। क्योकि बृज भूषण शरण सिंह भाजपा के सांसद है इसकी कांग्रेस समेत सभी विरोधी दलों के लोग खिलाडियों को विरोध करने के लिए समर्थन दे रहे है जिससे विरोध और मजबूती से हो सके। लेकिन यहां एक सवाल उठता है कि आखिर पीड़ित पहलवानों ने उसी समय विरोध क्यों नही किया जब बृज भूषण शरण सिंह ने उनके साथ यौन उत्पीड़न किया। खिलाड़ियों को अपने कैरियर को लेकर कोई डर था कि विरोध करने पर उनका कैरियर खराब हो सकता है। यदि उस समय विरोध नही किया तो इस वर्ष के प्रारंभ से ही विरोध क्यों? कुछ लोग तो यह भी कहते है कि जो भी पहलवान बृज भूषण शरण सिंह पर आरोप लगा रहे है सभी लोग हरियाणा के महादेव रेशलिंग अकादमी से जुड़े है और यह अकादमी का पूरा कंट्रोल दीपेन्द्र हुड्डा के हाथों में है। हो सकता है कि कुश्ती संघ के अध्यक्ष का चुनाव को ध्यान में रखकर केवल बृज भूषण शरण सिंह को बदनाम किया जा रहा हो। हालांकि मामले की जांच पुलिस खुद करेगी जो भी सच्चाई होगी वह सब के सामने आयेगी। वैसे पहलवानों के धरना में राजनीति नेताओं की इंट्री कई सवाल पैदा करता है। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह भाजपा के गोंडा से सांसद है। 1988 से सक्रिय राजनीति में है और बृज भूषण सिंह अपने दबंग अंदाज के लिए जाने जाते है। 1991 लोकसभा जीतकर सांसद बने और वर्तमान में उत्तर प्रदेश के गोंडा के कैसरगंज से भाजपा सांसद है।

उनका बेटा भी गोंडा सदर सीट से विधायक है। बृज भूषण सिंह भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी द्वारा निकाली गई रथयात्रा के दौरान काफी सक्रिय रहे और पूर्वांचल समेत यूपी के तमाम क्षेत्र में रथयात्रा की सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने की जिम्मेदारी भी रही। वर्ष 1987 में बृज भूषण शरण सिंह एक बार खुद पुलिस अधीक्षक को पिस्टल सटा दी थी। 2021 में मंच पर एक युवा को थप्पड जड़ दिया था। बृज भूषण सिंह टाडा के आरोप में तिहाड़ जेल भी जा चुके है। अपने कार्यों की वजह से बृज भूषण सिंह 6 बार सांसद भी चुने गये। बृज भूषण शरण सिंह का कहना है कि किसी के आरोप लगाने से मै अपराधी नही हो सकता. माननीय न्यायालय जब अपराधी कह देगा तो अपराधी कहा जा सकता है हालांकि बृज भूषण शरण सिंह को माननीय न्यायालय पर पूरा विश्वास है। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी टी ऊषा ने महिला पहलवानों के द्वारा किये जा रहे धरना प्रदर्शन को अनुशासनहीन कार्य बताया गया। वैसे कुछ भी हो इस मामले को लेकर देश में राजनीतिक गर्माहट देखने को मिल रही है। जहां पर बृज भूषण सिंह के समर्थक इसे राजनीतिक साजिश सिद्ध करने पर तुले है वही महिला पहलवान और कुछ राजनीतिक दलों के लोग इस पर सख्त से सख्त कार्यवाही की इच्छा रखे है। यदि यह मामला सच में महिला खिलाडियों के उत्पीड़न का है तो इसमें रेशलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के ऊपर कार्यवाही होना जरूरी है क्योकि जो बेटियां देश को अपने मेहनत और लगन से तिरंगा की शान बढाकर खुश करती है वह बेटियां रोये यह सही नही है लेकिन यदि इन बेटियों के कंधे पर कोई राजनीति या साजिश की बंदूक रखकर निशाना लगा रहा है तो उस साजिश करने वालों के खिलाफ भी कार्यवाही जरूरी है क्योकि ऐसे ही साजिशकर्ता लोग देश की एकता और अखंडता के लिए घातक होते है। देश की एकता और अखंडता बनाये रखना देश के हर एक नागरिक की जिम्मेदारी है।

-संतोष कुमार तिवारी

जर्रा-जर्रा होकर बिखर रहा है मुख्तार अंसारी का तिलिस्म !

मनोज कुमार अग्रवाल

शातिर इतना कि जेल में सलाखों के पीछे होने के बावजूद आठ हत्या कराने का इल्ज़ाम है दबदबा ऐसा कि पांच बार यूपी विधानसभा में चुनाव जीत कर विधायक बना रुतबा ऐसा कि जेल उसके लिए ऐशगाह बन जाती थी लेकिन योगी बाबा की सरकार बनी तो उस के गुनाह के साम्राज्य की उल्टी गिनती शुरू हो गई अब वह व्हीलचेयर पर जेल से अदालत आता है पत्नी फरार है विधायक बेटा जेल में है बेटे की पत्नी भी दूसरे जिले की जेल में है और सांसद भाई भी जेल में बंद हैं और कोर्ट के एक मामले में सजा सुना देने के बाद संसद सदस्यता पर तलवार लटक गई है। यह सब कहानी है उत्तर प्रदेश के दूसरे सबसे खतरनाक गैंगस्टर मुख्तार अंसारी की। मुख्तार और उनके भाई अफजाल अंसारी पर अदालत ने सजा मुकर्रर की है। मुख्तार अंसारी जुल्म की दुनिया का वह नाम है जिनके खौफ से जेलर अपनी तैनाती लेने से इंकार कर दिया करते थे जो जेल के भीतर मछलियां खाने के लिए तलाब खुदवा दिया करते थे और जेल के भीतर बड़े बड़े आला-अधिकारियों के साथ बैडमिंटन और टेनिस खेलता था जेल उनके ऐशोआराम का ठिकाना थी यहां तक कि जेल में आने जाने व मुलाकात के दौरान सीसीटीवी कैमरे ठप्प कर दिए जाते थे। ऐसे अपराधियों के खिलाफ गवाह नहीं मिलते पुलिस जोड़ तोड़ कर गवाह बनाती भी है जो अदालत में मुकर जाते हैं लेकिन अदालत साक्ष्य की बिना पर चलती हैं जाहिर है कि ऐसे अपराधी कानून से ऊंचा कद बना लिया करते हैं और बीस तीस साल तक अदालत इनके गुनाह की फाइल पलटती रहती हैं। क्या करें मीलार्ड सिस्टम ही ऐसा है! अब हालात बदल रहे हैं मुख्तार अंसारी को गैंगस्टर एक्ट में दस साल की सजा और उनके सांसद भाई अफजाल अंसारी को भी गैंगस्टर एक्ट के मामले में दोषी करार कर चार साल की सजा सुनाई गई है। गाजीपुर के एमपी एमएलए कोर्ट ने अफजाल अंसारी को 4 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने उन पर 1 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है।अफजाल अंसारी को सजा का ऐलान होते ही कस्टडी में लिया गया सजा घोषित होने के बाद उनकी सांसदी जाना तय माना जा रहा है। इससे पहले मुख्तार अंसारी को गैंगस्टर केस में गाजीपुर एमपी-एमएलए कोर्ट ने दोषी करार दिया है. कोर्ट ने उन्हें 10 साल की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर 5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है. वहीं मुख्तार के भाई और बसपा सांसद अफजाल अंसारी को भी दोषी करार दिया गया है. गैंगस्टर के ये मामले करंडा थाना और मोहम्दाबाद थानों से बनाए गए आपराधिक मुकदमों से बनाए गए गैंगचार्ट पर आधारित हैं. मुख्तार अंसारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट की सुनवाई में जुड़ा जबकि अफजाल कोर्ट में पेश हुए। यूपी के बहुचर्चित कृष्णानंद राय हत्याकांड और व्यापारी नंदकिशोर रूंगटा अपहरण के बाद मुख्तार और अफजाल पर गैंगस्टर एक्ट में केस दर्ज किया गया था। इस मामले में 2007 में गैंगेस्टर एक्ट के तहत अफजाल अंसारी, उनके भाई माफिया डॉन मुख्तार अंसारी और बहनोई एजाजुल हक पर गैंगेस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था. एजाजुल हक का देहांत हो चुका है. इस मामले में 1 अप्रैल को सुनवाई पूरी हो गई थी. पहले इस मामले में पहले 15 अप्रैल को फैसला आना था लेकिन बाद में तारीख को बढ़ाकर 29 अप्रैल कर दिया गया था। इस मामले में साल 2012 में गाजीपुर की एमपी एमएलए कोर्ट में ट्रायल शुरू हुआ था। मुख्तार अंसारी का परिवार पूर्वी उत्तर प्रदेश में हमेशा से ताकतवर रहा है। इसका असर मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, बलिया और बनारस तक है। मुख्तार के दादा मुख्तार अहमद अंसारी आजादी की लड़ाई में सहयोगी रहे, नाना मोहम्मद उस्मान आर्मी में ब्रिगेडियर थे, पिता सुभानउल्ला का राजनीति में दखल रहा दूर के रिश्ते में चाचा हामिद अंसारी उपराष्ट्रपति बने। मुख्तार अंसारी खुद भी मऊ सीट से लगातार 5 बार विधायक चुना गया। मुख्तार के बड़े भाई अफजाल अंसारी ने गाजीपुर की मोहम्मदाबाद विधानसभा सीट से 1985 से 1996 तक लगातार 5 बार चुनाव जीता था। 2002 के चुनाव में भाजपा के नेता कृष्णानंद राय ने अफजाल अंसारी को हरा दिया।तीन साल बाद 29 नवंबर 2005 को कृष्णानंद राय की हत्या कर दी गई। कृष्णानंद एक क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन करने गए थे। लौटते वक्त हत्यारे शूटर्स ने कृष्णानंद राय की कार को घेरकर एके-47 से 400 से ज्यादा गोलियां चलाई थीं।

अलग अलग सुर

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

झींगा जाल में फँसे पड़ी थे। जाल बड़ा मजबूत था। मछुआरा तेजी से जाल खींच रहा था। कुल मिलाकर बचने की कोई उम्मीद नहीं थी। जाल में फँसा एक छोटा सा झींगा ऊऊऊऊ...करता रोता हुए कहने लगा,'मेरी फूटी किस्मत! मैं तो पानी की दुनिया में अभी-अभी तो आया था! इस दुनिया का मजा ले भी न सका! ऐसा जीवन भी कोई जीवन है?'छुटका झींगा की रुँआई पर जाल में फँसे दूसरे झींगे हँस पड़े। उनमें से एक पिता किस्म का झींगा उसके पास सरक कर बोला, 'छोटके! जिनका जन्म ही फँसने और मरने के लिए हुआ हो, उन्हें इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए। 'झींगा जाल में फँसता है' कथनी जैसे वाक्यों का अंत 'भूख मिटाना उसकी गाथा है' करनी से होता है। जमीन पर उसका काम हमारी दुनिया में फँसने और मरने के लिए कोई छोटा या बड़ा नहीं होता! सब की बारी आती है। कोई पहले तो कोई बाद में!' 'यह जाल तो बड़ा जकड़ता जा रहा है। मुए मछुआरे को इतनी भी अक्ल नहीं कि जाल में फँसी झींगे थोड़े न कहीं जायेंगे। जाने को होतीं तो इस जाल में थोड़े न फँसते!' तेजी से साँस लेते मोटके झींगे ने कहा। 'अरे तुम भी न! इतना नकारात्मक मत सोचा करो! उसने हमें मारने के लिए नहीं फँसाया है!' टाइगर टाइप झींगे ने कहा।

'मतलब?' झींगों में दद्दा किस्म के एक झींगे ने आँखें फाड़ते हुए पूछा।'तुम लोग इतना भी नहीं समझते! जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती जा रही है वैसे-वैसे तालाब सूखता जा रहा है। ऐसे में हमारा यहाँ रहना खतरे से खाली नहीं है। मछुआरा जाल न भी डालता तो हम किसी न किसी के हत्थे चढ़ ही जाते! वह तो भला हो मैंने उसकी बात सुन ली। वह तो हमें पकड़कर शोधालय में बने छोटे से तालाब में पुनर्वास करने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहा है।' टाइगर झींगे ने आँखें मटकाते हुए कहा।

'लगता है तुम्हारी अक्ल को दीमक लग गया है! जिनका काम भूख मिटाना हो वह भला शोधालय क्यों ले जायेंगे! कई बार ऐसे जालों में फँसने से बच चुके एक बूढ़े झींगे ने कहा। इस बीच मछुआरा जाल को और तेजी से खींचने लगा। 'पुनर्वास जैसा कुछ नहीं होता। यह तो एक छलावा है। इस सरकारी तालाब पर किसी भूमाफिया की नजर इनायत हो गई हैं! इससे पहले कि वह इस जमीन पर बड़े-बड़े भवन बना दे, मछुआरा मौके का लाभ उठाना चाहता है। जिसका परिणाम आज हम सब भोग रहे हैं।' एक अड़ियल से झींगे ने तुनकमिजाजी रवैये में कहा। 'आज नहीं तो कल यह हश्र होना ही था! इसमें इतनी बहस क्यों' एक दार्शनिक झींगे ने कहा।

वैशाख मास का अंतिम प्रदोष व्रत?

बुध प्रदोष व्रत 2023 शुभ मुहूर्त
हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि का प्रारंभ 02 मई 2023 को रात्रि 11 बजकर 17 मिनट पर शुरू हो चुका है और इस तिथि का समापन 03 मई 2023 रात्रि 11 बजकर 49 मिनट पर होगा। ऐसे में यह व्रत 03 मई 2023, बुधवार के दिन रखा जाएगा। पंचांग के अनुसार, प्रदोष पूजा मुहूर्त शाम 06 बजकर 57 मिनट से रात्रि 09 बजकर 06 मिनट तक रहेगा।

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व है। बता दें कि वैशाख मास का अंतिम प्रदोष व्रत शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन रखा जाएगा। बुधवार के दिन पड़ने के कारण इस व्रत को बुध प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की उपासना करने से साधक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है और जीवन में आ रही समस्याएं दूर हो जाती है। आइए जानते हैं, कब है बुध प्रदोष व्रत, शुभ मुहूर्त और पूजा का समय?

बुध प्रदोष व्रत 2023 शुभ योग

हिंदू पंचांग में बताया गया है कि बुध प्रदोष व्रत के दिन दो अत्यंत शुभ योग का निर्माण हो रहा है। एक सर्वार्थ सिद्धि योग और दूसरा रवि योग। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 05 बजकर 39 मिनट से रात्रि 08 बजकर 56 मिनट तक रहेगा। वहीं रवि योग रात्रि 08 बजकर 56 मिनट से अगली सुबह 05 बजकर 38 मिनट तक रहेगा। मान्यता है कि इन दोनों शुभ योग में भगवान शिव एवं देवी-देवताओं की उपासना करने से सभी दुख दूर हो जाते हैं और साधना सफल होती है।

बुध प्रदोष व्रत नियम

प्रदोष व्रत के दिन साधकों को सुबह जल्दी उठना चाहिए। साथ ही स्नान-ध्यान के बाद भगवान शिव की उपासना करनी चाहिए।
जो लोग व्रत का पालन करेंगे, उन्हें भोजन ग्रहण नहीं करना चाहिए। वह केवल फलाहार ग्रहण कर सकते हैं।
इस दिन गुस्सा और बुरे व्यवहार से बचना चाहिए। इसके साथ मन में किसी के लिए भी बुरे विचार ना लाएं।
प्रदोष व्रत के दिन ब्रह्मचर्य का पालन निश्चित रूप से करना चाहिए।
प्रदोष काल में भगवान शिव की पूजा से पहले एक बार पुनः स्नान करना चाहिए और फिर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जानी चाहिए।

आपका जन्म मई में हुआ है तो जानिए अपने बारे में खास बातें

आपका जन्म किसी भी साल के मई महीने में हुआ है तो एस्ट्रोलॉजी कहती है कि आप आकर्षक और लोकप्रिय होंगे। थोड़े से लापरवाह, थोड़े से सनकी। एक बार अगर कुछ ठान लें तो उसे पाकर ही रहते हैं।

मई में जन्मे जातक अव्वल दर्जे के घमंडी होते हैं लेकिन इनमें त्याग करने की प्रवृत्ति भी प्रबल होती है। स्वभाव से राजसी होते हैं। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि इन्हें हर चीज शाही अंदाज में चाहिए लेकिन इसकी उम्मीद ये हमेशा दूसरों से रखते हैं। जैसे- अगर इन्हें घर साफ-सुथरा चाहिए तो ये घर के अन्य सदस्यों से अपेक्षा करते हैं कि वे यह काम करें। इनकी एक खासियत यह होती है कि भीड़ में इन्हें पहचानना आसान होता है, क्योंकि इनका आकर्षक व्यक्तित्व बरबस ही सबका ध्यान खींच लेता है। घर में चाहे ये जितने अस्त-व्यस्त हों बाहर इनकी छवि सुव्यवस्थित मानी जाती है। इसका एक कारण यह है कि इनका ड्रेसिंग सेंस गजब का होता है। हमेशा खूबसूरत दिखना इन्हें लुभाता है। अपोजिट सेक्स के लिए हमेशा रहस्य का विषय होते हैं।

मई में जन्मे युवक-युवतियों खास क्वॉलिटी यह है कि ये रोमांस के मामले में सिद्धांतवादी होते हैं। छिछोरी हरकतें इन्हें नहीं भाती। प्यार का उच्चतम आदर्श स्थापित करने की चाह होती है।

कई मामलों में मई में जन्मे युवा घोर परंपरावादी होते हैं। मई में जन्मीं लड़कियां अक्सर डॉमिनेटिंग पाई जाती है। जुबान की पक्की होती हैं। दोस्ती निभाने में इनका कोई जवाब नहीं। प्यार हो चाहे शादी, सेक्स इनके लिए गंभीर विषय होता है, रस का नहीं।

शादी से पूर्व सीमाएं लांघना इन्हें पसंद नहीं होगा। इस माह जन्मे युवा जर्नलिस्ट, लेखक, कम्प्यूटर इंजीनियर, पायलट, डॉक्टर या सफल प्रशासनिक अधिकारी होते हैं। राजनीति में सफलता मुश्किल से मिलती है, लेकिन अगर मिल गई तो मरने के बाद तक यश दिलाती है। लड़कियां फैशन डिजाइनर भी हो सकती हैं। अभी बताया ना कि इनका ड्रेसिंग सेंस लाजवाब होता है।

मई में जन्मी महिलाएं सुपर ईगो से भी ग्रस्त होती है। ओवर सेंसेटिव और पल-पल में रूठने वाली। इनके भीतर प्यार का असीम सागर उमड़ रहा होता है जिसे सिर्फ इनके करीबी लोग ही जान पाते हैं।

बाहर वालों के लिए ये कठोर ही प्रतीत होती है। किसी के प्रति एक बार इनका विश्वास टूट जाए तो फिर दोबारा नहीं जुड़ सकता। इन्हें अगर सफलता पानी है और सबकी चहेती बनना है तो अपने सुपर ईगो को थोड़ा त्यागना होगा।

एक्स्ट्रीम में डिवोशन भी इनकी बेड क्वॉलिटी ही कही जाएगी।

अगर ये बेलैंस्ड बिहेवियर अपनाएं तो इनसे प्यारा कोई नहीं। अपना सबकुछ लूटा देने वाली आदत में भी सुधार लाएं। मई में जन्मे कुछ लोग अक्सर दूसरों के लिए इतना कुछ कर जाते हैं कि सामने वाला इनकी कद्र नहीं करता और इनकी इस नादानी का फायदा उठा कर चल देता है।

इनके दुश्मनों की संख्या भी अधिक होती है। क्योंकि ये लोग दिल के साफ होते हैं अतः बिना यह सोचे कि सामने वाले को उनकी बात का बुरा लग सकता है, अपनी बात कह जाते है। इन्हें अपनी-अपनी हांकने की आदत भी छोड़नी होगी। दूसरों को महत्व देना सीखें, आपका महत्व अपने आप बढ़ जाएगा।

लकी नंबर : 2 3 7 8
लकी कलर : व्हाइट, मरिन ब्लू, मेहंदिया
लकी डे : संडे, मंडे, सेटरडे
लकी स्टोन : ब्लू टोपाज
सुझाव : प्रतिदिन सूर्य को जल चढ़ाएं, शिव आराधना करें।

कौन-सी राशि वालों को हाथ-पैर में काला धागा नहीं बांधना चाहिए

कई लोग पैर में या हाथ की कलाई पर काला धागा बांधते हैं। हालांकि कई कारणों से हाथ की कलाई पर काला या सफेद रेशमी धागा भी बांधा जाता है। लाल या पीला धागा अक्सर मांगलिक कार्य के दौरान बांधा जाता है लेकिन काला या सफेद धागा ज्योतिष की मान्यता या लोकमान्यता के अनुसार कलाई पर बांधा जाता है। परंतु कहते हैं कि 2 राशियों को काला धागा नहीं बांधना चाहिए।

2 राशि वाले न पहनें काला धागा : हालांकि ज्योतिष मान्यता के अनुसार काला धागा 2 राशि वाले लोगों को पहनने से मना किया जाता है क्योंकि यह उनके लिए अच्छा नहीं माना जाता। यदि आपने जाने-अनजाने में यह धागा बांध रखा है तो आप जान लें कि आपकी राशि इन 2 राशियों में से एक तो नहीं है। ज्योतिष मान्यता के अनुसार मंगल या शनिवार को हनुमान जी का मंत्र पढ़ते हुए दाहिने हाथ में बांधने से कुंडली के राहु, केतु और शनि ग्रह के दोष दूर होते हैं, परंतु काला धागा हाथ में बांधने से पहले किसी ज्योतिष की सलाह जरूर ले लें।

मेष (Aries) और वृश्चिक (Scorpio) : यह दोनों ही राशि मंगल की राशि है। काला रंग राहु और शनि का रंग होता है। मंगल की राहु और शनि से शत्रुता है। ऐसे में मंगलदेव आपसे रुष्ठ हो सकते हैं या मंगल का शुभ प्रभाव खत्म होकर राहु का प्रभाव शुरु हो सकता है जो अशुभ भी हो सकता है। राहु जीवन में कई तरह की परेशानी खड़ी कर सकता है। इससे आपके जीवन में घटना दुर्घटना बड़ सकती है और आपको कोई बड़ा नुकसान भी झेलना पड़ सकता है।

शिव परिवार के लिए बना था महल,फिर रावण की कैसे हो गई सोने की लंका?

रामायण में रावण के चित्र के साथ सोने की लंका के बारे में भी काफी चर्चाएं होती रहती हैं। मान्यताओं के अनुसार, रावण की लंका सोने से बनी थी। इसकी खूबसूरती देखते ही बनती थी। माना यह भी जाता है कि हनुमान जी ने दशानन रावण की सोने की लंका को आग लगाकर नष्ट कर दिया था, लेकिन बहुत कम लोग ये जानते हैं, कि सोने की लंका आखिर किसने बनाई थी। सोने की लंका माता पार्वती और महादेव के साथ जोड़कर देखा जाता है। रामायण में जिस सोने की लंका का वर्णन मिलता है। वह रावण कि नहीं है, कहा जाता है कि इसका निर्माण भगवान शिव ने माता पार्वती के कहने पर करवाया था।

किसने बनावाई सोने की लंका

हिंदू धार्मिक मान्यताएं कहती हैं कि रामायण काल में सोने की लंका हुआ करती थी। बताया ये भी जाता है कि सोने की लंका को भगवान शिव ने माता पार्वती के लिए बनवाया था। कथाओं के अनुसार माता पार्वती और शिव भगवान शिव का निवास हिमालय में था। वे बहुत ही सामान्य जीवन जीते थे। उन्हें किसी तरह के आलीशान महलों की जरूरत नहीं थी, मगर एक बार माता पार्वती ने भगवान शिव से देवताओं की तरह कोई महल बनवाने के लिए कहा, तब भगवान शिव ने विश्वकर्मा और कुबेर को बुलाकर समुद्र के बीच में सोने का महल बनवाया। इसे ही सोने की लंका कहा जाता है।

रावण को कैसे मिली सोने की लंका

मान्यताओं के अनुसार, रामायण काल में सोने की लंका के चर्चे बहुत दूर-दूर तक फैले हुए थे। एक बार रावण वहां से गुजरा तो उसने उस स्वर्ण नगरी को देखा, वह सोने की लंका को देखकर मोहित हो गया। उसके मन में लालच आ गया। रावण, ब्राह्मण का वेश धारण कर भगवान शिव के पास गया और दान में सोने की लंका मांग ली, भगवान शिव भोलेनाथ हैं, उन्होंने रावण को लंका दान में दे दी। इस तरह रावण ने धोखे से सोने की लंका भगवान शिव और माता पार्वती से हथिया ली। माना ये भी जाता है कि रावण ने धनपति कुबेर से सोने की लंका बलस्वरूप छीन ली थी।

कथाओं के अनुसार, जब माता पार्वती को रावण के छल कपट से सोने की लंका हथिया लेने की बात पता चली, तो वे गुस्से में आग बबूला हो गईं। माता पार्वती ने रावण को श्राप दिया, कि 1 दिन लंका आग में भस्म हो जाएगी और कुछ सालों बाद माता पार्वती के श्राप को हनुमान जी ने पूरा किया। जब माता सीता का अपहरण करके उन्हें लंका ले आया, तो हनुमान जी उनसे मिलने लंका आए, तभी हनुमान जी ने रावण की स्वर्ण लंका में आग लगा दी।

काले चावल की 5 सरल उपाय दिला सकता है करियर में तरक्की

आपने कई बार ज्योतिषी उपायों में इस्तेमाल होने वाले सफेद और पीले चावलों के बारे में सुना होगा। आज बता रहे है काले चावलों के ज्योतिषीय उपायों के बारे में। वैसे तो काले चावलों को तंत्र क्रिया में प्रयोग किया जाता है। शास्त्रों में काले चावल के कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिनको अपनाने से जीवन की कई समस्याएं दूर हो सकती हैं, और तरक्की के नए द्वार खुल सकते हैं। काले चावलों के इन उपायों से धन लाभ होता है। साथ ही घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, और दांपत्य जीवन में मधुरता आती है।

काले चावल के उपाय

1. यदि आप अपने घर में सुख समृद्धि चाहते हैं तो सोमवार के दिन सफेद कपड़े में काले चावलों को बांधकर माता काली के चरणों में अर्पित कर दें। ज्योतिष के अनुसार ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है और जीवन खुशहाल रहता है।
2. यदि बहुत दिनों से आपके करियर में आपको सफलता नहीं मिल पा रही है, या फिर नई नौकरी मिलने में समस्याएं आ रही है। तो शनिवार के दिन शनि मंदिर में सरसों के तेल में काले चावल मिलाकर शनिदेव को चढ़ाएं। साथ ही शनि देव के मंत्र 'ॐ शं शनैश्चराय नमः' का जाप करें। इस उपाय से आपकी यह समस्या जल्द ही खत्म होगी।
3. वैवाहिक जीवन में खुशियां और संतान सुख की प्राप्ति हर कोई व्यक्ति चाहता है, लेकिन कभी-कभी कुछ कारणों से यह सुख कुछ लोगों को नहीं मिल पाता। ऐसे में संतान प्राप्ति के लिए काले चावल को जल में मिलाकर पीपल के पेड़ में अर्पित करना चाहिए। इसके अलावा शनिवार के दिन तेल के दीपक में काले चावल मिलाकर पीपल के पेड़ के नीचे जलाएं। ऐसा करने से जल्द ही आपको संतान सुख की प्राप्ति होगी।
4. यदि कई दिनों से आपका कोई कार्य अटका हुआ है और उसमें बार-बार रुकावट आ रही है। तो ऐसे में अपने पूजा घर में उड़ते हुए हनुमान जी की तस्वीर लगाएं और काले चावल की पोटली बनाकर हनुमान जी की तस्वीर के पीछे रख दें। ऐसा करने से आपके कार्य बिना किसी परेशानी के जल्द पूर्ण होने लगेंगे।
5. आप या आपके परिवार का कोई सदस्य यदि कई दिनों से किसी बीमारी से परेशान है, और उससे छुटकारा नहीं मिल पा रहा। तो ऐसे में सोमवार के दिन भगवान शिव के मंदिर में शिवलिंग पर काले चावल, दूध और जल को मिश्रित कर चढ़ाएं। इसके बाद भगवान शिव को कुछ मीठे का भोग अवश्य लगाएं। ऐसा करने से जल्दी ही बीमारी से मुक्ति मिलेगी।

क्यों याद नहीं रहता पिछला जन्म?

हमने बहुत से लोगों को ये कहते सुना है, कि छोटे-छोटे बच्चों को उनका पिछला जन्म याद आ सकता है। जब बच्चे बड़े होने लगते हैं, तो उनके पूर्व जन्म की याददाश्त धीरे-धीरे चली जाती है। पूर्व जन्म को ना केवल हिंदू धर्म बल्कि कई अन्य प्राचीन धर्मों में भी मान्यता दी गई है। विज्ञान की बात करें तो विज्ञान पूर्व जन्म को एक चुनौती मानता है। जिसके ऊपर बहुत से शोध किए जा रहे हैं, लेकिन इस सुलझाना अभी भी बहुत जटिल है। जब हम पूर्व जन्म की बात करते हैं, तो हमारे दिमाग में विचार आता है, कि हमें अपने पूर्व जन्म का याद क्यों नहीं रहता।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो हमारे दिमाग की संरचना और कार्य प्रणाली कुछ इस प्रकार से बनी हुई है, कि हम अपनी पिछली यादों को सदैव याद नहीं रख सकते। हमारा दिमाग इस प्रकार से काम करता है, कि हमें नई चीजें याद रहती हैं, और पुरानी हम भूलते जाते हैं। ऐसा होने से दिमाग पर अनावश्यक यादों को याद रखने का बोझ नहीं पड़ता और वह सही प्रकार से काम करता रहता है। अक्सर हमारी जिंदगी में कई बुरी घटनाएं घटित हो जाती हैं। जिन्हें भूलकर हम नई जिंदगी की शुरुआत करते हैं, लेकिन यदि मनुष्य का दिमाग पुरानी बातों को भूल नहीं पाएगा, तो उसके लिए नई शुरुआत करना असंभव होगा। इसी कारण से हमें पूर्व जन्म की बातें याद नहीं रहती।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार

यदि किसी व्यक्ति को अचानक से याद आ जाए कि पूर्व जन्म में उसकी मृत्यु किस प्रकार हुई थी या पूर्व जन्म में वह कौन सा काम करता था। तो हो सकता है, कि उसे इस जन्म में भी इस बात का डर बना रहे। हर व्यक्ति अपने दुख और पीड़ा से मुक्ति पाना चाहता है। यह भी एक कारण है, कि छोटे बच्चों को अपना पिछला जन्म याद रहता है और बड़े होते होते वे उसे भूल जाते हैं।

इस विधि से याद कर सकते हैं पूर्ज जन्म

आज के समय में भी भारत की सबसे पुरानी विद्या सम्मोहन का उपयोग किया जाता है। वर्तमान समय में सम्मोहन की विद्या का उपयोग पिछले जन्म की याद दिलाने के लिए सर्वोत्तम माना गया है। बहुत से लोग आज भी इस विद्या का उपयोग कर लोगों को उनके पूर्व जन्म की याद दिलाते हैं। फिर भी यह पूरी तरह से निश्चित नहीं है कि जो भी उश व्यक्ति को याद आया है, वो सच है या नहीं।

5 साल के करियर में 3 डिजास्टर फिल्में, सारा के डूबते करियर को बचा पाएंगी 'उषा मेहता'

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं. सारा करीब दो साल बाद 'गैसलाइट' फिल्म में वह देखी गईं, 31 मार्च को ओटीटी पर रिलीज हुई इस मर्डर मिस्ट्री थ्रिलर में सारा विक्रांत मैसी और चित्रांगदा सिंह के साथ देखी गईं. अब सारा फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' को लेकर खबरों में हैं. इस आगामी फिल्म में सारा एक बेहद अलग और नए अवतार में एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में दिखाई देंगी. हाल ही में उन्होंने फिल्म की शूटिंग खत्म कर अपना लुक दर्शकों के साथ शेयर किया है.

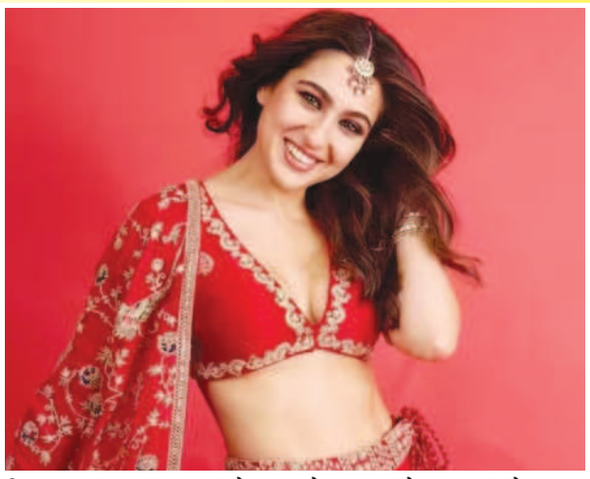

डायरेक्टर कन्नन अय्यर के निर्देशन में बन रही 'ऐ वतन मेरे वतन' फिल्म कब रिलीज होगी इस बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई हैं. लेकिन फिल्म में सारा फिल्म उषा मेहता की भूमिका निभाने वाली ये बात कंफर्म है. बता दें कि उषा मेहता एक स्वतंत्रता सेनानी थीं जो महात्मा गांधी के अहिंसा के मार्ग को फॉलो करती थी. भारत छोड़ो आंदोलन के समय ब्रिटिश सरकार के खिलाफ एक सीक्रेट कांग्रेस रेडियो शुरुआत उषा मेहता ने किया था. अब सारा उषा मेहता की कहानी को दर्शकों के सामने लाकर एक बार फिर जीवंत करने वाली हैं. उषा मेहता के लुक में सारा काफी इम्प्रेसिव लगी हैं. उनका लुक देख फैंस उनकी फिल्म के लिए एक्साइटेड हो गए हैं. अब देखना होगा कि 'ऐ वतन मेरे वतन' के जरिए सारा बॉक्स ऑफिस पर क्या गुल खिलाती हैं.

सारा की पहली फिल्म

गौरतलब है कि 12 अगस्त 1995 को जन्मीं सारा अपने 27 की उम्र में करीब बॉलीवुड को करीब 5 फिल्में दे चुकी हैं. उन्होंने दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ 'केदारनाथ' के साथ बॉलीवुड में कदम रखा था. यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी. 35 करोड़ में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 96 करोड़ का करोबार किया था. फिल्म का निर्देशन अभिषेक कपूर ने किया था. सारा की ये पहली फिल्म काफी हिट हुई थी. वहीं फिल्म में सुशांत के साथ सारा की केमिस्ट्री भी लोगों को खूब पसंद आई थी।

5 साल के करियर में 2 हिट 3 फ्लॉप फिल्में

सारा की दूसरी फिल्म सुपरहिट फिल्म 'सिम्बा' थी. इस फिल्म में वह रणवीर सिंह के साथ नजर आई थीं. फिल्म का निर्देशन रोहित शेट्टी ने किया था. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 80 करोड़ में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 139 करोड़ रुपए की कमाई की थी. इस फिल्म के बाद सारा को 'लव आज कल' (2020), 'कुली नंबर 1' (2020) और 'अतरंगी रे' (2021) में देखी गईं. उनकी ये तीनों ही फिल्में दर्शकों को प्रभावित नहीं कर पाईं. इन फिल्मों को दर्शकों से ठंडी प्रतिक्रिया मिली. वहीं सारा का करियर भी इन फिल्मों की वजह से काफी प्रभावित हुआ. सारा अपने 5 साल के करियर में 2 हिट छोड़ बाकि 3 डिजास्टर फिल्में कर देकर फ्लॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल हो गईं.

सारा की आने वाली फिल्में

लगातार 3 फ्लॉफ फिल्में देने वाली सारा को लेकर अब लगता है कि 'ऐ वतन मेरे वतन' फिल्म से वह कुछ अच्छा करेंगी. 'ऐ वतन मेरे वतन' के अलावा सारा के पास विक्की कौशल के साथ फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' फिल्म हैं. इसके साथ ही वह डायरेक्टर अनुराग बसु की 'मेट्रो इन दिनो' में आदित्य रॉय कपूर के अपोजिट दिखने वाली हैं.

महाफ्लॉप हुई अखिल अक्किनेनी की 'एजेंट' प्रोड्यूसर ने निकाली डायरेक्टर-एक्टर पर भड़ास

अखिल अक्किनेनी, साक्षी वैद्य, ममूटी और डीनो मोरिया स्टारर 'एजेंट' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप हो गई है. 'एजेंट' तमिल और तेलुगु समेत कई भाषाओं में 28 अप्रैल को रिलीज हुई. यह एक स्पाई एक्शन-थ्रिलर फिल्म है. फिल्म रिलीज होने के बाद से ही ऑडियंस और क्रिटिक्स की आलोचनाओं का शिकार हो रही है. फिल्म को सुरेंद्र रेड्डी ने डायरेक्ट किया है. क्रिटिक्स और ऑडियंस का कहना है कि फिल्म की स्क्रिप्ट और कहानी बहुत ही मजाकिया है. फिल्म को रिलीज हुए 4 दिन हो गए है. वीकेंड तक फिल्म डबल डिजिट में कमाई नहीं कर पाई.

अखिल अक्किनेनी स्टारर 'एजेंट' ने 4 दिन में सिर्फ 10 करोड़ रुपए भी नहीं कमा पाई है. अखिल की फिल्म मल्टीस्टारर फिल्म 'पोन्नियन सेल्वन 2' के साथ बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई और पहले ही दिन न के बराबर कमाई कर पाई. जबकि फिल्म का बजट 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का है. ओपनिंग डे पर फिल्म ने 1 करोड़ रुपए से भी कम 75 लाख रुपए का कलेक्शन किया था. 4 दिन में फिल्म ने 9.60 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है।

फिल्म के बुरी तरह से फ्लॉप होने पर इसके प्रोड्यूसर अनिल सुनकारा ने सार्वजनिक तौर पर फिल्म के फ्लॉप होने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली है. लेकिन एक इंटरव्यू में उन्होंने इस फिल्म को प्रोड्यूस करने की गलती मानी हैं. उन्होंने कहा कि सिर्फ अखिल अक्किनेनी और डायरेक्टर सुरेंद्र रेड्डी के नाम पर फिल्म को प्रोड्यूस किया. उन्होंने स्क्रिप्ट तक नहीं देखी थी.

अनिल सुनकारा स्क्रिप्ट बिना पढ़े प्रोड्यूस की 'एजेंट'

फिल्म बनने के दौरान कथित तौर पर डायरेक्टर सुरेंद्र रेड्डी और प्रोड्यूसर अनिल सुनकारा के बीच बजट को लेकर भी झगड़ा हुआ था. फिल्म का बजट तय कीमत से ज्यादा हो गया था. अब अनिल ने खुलासा किया कि उन्होंने बिना किसी बाउंड स्क्रिप्ट के फिल्म शूरू की. ऐसी चीजें तब होती हैं, जब कोई बड़ा स्टार फिल्म में काम कर रहा होता है।

प्रोड्यूसर्स आंख मूंदकर उस स्टार के नाम पर मोहर लगा देते हैं. अखिल अक्किनेनी तेलुगु इंडस्ट्री के बड़े स्टार हैं. उनके पिता नागार्जुन और भाई नागा चैतन्य भी बड़े एक्टर्स हैं. अनिल ने अखिल नाम देखकर अच्छी स्क्रिप्ट नहीं होने के बावजूद अनिल सुनकारा ने प्रोड्यूस करने को तैयार हो गए.

ऐश्वर्या राय की 'पोन्नियिन सेल्वन 2' की चार दिन में 200 करोड़ के पार हुई कमाई

हिस्टोरिकल ड्रामा 'पोन्नियिन' सेल्वन 2' को 28 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज़ किया गया था. अपने पहले पार्ट की तरह ही 'पीएस 2' को भी ऑडियंस का भरपूर प्यार मिल रहा है और ये दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई कर रही है. इसी के साथ 'पोन्नियिन' सेल्वन 2' ने अपनी रिलीज के चार दिनों के भीतर वर्ल्ड वाइड कमाई कर नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है. फिल्म ने दुनियाभर में अब तक कितना कलेक्शन कर लिया है.

वर्ल्ड वाइड 'पोन्नियिन' सेल्वन 2' ने 200 करोड़ का आंकड़ा किया पार

मणिरत्नम की ड्रीम प्रोजेक्ट फिल्म बताई जा रही 'पोन्नियिन सेलवन 2' को क्रिटिक्स और ऑडियंस दोनों से शानदार रिव्यू मिला.यूं कहिए कि दर्शकों ने इसे पार्ट 1 से ज्यादा पसंद किया है. ऐसा इसलिए है क्योंकि इस सीक्वल में इमोशनल कनेक्ट ज्यादा है. फिल्म रिलीज के बाद से दुनियाभर में धमाल मचा रही है और वर्ल्ड वाइड वॉक्स ऑफिस पर भी इसने मैजिकल 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. रिपोर्ट के मुताबिक पीएस-2 को दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर डबल सेंचुरी लगाने में 4 दिन लगे हैं, जबकि पिछले साल सितंबर में रिलीज हुई पहली फिल्म ₹पीएस-1 को इस माइल्स स्टोन को पार करने में 3 दिन लगे थे पीएस-2 का 4-दिन का कुल कलेक्शन लगभग 210 करोड़ (120 करोड़ घरेलू + 90 करोड़ विदेशी) होना चाहिए जो PS-1 के पहले तीन दिनों की कमाई थी.

'पोन्नियन सेल्वन 2' इंडियन बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

'पोन्नियन सेल्वन 2' शानदार कमाई कर रही है. इंडियन बॉक्स ऑफिस की बात करें तो सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन 24 करोड़ कमाए थे. वही दूसरे दिन फिल्म की कमाई 26.2 करोड़ रुपये रही. तीसरे दिन फिल्म ने 30.3 करोड़ का बिजनेस किया और चौथे दिन यानी पहले सोमवार को फिल्म ने 24.52 करोड़ रुपये बटोरे. इसी के साथ पीरियड सागा की कुल कमाई 100 करोड़ से ज्यादा यानी 105.02 करोड़ रुपये हो गई है.

समलैंगिक विवाह का समर्थन करने पर अपूर्व असरानी ने कंगना को दिया धन्यवाद

पिछले काफी दिनों से देश में समलैंगिक विवाह का मुद्दा गरमाया हुआ है। कोई इस मामले को खुलकर सपोर्ट कर रहा है, तो कोई इसका पुरजोर विरोध भी कर रहा है। देश का कोई अहम मुद्दा हो और बॉलीवुड कलाकार उस पर अपनी राय न दें ऐसा हो पाना थोड़ा मुश्किल लगता है। समलैंगिक विवाह के मुद्दे को भी बहुत से भारतीय सेलेब्स ने सपोर्ट किया है। जहां इस मुद्दे का पहले विवेक अग्निहोत्री ने खुलकर समर्थन किया था, वहीं अब इसके पक्ष में कंगना रणौत ने अपनी आवाज बुलंद की है। क्वीन के ऐसा करते ही उनकी फिल्म 'सिमरन' के फिल्म निर्माता अपूर्व असरानी ने अभिनेत्री को ऐसा करने के लिए धन्यवाद कहा है।

कंगना रनौत समलैंगिक विवाह का समर्थन कर रही हैं। भारतीय न्यायिक प्रणाली को अभी भी समलैंगिक विवाह पर निर्णय लेना है। उसी के लिए अभी मामले की सुनवाई की जा रही है और बहुत से लोगों ने एलजीबीटीक्यू समुदाय को अपना समर्थन दिया है, जिसमें अप्रूवा असरानी, हंसल मेहता, वीर दास और अन्य लोगों ने सेम सेक्स मैरिज को वैध बनाने के लिए अपना समर्थन दिया है। मीडिया से बातचीत के दौरान कंगना ने इस पर अपने विचार भी साझा किए। समलैंगिक विवाह का खुलकर समर्थन करने वाले अपूर्वा असरानी ने अभिनेत्री के विचारों के लिए अभिनेत्री का शुक्रिया अदा किया है।

कंगना रणौत अपने विचारों को खुलकर सबके सामने रखने के लिए प्रचलित हैं। अभिनेत्री अपने विचार साझा करते समय अपनी बात कहने से नहीं चूकती हैं। हाल ही में कंगना से सेम सेक्स मैरिज यानी समलैंगिक विवाह के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि, 'अगर दो लोगों के दिल एक साथ आ जाएं तो उनकी पसंद किसी के लिए क्या मायने रखती है?' अभिनेत्री का ऐसे बयान ने बहुत से लोगों को हैरान और प्रभावित भी किया है। खैर, कंगना ने समलैंगिक विवाह के बारे में ट्वीट किया था। एक्ट्रेस ने ट्वीट कर कहा था कि, 'आप दुनिया में जो करते हैं उससे आपकी पहचान बनती है न कि बिस्तर पर क्या करते हैं।

फिल्मकार अपूर्व असरानी समलैंगिक विवाह पर आने वाले कोर्ट के फैसले पर नजर रख रहे हैं। आपको बता दें, अपूर्व असरानी कादंबूर नीरज के साथ रिश्ते में रह चुके हैं, ऐसे में उनका कोर्ट के इस फैसले पर नजर बनाए रखना लाजमी सा लगता है। अपूर्व उन लोगों में से एक हैं, जो सेम सेक्स मैरिज को वैध बनाने के बारे में मुखर रहे हैं। कंगना के बयान पर अपूर्व ने रिएक्शन देते हुए अभिनेत्री के वीडियो को रीट्वीट किया और उनका शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि, 'ज्यादातर फिल्मी सितारे समलैंगिक विवाह का खुलकर समर्थन करने से कतराते रहे हैं। एक क्वीव की तरफ से दूसरी क्वीन को थैंक्यू।'

कंगना रणौत के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री अगली बार 'इमरजेंसी' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अनुपम खेर, सतीश कौशिक जैसे कई कलाकार मौजूद हैं। वह इस फिल्म में न केवल एक अभिनेत्री के रूप में बल्कि निर्देशक के रूप में भी काम कर रही हैं। कंगना 'इमरजेंसी' में दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने हाल ही में 'चंद्रमुखी 2' की शूटिंग पूरी की है।

आलिया भट्ट को देखकर फैन चिल्लाया 'आई लव यू', एक्ट्रेस ने इस तरह किया रिएक्ट

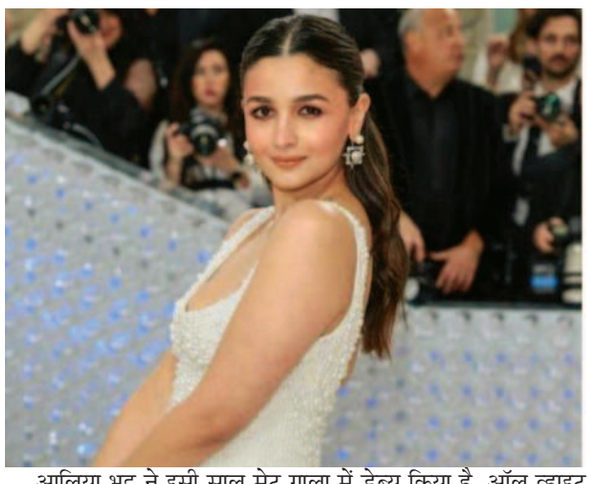

आलिया भट्ट ने इसी साल मेट गाला में डेब्यू किया है. ऑल व्हाइट लुक में आलिया ने सभी का दिल जीत लिया. मोती से जड़े गाउन में जब आलिया रेड कार्पेट पर पहुंची तो उन्होंने सभी का दिल जीत लिया.

अब आलिया का मेट गाला इवेंट के बाद होटल से बाहर निकलने का एक वीडियो सामने आया है. इस दौरान उन्हें देखने के लिए कई फैंस उनके पीछे खड़े हैं. इसी दौरान उनका एक फैन 'आई लव यू' बोल देता है. जिसका एक्ट्रेस बड़ी ही खूबसूरती से जवाब देती हैं.

मेट गाला इवेंट के बाद जब आलिया वापसी के लिए होटल से बाहर निकलीं तो उन्हें देखने के लिए कई फैंस खड़े थे. इसी बीच एक फैन ने आई लव यू कहा तो आलिया ने बड़े ही प्यार से उसे रिप्लाई करते हुए आई लव यू टू कहते हुए जवाब दिया. आलिया का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खासा वायरल हो रहा है.

मोतियों से सजी ड्रेस पहन मेट गाला में किया डेब्यू

अपने मेट गाला डेब्यू के लिए आलिया भट्ट ने डिजाइनर प्रबल गुरुंग द्वारा मोतियों से सजाए गए खूबसूरत व्हाइट गाउन को पहना था. फिलहाल आलिया की इवेंट से तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं जिन्हें फैंस काफी पसंद कर रहे हैं.आलिया ने अपने लुक को मैचिंग ग्लव्स और यूनिक इयररिंग्स पहनकर कंप्लीट किया. हेयर स्टाइल की बात करें तो एक्ट्रेस मिडल पार्टिंग के साथ बेहद ग्लैमरस लग रही था.

आनंद महिंद्रा का राजामौली से अनुरोध : कहा- आपको प्राचीन सभ्यता पर फिल्म बनानी चाहिए

राजामौली बोले- पाकिस्तान सरकार ने मोहनजोदड़ो जाने की नहीं दी इजाजत

बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा ने डायरेक्टर एस.एस राजामौली को हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की प्राचीन सभ्यता पर फिल्म बनाने की अपील की है। इसके जवाब में राजामौली ने कहा कि भी उन्हें भी इसके बारे में विचार आया था।

राजामौली ने कहा कि उन्होंने इसके लिए मोहनजोदड़ो जाने की सोची भी थी लेकिन पाकिस्तान की सरकार ने उन्हें वहां जाने की इजाजत नहीं दी। बता दें कि सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमाण पाकिस्तान के हड़प्पा, मोहनजोदड़ो और भारत के लोथल, धोलावीरा और कालीबंगन में मिले थे।

फिल्म बनी तो लोगों को प्राचीन सभ्यता के बारे में जानने का मौका मिलेगा

महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने हाल ही में एक फोटो शेयर की। उस फोटो में प्राचीन भारत की सभ्यता का एक नमूना दिख रहा था। उस फोटो के साथ आनंद ने लिखा, 'ये एक अद्भुत तस्वीर है।

ऐसी तस्वीरों से इतिहास के बारे में पता चलता है।

इन तस्वीरों से हम इतिहास की कल्पना कर सकते हैं। मैं चाहता हूं एस.एस राजामौली उस युग के बारे में एक फिल्म बनाएं। इससे

लोगों को वैश्विक स्तर पर भारत के प्राचीन सभ्यता के बारे में जानने का मौका मिलेगा।'

मोहनजोदड़ो जाने की नहीं मिल पाई इजाजत

आनंद के ट्वीट के जवाब में एस.एस राजामौली ने लिखा, 'हां सर, धोलावीरा में मगधीरा की शूटिंग के दौरान मैंने एक पेड़ को देखा जो जीवाश्म में बदल गया था। उस पेड़ को देखने के बाद मेरे दिमाग में विचार आया कि सिंधु घाटी सभ्यता की शुरुआत कैसे हुई और फिर इसके नष्ट होने तक की कहानी पर एक फिल्म बनाई जाए।

मैंने मोहनजोदड़ो जाने की कोशिश भी की, लेकिन दुर्भाग्य से वहां जाने की परमिशन नहीं मिली।'

क्या है सिंधु घाटी सभ्यता, ये प्राचीन स्थल पाकिस्तान में क्यों है?

भारत में सिंधु घाटी सभ्यता को पहली नगरीय सभ्यता के रूप में जाना जाता है। इस सभ्यता का विकास सिंधु नदी के पास हुआ था इसलिए इसे 'सिंधु घाटी सभ्यता' का नाम दिया गया है। इस सभ्यता की खुदाई सबसे पहले हड़प्पा नाम के जगह पर हुई थी। हडप्पा वर्तमान में पाकिस्तान में है।

भारत विभाजन के बाद सिंधु सभ्यता के शहर हड़प्पा और मोहनजोदड़ो पाकिस्तान में चले गए। ये सभ्यता आठ हजार साल पुरानी है इसलिए इसे मिस्र और मेसोपोटामिया की सभ्यता से भी पुराना माना जाता है। इसे लेकर जो रिपोर्ट्स सामने आती है उसके मुताबिक मौसम में हुए परिवर्तन के कारण ये सभ्यता नष्ट हो गई।

पीरियड ड्रामा फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं राजामौली

एस.एस राजामौली की फिल्म RRR ने हाल ही में ऑस्कर जीता है। फिल्म के गाने नाटू-नाटू को बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग की कैटेगरी में ऑस्कर मिला है। RRR एक पीरियड ड्रामा फिल्म थी जिसमें आजादी के पहले अंग्रेजों के क्रूर शासन की कहानी दिखाई गई थी। इसके अलावा बाहुबली, बाहुबल 2 और मगधीरा ये सभी फिल्में प्राचीन समय की स्टोरी पर बेस्ड थीं। राजामौली की इन सभी फिल्मों को काफी पसंद किया गया है। इन्हीं फिल्मों की वजह से आज वो देश के सबसे बड़े डायरेक्टर्स में से एक बन गए हैं।

हसीन नताशा पूनावाला ने 'मेट गाला' में अपने 'मिरर गाउन' लुक से एक्ट्रेसेस को दी मात

इंडिया की वैक्सीन क्वीन नताशा पूनावाला ने मेट गाला 2023 में अपने लुक से बॉलीवुड एक्ट्रेस के पीछे छोड़ दिया है. नताशा के स्टनिंग गाला लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. बिजनेसवुमन और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नताशा पूनावाला को 'भारत की वैक्सीन क्वीन' के रूप में भी जाना जाता है. नताशा फिलहाल मेट गाला इवेंट के रेड कार्पेट पर अपने लुक की वजह से सुर्खियों में छाई हुई हैं.

आलिया, प्रियंका और ईशा अंबानी के अलावा इस साल के मेट गाला इवेंट में शामिल होने वाली देसी गर्ल में नताशा पूनावाला भी थीं. नताशा ने गाला इवेंट में अपने आउटफिट से हर किसी को हैरान कर दिया.

नताशा ने मेट गाला 2023 के लिए मिरर किए हुए शिआपरेली गाउन कैरी किया था. उनका लुक काफी अमेजिंग था. नताशा ने पोनीटेल के साथ अपना लुक कंपलीट किया था.

मेकअप की बात करें तो उन्होंने ड्रामेटिक विंग्ड आईलाइनर और ग्लॉसी न्यूड लिप्स के साथ राउंड ऑफ डेवी मेकअप के साथ अपना ओवरऑल लुक कंपलीट किया था. नताशा ने अपने इस लुक से बॉलीवुड एक्ट्रेसेस को भी पीछे छोड़ दिया है. उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर गाला लुक की तस्वीरें शेयर की हैं जो काफी वायरल हो रही हैं.

नताशा पूनवाला पहले भी कई बार मेट गाला में शिरकत कर चुकी हैं. नताशा पूनवाला पहले भी कई बार मेट गाला में शिरकत कर चुकी हैं. 2022 में, उन्होंने मेट गाला रेड कार्पेट पर एक साड़ी के टाइमलेस सिल्हूट लुक को कैरी किया था.

बच्चों में बढ़ रही है नकारात्मकता? इन टिप्स की लें मदद, नेगेटिव थिंकिंग से मिलेगी निजात

ऐसा माना जाता है कि सकारात्मक सोच रखने वाले बच्चे खुशमिजाज होते हैं. लेकिन कई बार देखने में आता है कि कुछ बच्चे बचपन से ही नेगेटिविटी का शिकार होने लगते हैं. ऐसे में बच्चों की थिंकिंग भी नेगेटिव होती जाती है. इसलिए बच्चों की बेहतर ग्रोथ और भविष्य के लिए जरूरी हो जाता है कि बच्चों के दिमाग से नेगेटिविटी को दूर किया जाये. तो आइये आज हम आपको बताते हैं बच्चों में नेगेटिव थिंकिंग को दूर करने के कुछ टिप्स के बारे में.

नेगेटिव और पॉजिटिव का अतंर समझाएं: बहुत बच्चे ऐसे होते हैं जो नेगेटिव और पॉजिटिव चीजों में अंतर नहीं जानते हैं. ऐसे में बच्चे अनजाने में ही नेगेटिविटी की ओर खिंचने लगते हैं. ऐसे में पेरेंट्स के लिए जरूरी है कि वह बच्चों को अच्छे और बुरे की पहचान करवायें और ये समझाएं कि निगेटिव थिंकिंग रखने से समस्या का हल नहीं होगा. साथ ही उनको हर परिस्थिति में पॉजिटिविटी मेंटेन रखने की सलाह दें.

खुद को रखें पॉजिटिव: अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा निगेटिव थिंकिंग का शिकार न हो, तो इसके लिए आपको खुद को पॉजिटिव रखने की जरूरत है. ऐसा इसलिए क्योंकि ज्यादातर बच्चे अपने माता-पिता को ही कॉपी करने लगते हैं. ऐसे में बच्चों के सामने चीजों में पॉजिटिविटी देखने की कोशिश करें और कमियां निकालने से बचें.

बच्चों की दिक्कत पता करें: बहुत बच्चे किसी परेशानी की वजह से भी अपनी सोच को निगेटिव बना लेते हैं. ऐसे में माता-पिता उनकी दिक्कत जाने बिना बच्चों को समझाने की कोशिश में लग जाते हैं. ऐसे में जरूरी है कि बच्चों कि परेशानी की वजह पता करें और उनको हर चीज के बारे में निगेटिव थिंकिंग रखने से रोकें. साथ ही चीजों को पॉजिटिविटी के साथ समझाने की कोशिश करें.

पॉजिटिविटी मेंटेन रखने की सलाह दें: बच्चों को अच्छी चीजों पर फोकस करने की सलाह दें. दरअसल नकारात्मक सोच रखने वाले बच्चे ज्यादातर चीजों में बुराइयां ही तलाशते हैं. ऐसे में बच्चों को पॉजिटिविटी मेंटेन रखने की सलाह दें. इससे बच्चे किसी चीज के लिए दुखी और परेशान नहीं होंगे.

नेगेटिव लोगों से दूर रखें: बहुत लोग ऐसे होते हैं जिनकी सोच नकारत्मक होती है. ऐसे में बच्चे जब उनके साथ ज्यादा समय गुजारते हैं, तो उनकी थिंकिंग भी निगेटिव होने लगती है. ऐसे में बच्चों को ऐसे लोगों से दूर रखने की कोशिश करें, जिनकी सोच निगेटिव हो।

छोटी बहन को अनुशासन सिखाने के लिए अपनाएं ये तरीके

भाई-बहनों का रिश्ता बहुत अटूट होता है। वह एक दूसरे के दोस्त होते हैं, साथ ही बड़े भाई या बहन अपने से छोटे के गार्जियन भी होते हैं। जब परिवार में छोटी बहन आती है, जो बड़े भाई या बहन को उसकी देखरेख की जिम्मेदारी मिल जाती है। छोटी बहन को संभालना, घर से बाहर जाने पर उसकी निगरानी करना, उसे पढ़ाना, उनके साथ खेलना आदि बड़े भाई या बहन का रोज का कार्य बन जाता है। बहनें सहेलियां बन जाती हैं तो वहीं भाई के लिए जिम्मेदारी बन जाती हैं। लेकिन कई बार छोटे होने के कारण अधिक लाड प्यार में बेटी ज्यादा शरारती हो जाती है। जिद्दी और अपनी मनमर्जी की करने लगते हैं। ऐसे में माता पिता से ज्यादा बड़े भाई या बड़ी बहन की जिम्मेदारी है कि वह अपनी शरारती और नटखट छोटी बहन को बिगड़ने से बचाएं और उनके व्यवहार में सुधार करें। छोटी बहन को लाड़ देने के साथ ही उन्हें अनुशासन सिखाने का काम भी बड़े भाई या बहन का ही होता है। अगर आपकी भी छोटी बहन जरूरत से ज्यादा शरारती है तो उसे अनुशासन सिखाने के लिए भाई-बहन करें ये काम।

छोटी बहन को समझाएं

बच्चे कुछ गलत करें या जरूरत से अधिक शरारत करें तो उन्हें समझाना चाहिए कि उनका यह बर्ताव गलत है। शरारतों पर डांटने मात्र से बच्चे को उसकी गलती पता नहीं चलती। गलत और सही के बारे में छोटी बहन को सिखाएं। उन्हें बताएं कि हर बात के लिए जिद्द करना, गुस्सा करना गलत बात होती है। प्यार से समझाने पर वह अनुशासन सीखेंगे।

संगत पर दें ध्यान

बड़े भाई या बड़ी बहन की जिम्मेदारी है कि वह अपने से छोटे बच्चे की संगत पर ध्यान दें। छोटी बहन के दोस्त कैसे हैं, वह किन बच्चों के साथ खेलती है और उनसे क्या सीखती है, इस पर निगरानी करें, ताकि बहन को अनुशासन सिखा सकें और गलत राह पर जाने से रोक सकें।

सख्ती और सहानुभूति जरूरी

आप भले ही छोटी बहन को कितना भी प्यार करते हैं, पर जरूरत से ज्यादा लाड़ प्यार उनके लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऐसे में थोड़ी सख्ती बहन को एक अच्छा इंसान बनने में मदद करेगी। उन पर कुछ सख्ती रखें, वहीं सहानुभूति भी दिखाएं ताकि उन्हें महसूस हो कि आप उन्हें समझते हैं।

विकल्प दें

बहन जिद्दी और गुस्सैल हो गई है या बहुत शरारत करती है तो उसे डांट नहीं बल्कि विकल्प दें। छोटी बहन से पूछें कि वह आपके समझाने पर बात मानेगी या सीधे माता पिता का हस्तक्षेप हो? बड़ा भाई या बहन अपने से छोटे को यह समझाने का प्रयास कर सकते हैं कि आप उनका साथ देंगे लेकिन उन्हें भी आपका साथ देना चाहिए।

सोडा पानी, जलजीरा सेहत के लिए खतरनाक

एलर्जी, एसिडिटी होगी, ब्लड शुगर बढ़ेगा, पाउडर वाले आम रस से लिवर होगा बीमार

कॉफी और चाय की तरह इन दिनों जलजीरा और आम पन्ना के भी पाउडर पैकेट पानी में घोल कर बेचे जा रहे हैं। इसके अलावा ठेले पर मिलने वाले मैंगो, वॉटरमेलन, कीवी, ब्लूबेरी जैसे फ्रूट ड्रिंक्स में भी फ्लेवर और एसेंस मिलाया जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि गर्मियों में ठंडक पहुंचाने के नाम पर बेचे जाने वाले ये मिलावटी ड्रिंक्स सेहत के लिए बहुत हानिकारक होते हैं। इनके सेवन से ब्लड प्रेशर, मोटापा और हार्ट की गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ता है।

पैकेट वाले पाउडर ड्रिंक्स की आदत लगाने और टेस्ट बढ़ाने के लिए इसमें कैफीन, सॉल्ट, सोडा, चीनी, गुआरना, टॉरिन जैसी चीजों को मिलाया जाता है। ये सभी चीजें शरीर के लिए हानिकारक होती हैं। इसके अलावा हिमालयन सॉल्ट मिक्स होने के कारण इससे ब्लड प्रेशर और हार्ट संबंधित बीमारियां होने का भी खतरा रहता है।

सोडा पानी और पाउडर जलजीरा से फैटी लिवर की समस्या

ज्यादा सोडा पीने से फैटी लिवर की समस्या हो सकती हैं। अगर बहुत ज्यादा सोडा पीते हैं, तो ये समस्या बढ़ सकती है। जिन लोगों को अस्थमा की समस्या होती है अगर वो सोडा पीते हैं तो उनको सांस की तकलीफ बढ़ सकती है। बाजार में बिकने वाले जलजीरा पाउडर में हिमालयन सॉल्ट यानी काला नमक ज्यादा मात्रा में होता है, जिसके कारण ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। गर्भवती महिला या बच्चे को स्तनपान कराने वाली महिलाओं को खासतौर पर ऐसे पाउडर ड्रिंक्स लेने से बचना चाहिए।

एलर्जी, एसिडिटी और ब्लड शुगर बढ़ने का कारण पाउडर आम पन्ना

डायबिटीज के मरीज को पाउडर आम पन्ना पीने से बचना चाहिए क्योंकि इसमें कैलोरी की अधिक मात्रा होती है। इसे अधिक मात्रा में पीने से एसिडिटी, एलर्जी और पेट से जुड़ी बीमारियां होने की संभावना रहती है।

फ्लेवर्ड और एसेंस फ्रूट जूस से लिवर हो सकता है खराब

कम रेट में ठेले पर बिकने वाले वॉटरमेलन, मैंगो और ब्लूबेरी जूस में कई तरह के फ्लेवर, प्रिजर्वेटिव्स और एसेंस मिलाए जाते हैं। हालांकि एसेंस से जुड़ा एक मिथ है कि ये आपको कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। लेकिन अगर इसे तय मात्रा से ज्यादा इस्तेमाल किया जाए तो इसमें मौजूद केमिकल्स सीधे लिवर और किडनी पर असर करते हैं। फ्लेवर में पाए जाने वाले सॉर्बिटोल, शुगर आसानी से पचते नहीं। इसके कारण अपच, गैस और पेट दर्द जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

प्रिजर्वेटिव के तौर पर मिली होती है केवल चीनी

बाजार में मिलने वाले फ्रूट जूस में ताजे फलों वाला जूस होने के बजाए मिठास बढ़ाने और प्रिजर्वेटिव के तौर पर अधिक चीनी मिलाई जाती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार ताजे और मौसमी फलों को ही खाना चाहिए। रेगुलर बाजार का जूस पीने से ब्लड शुगर जैसी बीमारी का खतरा बढ़ सकता है। इनमें फ्रक्टोज की मात्रा अधिक होने से गट हेल्थ खराब हो सकती है। कोशिश करें कि ज्यादा से ज्यादा घर में ही तैयार जूस पिएं।

क्या आपका बच्चा भी दूध-दही के साथ फल खाता है संतरा-अंगूर, केले के साथ दूध पीने से स्किन की बीमारियां

बनाना शेक, मैंगो शेक, स्ट्रॉबेरी शेक और कई तरह के ड्राई फ्रूट्स वाले शेक की डिमांड इन दिनों काफी बढ़ गई है। जूस की दुकानों पर ऐसे शेक वाली तख्तियां उनके रेट के साथ लटकती दिख जाएंगी। घरों में भी दूध के साथ फलों की कई रेसिपी बनाई जाती हैं। दूध के साथ केला, आम, अनार जैसे फल चाव से खाए जाते हैं। लेकिन क्या दूध के साथ फल खाना सेहत के लिए सही है?

घर में बड़े बुजुर्ग टोकते हैं कि अभी दूध पिया है तो नींबू, संतरा या अंगूर मत खाओ? इसका कारण यह है कि दूध के साथ ये फल लेने पर शरीर में टॉक्सिन बनने लगता है। आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. टीएल जेवियर बताते हैं कि दूध के साथ नींबू, संतरा खाने पर यह चीज में बदलने लगता है। चूंकि सभी फलों में एंजाइम्स और कई तरह के एसिड होते हैं जैसे- सिट्रिक एसिड, मैलिक एसिड, टारटैरिक एसिड और फ्यूमेरिक एसिड। ये एसिड दूध, दही, छाछ जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स के साथ मिल नहीं पाते। इसका उल्टा प्रभाव देखने को मिलता है। यह शरीर में टॉक्सिन के रूप में जमा होता है। कई बार ये ब्लड में मिल जाते हैं। इससे स्किन की बीमारियां होने का रिस्क होता है। स्किन पर चकत्ते आना, फोड़े होना, स्किन का रंग उड़ना जैसी परेशानी देखने को मिलती है।

क्या किसी भी फल के साथ दूध नहीं लेना चाहिए?

डॉ. बताती हैं कि दूध के साथ कोई भी फल न लें तो ज्यादा अच्छा है। स्ट्रॉबेरी के साथ दूध कभी न मिलाएं। यह हमारे पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाता है। इसी तरह बनाना शेक या केले के साथ दूध लेना भी ठीक नहीं है। केला खूब पका हुआ तो भी इसे दूध के साथ नहीं खाना चाहिए। पाचन के दौरान इसका नेचर बदल जाता है। इससे पेट में अम्ल बनता है।

पके आम के साथ दूध ले सकते हैं या नहीं

वैसे फल जो नेचुरली बहुत मीठे और पके हुए हों, उनके साथ दूध लिया जा सकता है। जैसे पके और मीठे आम को दूध के साथ खाया जा सकता है। इसी तरह एवाकाडो को भी दूध में मिलाकर खाया जा सकता है। ड्राई फ्रूट्स जैसे खजूर, अंजीर को भी दूध के साथ लिया जा सकता है।

डॉ. बताती हैं कि ताजे फलों को किसी भी दूसरे खाने के मुकाबले हल्का व जल्दी से पचने वाला माना गया है। अगर लंच या डिनर के साथ फल खाते हैं तो यह पेट में तब तक रहता है जब तक कि पूरा खाना पच नहीं जाता। जबकि खाना खाने से एक घंटे पहले या एक-दो घंटे बाद फल खाते हैं तो यह जल्दी पच जाता है।

पेट में एसिड बनने लगता है

किसी बाल्टी में खूब पके हुए फल को रखें। फल इतने पके हों कि उनके गूदे बाहर निकल गए हों। इसे धूप में रखें। यह देखने में बजबजाता हुआ लगेगा। ठीक इसी तरह खाना खाने के बाद फल खाते हैं तो यह पेट में लंबे समय तक बना रहता है। पेट में मौजूद पाचक रस (डायजेस्टिव जूस) इसे पचाते रहते हैं। इससे फर्मेंटेशन की प्रक्रिया होते रहती है। इसलिए आपने कई लोगों को देखा होगा कि खाना खाने के तुरंत बाद फल खाने वालों को एसिडिटी की परेशानी अधिक होती है।

पाचन तंत्र में गड़बड़ी हो जाती है

आयुर्वेद में पेट में बनने वाली एसिडिक स्थिति को 'अम' कहा गया है। यह हमारे पाचन तंत्र को कमजोर करता है। पेट में पाचक रस निकलना कम हो जाता है। न्यूट्रिएंट्स शरीर में सही तरीके से घुल नहीं पाते। तो नतीजा उल्टा होता है। पाचन तंत्र बेहतर होने की जगह, इसमें गड़बड़ी आने लगती है।

दूध के साथ संतरा खाने से स्किन की बीमारियां होंगी

फल को किसी भी भोजन के साथ नहीं खाना चाहिए, चाहे वो सेब, केला, अनार, अंगूर या कोई भी फल हो। क्योंकि इससे सेहत को फायदा कम, नुकसान अधिक होता है।

खाने के पहले या बाद में कब फल खाएं

अब सवाल यह उठता है कि हमें फल कब खाना चाहिए। डॉ. बताती हैं कि खाने के दौरान या खाने के तुरंत बाद फल नहीं खाना चाहिए। खाने से एक घंटे पहले या खाने के दो घंटे बाद ही फल खाना सेहत के लिए अच्छा होता है।

नॉन वेज खाने के बाद भूलकर भी दूध नहीं पिएं

आमतौर पर मछली खाने के बाद दूध पीने से मना किया जाता है। लेकिन केवल मछली ही नहीं, बल्कि कोई भी नॉन वेज खाने के बाद दूध या दही नहीं खाना चाहिए। रात के समय तो नॉन वेज खाने के बाद दूध बिल्कुल नहीं पीना चाहिए।

केमिकल से पके आम को पहचानने के आसान टिप्स

गर्मी का मौसम आते ही मन में एक फल का विचार सबसे पहले आता है और वह है आम। आम एक ऐसा फल है जो टेस्टी होने के साथ-साथ हेल्दी भी होता है। कुछ दुकानदार ज्यादा मुनाफे के लिए आमों को केमिकल से पका कर बेचने लगते हैं। इस तरह के आम सेहत के लिए अच्छे नहीं माने जाते हैं। अगर आप केमिकल से पके हुए आम की खरीदारी करने से बचना चाहती हैं, तो आपको थोड़ा सा सतर्क होने की जरूरत है। हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जिन्हें जानकर आप सही आम की पहचान कर सकती हैं।

आम के रंग से पहचाने : आम खरीदते समय आम के रंग को देखना ना भूलें। केमिकल वाले आमों में हरे धब्बे दिखाई देते हैं। जो केमिकल से पके हुए आम होते हैं वह पूरे नजर आते हैं और अलग से दिखाई देते हैं। इसके अलावा यह भी देखें की आम का आकार किस तरह से है। केमिकल से पके हुए आम आकार में बेहद छोटे होते हैं और उनमें से अधिकतर रस टपकता हुआ नजर आता है। इसके अलावा अगर आपको कोई आम ऐसा नजर आता है जिसमें सफेद या नीला निशान है तो उसे बिल्कुल नहीं खरीदना चाहिए। इस तरह से आप केमिकल से पके हुए आम की पहचान कर पाएंगी।

ऐसे भी करें चेक : आम खरीदते समय आमों को पानी की बाल्टी में डालें और देखें कि कौनसे आम डूब रहे हैं और कौन से आम पानी की सतह पर हैं। जो आम पानी में डूब जाएं वे आम प्राकृतिक रूप से पके हुए होते हैं। लेकिन अगर कोई भी आम आपको ऊपर तैरता हुआ नजर आता है तो समझ जाएं कि वह आम केमिकल से पकाया गया है।

बच्चों में प्रेम बढ़ाने के लिए अभिभावक अपनाएं ये टिप्स

बच्चे घर की रौनक होते हैं। अगर घर में दो या दो से अधिक बच्चे होते हैं तो उनके बीच भाई बहन से अधिक दोस्तों जितना प्यार होता है। वह एक दूसरे के साथ खेलते हैं, अपनी चीजें शेयर करते हैं, एक दूसरे के राज छुपाते हैं और माता पिता की डाँट से बचाते हैं। भाई बहनों के बीच का प्यार लगभग हर परिवार में देखने को मिलता है। जहां एक दूसरे के साथ खेलते हैं वहीं कभी कदार उनमें नोकझोंक भी हो जाती है। पर यह प्यार भरी तकरार उनके रिश्ते को और मजबूत बनाती है लेकिन जब भाई बहनों की तकरार बहुत अधिक बढ़ जाती है और वह दुश्मनों की तरह लड़ने झगड़ने लगते हैं तो माता-पिता को उनके बीच स्नेह और प्यार बढ़ाने के लिए कुछ खास कदम उठाने चाहिए।अगर आपके घर के बच्चे भी दुश्मनों की तरह लड़ते हैं तो अभिभावक उन के रिश्ते को मजबूत बनाने और प्रेम बढ़ाने के लिए इन टिप्स को अपना सकते हैं।

शांति से समझाएं

बच्चे अगर जरूरत से ज्यादा लड़ने झगड़ने लगें और एक दूसरे के साथ समय बिताना पसंद ना करें तो माता-पिता को उनके विवादों को सुलझाने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। बच्चों से बात करें और यह जानने की कोशिश करें कि वह एक दूसरे से इतना क्यों लड़ते हैं। कई बार कई बड़ा भाई या बहन अपने छोटे भाई/बहन से इनसिक्योर महसूस करने लगता है। बच्चों के बीच प्रतिस्पर्धा या जलन की भावना भी उन्हें एक दूसरे के खिलाफ कर देती है। ऐसे में माता पिता को उनके बीच की परेशानी को समझ कर बच्चों को समझाना चाहिए।

साथ में काम दें

अक्सर भाई बहन के बीच विवाद की वजह गलतफहमी होती है । एक दूसरे को अधिक समय न देने के कारण भी भाई बहन आपसी विचारों से अज्ञात रहते हैं । ऐसे में माता-पिता को बच्चों को कुछ ऐसे काम देने चाहिए जिसे वह साथ मिलकर करें। साथ काम करने से भाई बहन एक दूसरे के साथ समय बिताते हैं और एक दूसरे को समझ पाते हैं जिससे उनके बीच के तनाव को कम किया जा सकता है।

बच्चों के बीच न आयें

भाई-बहन के बीच लड़ाई झगड़ा होने पर माता-पिता का हस्तक्षेप करना और किसी एक का पक्ष लेना भी उनके बीच तनाव को बढ़ा सकता है। ऐसे में भाई बहनों को अपने विवाद खुद ही सुलझाने का मौका दें । हर छोटी लड़ाई झगड़े में उनके बीच ना आएं।

संगत पर ध्यान दें

जन्म से ही पारिवारिक रिश्ता होने के साथ ही भाई बहन एक दूसरे के दोस्त भी होते हैं। लेकिन जब वह कुछ बड़े होते हैं तो घर से बाहर निकल कर नए दोस्त बनाते हैं। घर से बाहर बच्चे को खराब संगत मिलने पर अपने भाई बहन से झगड़े कर सकते हैं । अभिभावक को इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि बच्चा कैसी संगत में है अगर वह झगड़ालू लोगों से दोस्ती करता है तो घर आकर अपने भाई बहन से भी झगड़ा करना सीख जाता है।

प्रेशर कुकर से जुड़े हैक्स

कुकर में खाना बनाना आसान है, लेकिन कई बार बहुत-सी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में हम आपके लिए कुछ ऐसे हैक्स लेकर आए हैं, जिनकी मदद से आपका काम और आसान हो जाएगा। प्रेशर कुकर हम महिलाओं के लिए काफी उपयोगी सामानों में से एक है। इसका इस्तेमाल खाना बनाने के लिए सबसे ज्यादा किया जाता है क्योंकि इसमें खाना न तो जलता है बल्कि जल्दी भी पक जाता है। कुकर में हम कई तरह से व्यंजन बना सकते हैं, लेकिन ज्यादातर नॉनवेज आइटम्स, दाल बनाने के लिए कुकर का इस्तेमाल किया जाता है।

कुकर के ढक्कन से झाग आना

कई बार ऐसा होता है कि प्रेशर कुकर में खाना बनाते वक्त ढक्कन से झाग बाहर आने लगते हैं। आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि ऐसा अक्सर खाद्य पदार्थों को बनाते समय होता है। फलियां, दाल और चावल बनाते वक्त अक्सर झाग निकलते हैं। इससे बचने के लिए आप सामग्री में एक चम्मच तेल या घी मिला दें। इसके अलावा, दाल, बीन्स, फलियां या चावल पकाते समय कभी भी प्रेशर कुकर में आधे से ज्यादा तरल न भरें।

सही प्रेशर न बनना

अगर आपका कुकर बिल्कुल नया है और इसमें प्रेशर सही प्रेशर नहीं बन रहा है, तो कुकर के ढक्कन की जांच करें। आप देखें कि प्रेशर कुकर का ढक्कन ठीक से बंद है या नहीं। साथ ही चेक करें कि गैसकेट ठीक से डाला गया है। वहीं, अगर आप प्रेशर कुकर का उपयोग सप्ताह में 2-3 बार से अधिक कर रहे हैं, तो हर साल गैसकेट को बदलें। अगर सब कुछ ठीक लग रहा है, तो खाना बनाते वक्त पानी की मात्रा को चेक करें कि कम तो नहीं है।

स्टीम वेंट ब्लॉक हो जाना

जब हम कुकर में खाना बनाते हैं, तो कई बार steam vent ब्लॉक हो जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे हैं, जो स्टीम वेंट को ब्लॉक कर देते हैं जैसे- अनाज, पास्ता, चावल और अन्य गूदेदार सामग्री जैसे खाद्य पदार्थ भाप के साथ उठते हैं और भाप के वेंट में रुक जाते हैं और भाप को बाहर निकलने से रोकते हैं। यह बेहद खतरनाक हो सकता है। इससे बचने के लिए हमें स्टीम वेंट को नियमित रूप से साफ करना चाहिए। साथ ही, प्रेशर कुकर में खाना और तरल डालने के बाद बिना प्रेशर रेगुलेटर के ढक्कन लगा दें और पहले वेंट ट्यूब से भाप निकलने दें।

प्रेशर कुकर के हैंडल से भाप निकलना

प्रेशर कुकर के हैंडल इस तरह से डिजाइन किए गए हैं कि वे गर्म न हों और भाप को ब्लॉक न करें। यदि आपके हैंडल से भाप या तरल पदार्थ का रिसाव हो रहा है, तो इसका मतलब प्रेशर कुकर के एक या अधिक हिस्से खराब हो गए हैं।

भारत का कोयला उत्पादन के मामले में नया रिकॉर्ड

अप्रैल में 9 फीसदी बढ़कर 73.02 मिलियन टन हुआ

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। भारत ने कोयला उत्पादन के क्षेत्र में अप्रैल 2023 के दौरान एक नया रिकॉर्ड बनाया है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक, भारत ने अप्रैल 2022 के दौरान 67. 20 मिलियन टन की तुलना में 8. 67 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 73. 02 मिलियन टन (एमटी) कोयले का उत्पादन किया है। कोयला मंत्रालय ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अप्रैल 2023 में 57. 57 मिलियन टन का उत्पादन दर्ज किया है, जबकि अप्रैल 2022 में 53.47 मिलियन टन कोयला बाहर आया था, जो 7. 67 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाता है।

कोयला मंत्रालय ने दिया आंकड़ा

कोयला मंत्रालय ने अपने नियंत्रण में आने वाले और निजी कोयला ब्लॉकों की खनन क्षमताओं का अधिकतम उपयोग करते हुए बाजार में अतिरिक्त कोयला जारी करने का मार्ग प्रशस्त किया है, यही कारण है कि अप्रैल 2022 में उत्पादित 8. 41 मिलियन टन के सापेक्ष अप्रैल 2023 में कोयले का उत्पादन 17. 52 प्रतिशत बढ़कर 9. 88 मिलियन टन (तात्कालिक आंकड़ा) हो गया है।

कुल कोयले की रवानगी में 11 फीसदी से ज्यादा का इजाफा

कोयला मंत्रालय का कहना है कि कुल कोयले की रवानगी में अप्रैल 2022 के दौरान 71.99 मिलियन टन के मुकाबले 11. 76 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है, जो अप्रैल 2023 में 80.45 मिलियन टन तक हो गई है। यह मुख्य रूप से तेजी से निकासी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पीएम गति शक्ति के तहत सभी प्रमुख खानों के लिए रेल संपर्क संबंधी बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के संदर्भ में कोयला मंत्रालय द्वारा की गई पहल के कारण संभव हुआ है।

सरकार की आयातित कोयले पर निर्भरता कम करने की कोशिश

कोयला मंत्रालय ने कोयले की उपलब्धता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ नीलामी के 7वें दौर के तहत नीलामी के लिए 103 कोयला व लिग्नाइट ब्लॉकों की पेशकश की है और खानों के लिए 29 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनकी नीलामी 6वें दौर में की गई थी। मंत्रालय के मुताबिक, 29 कोयला खदानों का कुल पीआरसी 74 मिलियन टन प्रति वर्ष है। घरेलू उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा की गई पहल के फलस्वरूप देश की आयातित कोयले पर निर्भरता कम होगी और इससे विदेशी मुद्रा की भी काफी बचत होगी।

वित्त मंत्री बोलीं- भारत का आर्थिक उदय दुनिया के लिए अहम

एडीबी अध्यक्ष से मिलीं निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज दक्षिण कोरिया के इंचियोन में एडीबी की वार्षिक बैठक के मौके पर एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मासत्सुगु असकावा के साथ द्विपक्षीय बैठक की। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी साझा की है।

विकासशील देशों को असरकारी मदद कैसे मिले, इस पर मंथन करे एडीबीः वित्त मंत्री

इस दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत एडीबी के संप्रभु और गैर-संप्रभु संचालन के लिए सबसे महत्वपूर्ण देश बना हुआ है और बैंक की उधार क्षमता बढ़ाने के लिए वह एडीबी की मदद करेगा। वित्त मंत्री ने एडीबी को सलाह दी है कि वह इस बात पर मंथन करे कि विकासशील देशों को असरकारी मदद कैसे मुहैया करायी जाए।एडीबी मुख्यालय में सीतारमण ने कहा कि एडीबी को भारत को रियायती क्लाइमेट फाइनेंस मुहैया करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का आर्थिक और विकासात्मक उदय क्षेत्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अहम साबित होगा। एडीबी के अध्यक्ष मासत्सुगु असकावा ने कहा कि वह अपने सदस्य देशों को 100 अरब डॉलर मुहैया कराने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने एडीबी के इनोवेटिव फाइनेंस फैसिलिटी में सहयोग के लिए भारत का आभार भी जताया।

सोना हुआ सस्ता, चांदी के भी खूब गिरे दाम

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। सोने और चांदी के दाम में आज नरमी देखने को मिल रही है और ये अपने ऊपरी स्तरों से नीचे आ गए हैं। सोना इस समय 59800-59700 रुपये के नीचे ट्रेड कर रहा है। दरअसल ग्लोबल बाजारों में इस समय चांदी और सोने के दाम में गिरावट देखने को मिल रही है और इसका असर घरेलू बुलियन मार्केट में कीमती मेटल्स पर देखने को मिल रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के दाम देखें तो 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 33 रुपये की मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता दिखाई दे रहा है। आज सोना 59731 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर बना हुआ है और इसमें आज का सबसे ऊपरी स्तर 59764 रुपये पर था। इसके अलावा नीचे की तरफ सोने का दाम 59700 रुपये तक गिरा था। सोने का ये दाम इसके जून वायदा के लिए है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चमकीली मेटल चांदी आज जोरदार गिरावट के साथ कारोबार कर रही है। चांदी में आज 431 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट देखी जा रही है और ये कुल 0. 57 फीसदी की गिरावट है। चांदी आज 75028 रुपये प्रति किलो के रेट पर कारोबार कर रही है। चांदी में आज ऊपरी तरफ 75280 रुपये प्रति किलोग्राम के रेट देखे गए और नीचे की तरफ इसमें 75026 रुपये तक के लेवल देखे गए हैं। चांदी के ये रेट इसके जुलाई वायदा के लिए हैं।

ग्लोबल बाजार में क्यों गिर रहे हैं सोने-चांदी के दाम

फेडरल रिजर्व की आज से शुरू होने वाली मीटिंग से पहले सोने-चांदी में आज गिरावट इसलिए देखी जा रही है क्योंकि इस बैठक में एक बार फिर फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में इजाफा करने की संभावना है। अगर ऐसा होता है तो डॉलर ऊपर जाएगा और कमोडिटी कीमतों में गिरावट देखी जाएगी। इसी कारण से ग्लोबल बाजार में आज गोल्ड-सिल्वर के रेट नीचे आ रहे हैं।

कॉमैक्स पर सोने के दाम

कॉमैक्स पर गोल्ड के दाम देखें तो आज ये 1. 50 डॉलर प्रति औंस की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है और 1,990. 70 डॉलर प्रति औंस पर बना हुआ है। ये 0. 08 फीसदी गिरकर इस समय रेड जोन में कारोबार कर रहा है और गिरावट पर है।

कॉमैक्स पर चांदी के दाम

कॉमैक्स पर चांदी के दाम देखें जाएं तो इस समय सिल्वर के रेट 0. 44 फीसदी की गिरावट के साथ 25. 120 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहे हैं।

दमदार नतीजों के बाद अदाणी ग्रीन शेयरों में लगा अपर सर्किट, चार गुना बढ़ा कंपनी का मुनाफा

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही के दमदार नतीजे पेश करने के बाद मंगलवार को अदाणी ग्रीन के शेयर में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा।

बीते सोमवार को अदाणी ग्रीन ने पिछले वित्त वर्ष की मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए थे, जिसमें कंपनी का मुनाफा चार गुना बढ़कर 507 करोड़ रुपये हो गया था। पिछले साल समान अवधि में कंपनी का मुनाफा 121 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी के इतिहास में किसी एक तिमाही में अब तक का दर्ज किया सबसे अधिक मुनाफा है। बाजार खुलने के दौरान करीब एक घंटे अपर सर्किट में रहने के बाद अदाणी ग्रीन के शेयर में बढ़त कम हो गई। खबर लिखे जाने तक दोपहर 12:10 बजे तक शेयर 3.56 प्रतिशत बढ़कर 984.90

रुपये पर कारोबार कर रहा है।

एक महीने में शेयर ने दिया 17.62 प्रतिशत का रिटर्न

अदाणी ग्रीन के शेयर में पिछले एक महीने से तेजी का ट्रेंड देखा जा रहा है और इस दौरान शेयर में 17.06 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले पांच कारोबारी सत्रों में शेयर ने 7.78 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

आय हुई दोगुनी

अदाणी ग्रीन के मुनाफे के साथ आय में भी बढ़ा उछाल देखने को मिला है। वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में कंपनी आय 2,988 करोड़ रुपये रही, जो कि पिछले साल समान अवधि में 1,587 करोड़ रुपये रही है।

वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का मुनाफा

पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का मुनाफा दोगुना होकर 973 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 2021-22 में 489 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी की कुल आय 8,633 करोड़ रुपये रही, जो कि वित्त वर्ष 2021-22 में 5,548 करोड़ रुपये थी।कंपनी के एमडी और सीईओ विनीत एस जैन ने बताया कि हमने 2,676 मेगावॉट की रिन्यूएबल क्षमता जोड़ी है। कंपनी पिछले पांच सालों में अपनी ऑपरेशनल क्षमता में 33 प्रतिशत की सीजीएआर से इजाफा करने में सफल रही है।

भारतीय मूल के एपल कर्मचारी को तीन साल की जेल

138 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का है आरोप

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। भारतीय मूल के एपल कर्मचारी धीरेंद्र प्रसाद को अमेरिका में तीन साल कैद की सजा सुनाई गई है। उसे कंपनी से 1.7 (लगभग 138 करोड़ रुपये) करोड़ डॉलर की चोरी करने के आरोप में लगभग 1.9 (लगभग 138 करोड़ रुपये) करोड़ डॉलर का भुगतान करने के लिए कहा गया है।अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यालय की ओर से जारी एक प्रेस बयान के अनुसार प्रसाद ने एपल पे का इस्तेमाल उन चीजों के लिए किया जो कंपनी को कभी नहीं मिलीं। प्रसाद ने 2008 से 2018 तक एपल की विश्वव्यापी सेवा आपूर्ति श्रृंखला में एक खरीदार के रूप में काम किया था। उन पर मार्च 2022 में गड़बड़ी के आरोप लगे थे और पिछले साल नवंबर में एपल को धोखा देने और संबंधित अपराधों की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था।अध्ययन के अनुसार प्रसाद ने रिश्वत लेने, पार्ट्स चुराने, चालान बनाने और फर्म्स को उन चीजों के लिए बिल देने की बात स्वीकार की, जो कभी डिलीवर नहीं किए गए। उन्होंने दो विक्रेता कंपनियों के मालिकों के साथ इन अपराधों में मिलीभगत करने और चकमा देने पर भी सहमति व्यक्त की।

नगदी के अभाव में गो फर्स्ट एयरलाइंस ने 3 और 4 मई को रद्द की अपनी उड़ानें

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। 3 और 4 मई को जिन हवाई यात्रियों ने गो फर्स्ट एयरलाइंस में टिकट बुक कराया हुआ है उन्हें भारी दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। गो फर्स्ट ने 3 और 4 मई को उड़ान भरने वाले फ्लाइट्स को रद्द कर दिया है। तेल कंपनियों के बकाये का भुगतान नहीं कर पाने के चलते एयरलाइंस ने ये फैसला किया है। एक ऑयल मार्केटिंग कंपनी के अधिकारी ने बताया कि गो फर्स्ट कैश एंड कैरी मोड पर ऑपरेट कर रहा है। यानि एयरलाइंस को हर दिन के हिसाब से जितनी उड़ान भरनी है उसके मुताबिक हवाई ईंधन के लिए भुगतान करना पड़ता है। एयरलाइंस इस बात पर सहमत है कि भुगतान नहीं किए जाने पर वेंडर बिजनेस को बंद कर सकता है।

छंटनी पर बोले वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल

कंपनियों को रखना चाहिए अपने कर्मचारियों का ध्यान

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। वेदांता के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने सोमवार को लिंक्डइन पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि वैश्विक छंटनी, विशेष रूप से टेक उद्योग में, 2023 में बेरोकटोक जारी है, ऐसे में कंपनियों को अपने कर्मचारियों की देखभाल करनी चाहिए क्योंकि वे केवल अपने व्यवसाय का ध्यान रखेंगे। उन्होंने उस समय को याद किया जब वेदांता ने पहली बार हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) का अधिग्रहण किया था। उन्होंने कहा, वैश्विक छंटनी के इस अनिश्चित समय में, मुझे एक कहानी याद आ रही है जो हमेशा मेरे साथ रहेगी - आशा, एकता और लोगों में विश्वास करने की शक्ति। जब हमने पहली बार एचजेडएल का अधिग्रहण किया, तो मशीनों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, हमने अपना ध्यान उन लोगों पर केंद्रित करना चुना जिन्होंने इस कंपनी को बनाया था।

आईटी स्टॉक्स में खरीदारी के चलते मई महीने के पहले सत्र में शानदार तेजी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। लंबी छुट्टी के बाद मई महीने के पहले कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार के लिए शानदार रहा है। निवेशकों की खरीदारी की बदौलत बाजार तेजी के साथ बंद हुआ है।

आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 242 अंकों के उछाल के साथ 62,353 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 82 अंकों के उछाल के साथ 18,147 अंकों पर बंद हुआ है। आज के ट्रेड में बैंकिंग, आईटी, ऑटो, मेटल्स, एनर्जी, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर शानदार तेजी के साथ बंद हुए। मिडकैप और स्मॉल कैप शेयरों में भी जबरदस्त खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 0.97 फीसदी या 307 अंकों के उछाल के साथ बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 16 शेयर तेजी के साथ और 14 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 31 शेयर तेजी के साथ और 19 गिरावट के साथ बंद हुए। रेलवे स्टॉक्स में आज के ट्रेड में शानदार तेजी रही। आज के ट्रेड में टेक महिंद्रा 2. 92 फीसदी, एनटीपीसी 2.56 फईसदी, टाटा स्टील 2. 22 फीसदी, मारुति सुजुकी 2. 14 फीसदी, इंफोसिस 2 फीसदी, पावर ग्रिड 1.37 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.23 फीसदी, रिलायंस 0. 86 फीसदी, टाइटन कंपनी 0. 86 फीसदी विप्रो 0. 83 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। गिरने वाले शेयरों पर नजर डालें तो सन फार्मा 1. 45 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1. 28 फीसदी, भारती एयरटेल 1. 11 फीसदी, टाटा मोटर्स 1. 01 फीसदी, कोटक महिंद्रा 0. 89 फीसदी, बजाज फाइनैंस 0. 51 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। शेयर बाजार में शानदार तेजी की बदौलत में निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिली है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनी का मार्केट कैपिटलाईजेशन बढ़कर 271. 82 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो इसके पहले ट्रेडिंग सत्र में 271.71 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ था।

नोएडा में एचडीएफसी बैंक ने 18 साल के लिए लिया ऑफिस

मंथली किराया 1.47 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। एचडीएफसी बैंक ने नोएडा में एक बड़ा सा ऑफिस लीज पर लिया है, जिसका साइज 2.17 लाख स्क्वायर फीट है। इसे 18 साल के लिए लीज पर लिया गया है। सीआरई मैट्रिक्स डाटा के मुताबिक, इसका मंथली किराया 1. 47 करोड़ रुपये से शुरू हो रहा है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, प्राइवेट सेक्टर के प्रमुख बैंक ने ग्राउंड फ्लोर से लेकर 5th फ्लोर और 7th से लेकर 15th फ्लोर तक बिल्डिंग को किराए पर लिया है। यह एसीई कैपिटोल में लिया गया है, जो टॉवर 1 सेक्टर- 132, नोएडा में है। बैंक ने ये बिल्डिंग मैंगो इंफ्राटेक सॉल्यूशन एलएलपी से लीज पर ली है, जो एसीई समूह की सहायक कंपनी है। दस्तावेजों के मुताबिक, इस मकान को 18 साल के लिए लीज पर दिया गया है। यह 15 मई 2023 से लेकर 14 मई 2041 तक लीज पर लिया गया है। जानकारी के अनुसार, बैंक ने 8. 87 करोड़ रुपये की सुरक्षा राशि भुगतान किया है। इस लीज में 376 कार पार्किंग स्लॉट को फ्री में दिया गया है। बैंक ने 24 मार्च 2023 को ये रजिस्ट्रेशन पूरा किया है। दोनों के बीच हुई डील में तीन साल में 15 फीसदी किराए में बढ़ोतरी भी शामिल है। चौथे वर्ष से छठे वर्ष तक मासिक किराए में 1 रुपये प्रति वर्ग फुट कारपेट क्षेत्र की वृद्धि और सातवें वर्ष से प्रत्येक तीन वर्षों के लिए 15 प्रतिशत की वृद्धि होगी। पिछले साल एचडीएफसी बैंक ने नवी मुंबई के ऐरोली इलाके में के रहेजा कॉर्प बेस्ड माइंडस्पेस बिजनेस पाक्स आरईआईटी के बिजनेस पार्क में 10 साल के लिए 2. 5 लाख वर्ग फुट से ज्यादा ऑफिस स्पेस लीज पर लिया था। मनीकंट्रोल के मेल का एचडीएफसी बैंक और एसीई ग्रुप की ओर से कोई जवाब नहीं आया है।

4 महीने के हाई पर बेरोजगारी दर

अप्रैल में ये बढ़कर 8.11% पर पहुंची, शहरों में गांवों से ज्यादा हालत खराब

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। भारत में बेरोजगारी दर में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक अप्रैल में ये बढ़कर 8.11% पर पहुंच गई है। इससे पहले मार्च में बेरोजगारी दर 7.80% पर थी। वहीं फरवरी में ये 7.45% रही थी।अप्रैल में शहरी बेरोजगारी 8.51% से बढ़कर 9.81% हो गई।

हालांकि अप्रैल में ग्रामीण बेरोजगारी में मामूली गिरावट देखने को मिली है। यह 7.34% हो गई, जो एक महीने पहले 7.47% थी। रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल महीने में लगभग 87% लोग अपना रोजगार सुरक्षित रखने में सफल रहे। इसका कारण है कि इस महीने में अतिरिक्त 2.21 करोड़ नई नौकरियां आईं। इसके अलावा अप्रैल में 2.5 करोड़ लेवर फोर्स बढ़ी है। इसके बाद देश में कुल लेवर फोर्स 46.7 करोड़ पर पहुंच गई है।

बीते साल यानी 2022 में 3 बार बेरोजगारी दर 8% के पार निकली थी। फरवरी में ये 8.10%, अगस्त में 8.28%, नवंबर में 8.03% और दिसंबर में 8.30% रही थी। वहीं सबसे कम बेरोजगारी सितंबर में थी। तब बेरोजगारी दर 6.43% पर आ गई थी। मई 2021 में बेरोजगारी दर 11.84% पर पहुंच गई थी। हालांकि इसके बाद इसमें गिरावट देखने को मिली थी।दिसंबर में बेरोजगारी दर 8.11% रहने का मतलब यह है कि काम करने को तैयार हर 1000 वर्कर में से 81 को काम नहीं मिल पाया। सीएमआईई हर महीने 15 से अधिक उम्र के लोगों का घर-घर जाकर सर्वे करता है और उनसे रोजगार की स्थिति की जानकारी लेता है। इसके बाद जो परिणाम मिलते हैं उनसे रिपोर्ट तैयार की जाती है।सीएमआईई के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था की सेहत को बेरोजगारी दर सही तरह से दर्शाती है, क्योंकि यह देश की कुल जनसंख्या में कितने बेरोजगार हैं, इसको बताती है। थिंक टैंक को उम्मीद है कि रबी फसल की बुआई की शुरुआत में तेजी देखने को मिल सकती है। इसका मतलब है कि चालू वित्त वर्ष में एग्री सेक्टर एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करेगा। इससे प्रवासी मजदूर खेतों की ओर वापसी करेंगे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष में	मेष--	04-52 बजे
चंद्र-	कन्या में	वृष--	06-36 बजे
मंगल	मिथुन में	मिथुन..	08-36 बजे
बुध-	मेष में	कर्क...	10-49 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	13-00 बजे
शुक्र-	मिथुन में	कन्या..	15-07 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	17-13 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	19-23 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	21-36 बजे
		मकर..	23-43 बजे
		कुंभ...	01-33 बजे
		मीन ..	03-11 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- **ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि- **432000** सूर्योदय- 05-53 सूर्य अस्त- 18-33
भोग्य कलि वर्ष- **426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- **1955885124**
दिशाशूल .. उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - **23 -49** तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष , बुधवार **May 03**
नक्षत्र - हस्त - **20- 56** - तक उपरान्त चित्रा
योग - हर्षण - **11 - 26** - तक उप - वज्र
करण- कौलव **-10 - 38** - तक उप- तैतिल
विशेष:- प्रदोष व्रत-उपवास
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग- **06-03** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:13 से 13:49 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05:53 - 07:26 शुभ	उत्पात	18:33 - 19:59 अशुभ
अमृत	07:26 - 09:02 शुभ	शुभ.	19:59 - 21:24 शुभ
काल	09:02 - 10:37 अशुभ	अमृत	21:24 - 22:49 शुभ
शुभ	10:37 - 12:13 शुभ	चंचल	22:49 - 00:13 शुभ
रोग	12:13 - 13:49 अशुभ	रोग	00:13 - 01:37 अशुभ
उत्पात	13:49 - 15:24 अशुभ	काल	01:37 - 03:01 अशुभ
चंचल	15:24 - 17:00 शुभ	लाभ	03:01 - 04:26 शुभ
लाभ	17:00 - 18:33 शुभ	उत्पात	04:26 - 05:53 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अप्रत्याशित यात्रा थका देने वाली हो सकती है जो आपको उन्मादी बना सकती है। मांसपेशियों को आराम देने के लिए तेल से शरीर की मालिश करें, धन को निश्चित रूप से बढ़ावा मिलेगा- लेकिन साथ ही ख़र्चे भी बढ़ेंगे। कुछ लोग क्षमता से अधिक वादे करने की प्रवृत्ति रखते हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपका सबसे प्रिय सपना साकार होगा। लेकिन अपनी उत्तेजना को क़ाबू में रखें क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी कुछ परेशानी खड़ी कर सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार से आपको आवश्यक वस्तुओं की ख़रीदारी में आसानी होगी। ऐसे लोगों से दूर रहें जो आपको बुरी आदतों से प्रभावित कर सकते हैं।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

अपने वजन पर नजर रखें और ज्यादा खाने से बचें। आर्थिक स्थिति में सुधार निश्चित है। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज-मस्ती करेंगे। किसी को खुद को प्यार में सफल होने की कल्पना करने में मदद करें। वेतन में वृद्धि से आपका उत्साह बढ़ सकता है। अब समय आ गया है कि आप अपनी सभी निराशाओं और शिकायतों को दूर कर लें।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

अपने अप्रत्याशित स्वभाव को अपने वैवाहिक संबंधों को खराब न करने दें। इससे बचने का प्रयास करें अन्यथा बाद में पछताना पड़ सकता है। मनोरंजन और भोग विलास पर अधिक खर्च न करें। भावनात्मक आश्वासन चाहने वालों को अपने बुजुर्ग उनकी मदद के लिए आ सकते हैं।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

गैस की समस्या वाले रोगियों को तैलीय और वसायुक्त आहार से बचना चाहिए क्योंकि इससे उनकी बीमारी बढ़ सकती है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कुछ महत्वपूर्ण कार्य रुकेंगे। युवा स्कूल परियोजनाओं पर कुछ सलाह ले सकते हैं। कुछ गलतफहमियों के कारण आज आपके प्रेमी के साथ आपके रिश्ते खराब हो सकते हैं।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

किसी संकट में पड़े व्यक्ति की मदद के लिए अपनी ऊर्जा का उपयोग करें। स्मरण रहे- इस नाशवान शरीर का क्या उपयोग यदि इसका उपयोग दूसरों के हित के लिए न हो। बैंक डीलिंग को बहुत सावधानी से संभालने की जरूरत है। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता पुरस्कार लाएगी।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

अनावश्यक सोच में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें बल्कि इसे सही दिशा में उपयोग करें। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ाएगा। आपके बच्चे आपको खुश रखने की पूरी कोशिश करेंगे। प्यार में अपने रूखे व्यवहार के लिए क्षमा मांगें।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

आज आप काफी सक्रिय और फुर्तीले रहेंगे। आपकी सेहत आज आपका पूरा साथ देगी। अगर आप अपने पत्ते अच्छी तरह से खेलते हैं तो आज आप कुछ अतिरिक्त पैसा कमाएंगे। सावधान रहें कि आप जिस किसी के साथ रह रहे हैं, उसके साथ बहस न करें- अगर कोई विवाद है तो उसे सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझा लें।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

प्रेम आशा विश्वास सहानुभूति आशावाद और वफादारी जैसी सकारात्मक भावनाओं के प्रति ग्रहणशील होने के लिए अपने मन को प्रोत्साहित करें। एक बार जब ये भावनाएँ पूरी तरह से नियंत्रित हो जाती हैं- तो मन स्वचालित रूप से हर स्थिति के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया देता है।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

अपने निराशावादी रवैये के कारण आप कोई प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। आपके लिए यह महसूस करने का सही समय है कि चिंता ने आपकी सोचने की शक्ति को मंद कर दिया है। उज्जवल पक्ष को देखें और आप अपने विवेक में एक निश्चित परिवर्तन देखेंगे। अपने गुस्से पर काबू रखें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

उन पुरुषों की तरह व्यवहार न करें जो अपने सपनों को साकार करने और अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए अपने घर और स्वास्थ्य को त्याग देते हैं। परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने से आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि इस समय आपको पैसों से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

लंबी यात्रा पर जाने की आपकी योजना के अनुसार आपकी स्वास्थ्य और ऊर्जा संरक्षण की आदत आपको अत्यधिक लाभान्वित करेगी। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद आप थकान को आसानी से दूर कर लेंगे। इस राशि के कुछ बेरोजगार जातकों को आज नौकरी मिल सकती है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

'द केरल स्टोरी' फिल्म की असली कहानी

हजारों हिंदू लड़कियों को मुसलमान बनाकर सीरिया भेजने की बात कहां से आई

तिरुअनंतपुरम, 2 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'द केरल स्टोरी' फिल्म अपनी कहानी और दावों को लेकर चर्चा में है। 26 अप्रैल को इसका ट्रेलर रिलीज हुआ। फिल्म 4 युवतियों की जिंदगी पर बेस्ड है। 2 मिनट 45 सेकेंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे कॉलेज जाने वाली 4 युवतियां एक आतंकी संगठन से जुड़ जाती हैं।

ट्रेलर की शुरुआत केरल की हिंदू लड़की शालिनी उन्नीकृष्णन के परिचय से शुरू होती है, जिसमें वो आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़ने की पूरी कहानी बता रही है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे एक गिरोह केरल की युवतियों का ब्रेनवॉश करके धर्म परिवर्तन कराता है और फिर आतंकी संगठन आईएसआईएस का हिस्सा बना देता है। इसके लिए कभी फिजिकल रिलेशन तो कभी धार्मिक मान्यताओं को टूल की तरह इस्तेमाल किया जाता है।

ये तो हो गई ट्रेलर की बात। एक मुस्लिम संगठन ने 'द केरल स्टोरी' फिल्म में लगाए गए आरोपों को साबित करने पर 1 करोड़ रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। 5 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म पर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से लेकर शशि थरूर तक ने सवाल खड़े किए हैं। अब सवाल है कि फिल्म में जो दावे किए गए हैं वो सच हैं या झूठ।

'द केरल स्टोरी' में दिखाया गया है कि प्रेम के जाल में फंसाकर बड़े पैमाने पर लड़कियों को मुसलमान बनाया जा रहा है। क्या केरल में वाकई 'लव जिहाद' हो रहा है? बता दें कि 2009 में केरल और कर्नाटक हाईकोर्ट में दो मामले पहुंचे, जिसके बाद लव जिहाद चर्चा में आया। दोनों मामलों में लड़की के पिता ने आरोप लगाया था कि उनकी बेटी का अपहरण करके मुस्लिम युवकों के साथ शादी करने को मजबूर किया गया।

पहला मामला: केरल हाईकोर्ट के जस्टिस केटी शंकरन ने कहा कि यह जगजाहिर है कि लव जिहाद या रोमियो जिहाद के नाम से एक आंदोलन चलाया जा रहा है। उन्होंने केरल के डीजीपी से कई सवालों के जवाब में एक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। कुछ प्रमुख सवाल थे।

क्या देश में कोई ऐसा आंदोलन चल रहा है? भारत और विदेशों के कौन से संगठन इसमें शामिल हैं? इस आंदोलन की फंडिंग कैसे की जा रही है? क्या यह पूरे भारत में चल रहा है? पिछले 3 साल में कितने स्टूडेंट धर्म परिवर्तन कर मुस्लिम बन गए? क्या लव जिहाद, जालसाजी, तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों के बीच कोई संबंध है।

दूसरा मामला: कर्नाटक हाईकोर्ट में सी सेल्वराज ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी सिल्जा राज को एक मुस्लिम लड़के ने अगवा कर लिया और कामराजनगर से केरल ले गया। वहां उसे मदरसे में इस्लाम का पाठ पढ़ाया गया और धर्म परिवर्तन कराने के बाद शादी कर दी गई। इसके बाद सिल्जा राज सामने आती हैं और अदालत से कहती हैं कि उन्होंने अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन किया और शादी की। इसके बाद कोर्ट ने लव जिहाद आंदोलन की जांच के लिए कर्नाटक के डीजीपी की नेतृत्व में एसआईटी बनाई।

दोनों मामलों में कहा गया 'लव जिहाद' निराधार

कर्नाटक में गठित एसआईटी की रिपोर्ट में कहा गया कि 24 टीमों को कर्नाटक के सभी जिलों में भेजा गया, लेकिन लव जिहाद का कोई सबूत नहीं मिला। एसआईटी ने बताया कि सिल्जा राज का धर्म परिवर्तन के बाद निकाह करना लव जिहाद नहीं था। इसके बाद कर्नाटक हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि सिल्जा अपने पति के साथ रह सकती हैं और जहां चाहे वहां जा सकती हैं।

केरल के डीजीपी जैकब पुन्नोस ने 18 अक्टूबर 2009 को कोर्ट में हलफनामा दायर किया। इसमें सभी जिलों के एसपी की 14 रिपोर्ट और राज्य सीआईडी, पुलिस इंटेलिजेंस, स्पेशल सेल और क्राइम ब्रांच के प्रमुखों की चार रिपोर्ट शामिल थीं। इसमें केरल हाईकोर्ट की ओर से पूछे गए सभी सवालों का जवाब नहीं में दिया गया। यानी लव जिहाद जैसा कोई आंदोलन नहीं चल रहा है और न ही इसके पीछे कोई साजिश है। साथ ही कहा गया कि पिछले 3 साल में पहली बार ऐसा मामला सामने आया है।

डीजीपी ने इस रिपोर्ट में कहा कि इस तरह के आरोपों के कोई ठोस उदाहरण मौजूद नहीं है। हालांकि कुछ सोर्सेज से मिली जानकारी और आरोपों में लव जिहाद की बातें कही गई हैं। पुलिस की इंटेलिजेंस सेल सभी स्कूलों और कॉलेजों पर निगरानी रखेगी और ऐसे मामलों में सख्ती से निपटेगी।

जस्टिस केटी शंकरन ने 26 अक्टूबर 2009 को शहंशाह और सिराजुद्दीन को अपनी अग्रिम जमानत याचिका वापस लेने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। डीजीपी को सभी 18 रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में देने का निर्देश दिया। साथ ही यह बताने के लिए कहा कि वह मामले को

बंद करने के इच्छुक क्यों हैं, जबकि कई सोर्स ने ऐसा होने की बात कही है और कई आरोप भी सामने आए हैं? कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक हलफनामा दाखिल करने का भी निर्देश दिया। 9 नवंबर 2009 को केरल के डीजीपी 18 रिपोर्ट सौंपते हुए एक हलफनामा दायर करते हैं। इसमें बताया गया कि सोर्स द्वारा दी गई जानकारी और जो आरोप लगाए गए उनके समर्थन में आपराधिक गतिविधि या संगठन के शामिल होने के कोई सबूत नहीं मिले।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी 1 दिसंबर 2009 को हाईकोर्ट में हलफनामा दायर कर बताया कि देश में कोई लव जिहाद आंदोलन या संगठन अस्तित्व में नहीं है। इसके बाद जस्टिस शंकरन 9 दिसंबर 2009 को अपने लंबे फैसले में जिला एसपी द्वारा दायर सभी 14 रिपोर्टों को खारिज कर देते हैं। साथ ही कहते हैं कि यह स्पष्ट है कि विशेष धर्मों से संबंधित लड़कियों को दूसरे धर्म में धकेलने का प्रयास किया जा रहा है। यह भी स्पष्ट है कि रिपोर्ट में दर्ज कुछ संगठनों की शह पर ऐसा किया जा रहा है। इसके साथ ही कोर्ट ने शहंशाह और सिराजुद्दीन को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया।

हालांकि एक हफ्ते बाद ही जस्टिस एम शशिधरन नांबियार ने शहंशाह और सिराजुद्दीन के अभियोजन पर रोक लगा दी। जस्टिस नांबियार ने इसके बाद तिरुवनंतपुरम और एर्नाकुलम के जिला जज से मामले में डिटेल में रिपोर्ट मांगी। दोनों जिला जज की रिपोर्ट में लव जिहाद या धर्मांतरण की साजिश का कोई सबूत नहीं था। इसके बाद जस्टिस नांबियार ने 10 दिसंबर 2010 को शहंशाह और सिराजुद्दीन के खिलाफ एफआईआर को रद्द करते हुए उन्हें बरी कर दिया।

साल 2016 में केरल में लव जिहाद एक बार फिर चर्चा में आया। वैकोम शहर में होम्योपैथी में पोस्ट ग्रेजुएशन कर रही 25 साल की अखिला धर्मपरिवर्तन करके मुस्लिम बन जाती है और अपना नाम हदिया रख लेती है। साथ ही अपने पेरेंट्स को बिना बताए शफीन नाम के मुस्लिम लड़के से शादी कर लेती है। लड़की के पिता एम अशोकन इसे लव जिहाद का मामला बताते हैं और 2016 में केरल हाईकोर्ट में हैबियस कॉर्पस याचिका दायर करते हैं। वह आरोप लगाते हैं कि उनकी बेटी का जबर्दस्ती धर्म बदलवाकर उसकी शादी करा दी गई है और वो गायब है। लड़की के पिता की याचिका पर पर केरल हाईकोर्ट ने 24 मई 2017 को यह शादी रद्द कर दी। साथ ही हदिया को उसके माता-पिता के पास रहने का आदेश दिया। इसके बाद शफीन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने लड़की के पिता को उसे पेश करने का आदेश दिया।

इसके बाद हदिया ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया। इसमें कहा गया था कि वह मुस्लिम है और मुस्लिम ही बनी रहना चाहती है। उसने यह भी कहा है कि वह शफीन जहां की पत्नी ही बनी रहना चाहती है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का ऑर्डर रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि हदिया और शफीन पति-पत्नी की तरह रह सकेंगे। साथ ही कोर्ट ने एनआईए को लव जिहाद की साजिश की जांच जारी रखने का आदेश दिया। 18 अक्टूबर 2018 को हिन्दुस्तान टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि एनआईए ने केरल में लव जिहाद मामले की जांच बंद कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एनआईए ने केरल में दूसरे धर्म में हुई 11 शादियों की जांच की थी। एजेंसी ने पाया कि इसमें किसी भी मामले में यह नहीं पाया गया कि युवक या युवती को जबरदस्ती धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया हो। यानी अब तक देश में लव जिहाद के कोई पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं।

'द केरल स्टोरी' फिल्म के टीजर में दावा किया गया है कि केरल में 32,000 से ज्यादा लड़कियां गायब हुई हैं। ट्रेलर में भी हजारों लड़कियों के धर्म परिवर्तन के बाद आईएसआईएस जॉइन करने की बात कही गई है। इस दावे में कितनी सच्चाई है? टाइम्स ऑफ इंडिया ने 15 जुलाई 2016 को केरल की इंटेलिजेंस रिपोर्ट के हवाले से बताया कि कोझिकोड और मलप्पुरम में 2 मान्यता प्राप्त रिलीजियस कन्वर्जन सेंटर में 2011 से 2015 के बीच 5,793 लोगों ने इस्लाम धर्म अपनाया। रिपोर्ट में सरकार अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया कि गैर मान्यता प्राप्त केंद्रों में होने वाले धर्म परिवर्तनों की संख्या काफी ज्यादा हो सकती है।

रिपोर्ट में बताया गया इस्लाम धर्म को अपनाने वाले लोगों में लगभग आधी महिलाएं हैं। साथ ही इनमें से अधिकांश महिलाएं यानी 76% 35 साल से कम उम्र की हैं। जिन लोगों ने धर्म परिवर्तन किया उनमें 4,719 हिंदू थे और 1,074 ईसाई थे। 25 जून 2012 को केरल के मुख्यमंत्री ओमन चांडी ने राज्य की विधानसभा में बताया था कि 2006 से 2,667 लड़कियों ने इस्लाम धर्म अपनाया है।

सुरक्षा एजेंसियों का अनुमान है कि केरल के करीब 100-120 लोग या तो आईएसआईएस में शामिल हो गए या शामिल होने की कोशिश की। उनमें से कुछ मध्य पूर्व से सीरिया या अफगानिस्तान गए, वहां पर वह आईएसआईएस के लिए काम करने लगे। इनमें से कई मारे गए। वहीं अगस्त 2019 में मलप्पुरम के एक इंजीनियरिंग छात्र मोहम्मद मुहसिन के परिवार को एक संदेश मिला कि उनका इकलौता बेटा अफगानिस्तान में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया है। 2014-15 में सुरक्षा एजेंसियों ने 17 भारतीयों की पहचान की, जिन पर आईएसआईएस में शामिल होने का संदेह था। उनमें से तीन केरल से थे। ये लोग मिडिल ईस्ट में काम कर रहे थे और 2013-14 में सीरिया चले गए। मई-जून 2016 में महिलाओं और बच्चों समेत केरल के करीब दो दर्जन लोग आईएसआईएस में शामिल होने के लिए गए। जांच में आईएसआईएस के कासरगोड मॉड्यूल का पता लगा। जो लोग गायब हुए, उनमें से ज्यादातर उसी जिले के थे। यानी केरल में धर्म परिवर्तन और आईएसआईएस में शामिल होने के मामले तो हैं, लेकिन ये गिनती के हैं। हजारों या 32 हजार तो बिल्कुल नहीं।

केरल की 4 महिलाएं अपने पति के साथ 2016-18 में अफगानिस्तान के नंगरहार पहुंची थीं। उनके पति अफगानिस्तान में अलग-अलग हमलों में मारे गए थे। ये महिलाएं आईएसआईएस के उन हजारों लड़ाकों में शामिल थीं, जिन्होंने नवंबर और दिसंबर 2019 में अफगानिस्तान के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था।

साल 2021 में भारत सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि इन चारों महिलाओं को भारत आने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

केरल हाईकोर्ट को 2009 में दिए अपने हलफनामे में केंद्र सरकार ने बताया कि लव जिहाद को लेकर देश में कोई संगठित गिरोह नहीं है। वहीं केरल से आईएसआईएस में भर्ती कराने के पीछे 3 बड़े मॉड्यूल के सक्रिय होने की बात सामने आई है। इसमें कासरगोड मॉड्यूल, कन्नूर मॉड्यूल और द उमर-अल-हिंद मॉड्यूल का पता लगा।

'न जल, न जीवन' मिशन

जीपीएम में 328 करोड़ की लागत से 74 हजार घरों में नल लगे, फिर भी साल भर से 222 गांव प्यासे

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 2 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिले में केंद्र सरकार की हर घर तक पानी पहुंचाने की योजना जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने 327 करोड़ 91 लाख की लागत से 222 गांवों के 74 हजार 838 घरों ने नल लगाए, पर साल भर बीतने के बाद भी इनमें पानी नहीं आया। खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर गांव आदिवासियों के हैं। कलेक्टर ऋषि महोबिया भी इसमें अनियमितता की बात स्वीकार करती हैं। हालांकि वह इसे दुरुस्त कराने की बात कहती हैं।

ठोड़ी का गंदा पानी पी रहे लोग

गौरेला की आदिवासी ग्राम पंचायत टीडी में साल भर पहले ही लोगों के घरों में नल कनेक्शन पहुंच गया था। हालांकि इन नलों से पानी अभी तक नहीं आया। इसके चलते यहां के ग्रामीण आज भी पेयजल के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वे ठोड़ी से गंदा पानी लेकर आते हैं और उसे पीने के लिए मजबूर हैं। यही स्थिति पुटा ग्राम पंचायत के टीडी गांव में भी हैं। गांव की संतरा बाई बताती हैं कि, नल कलेक्शन तो लगा है, पर

पानी डेढ़ सालों में आज तक नहीं मिला। ऐसे ही हालात करंगरा सहित अन्य गांवों में भी हैं।

नलों में पानी आया नहीं, हैंडपंप में भी मोटर लगा दी

विशेष जनजाति बैगा बाहुल्य करंगरा गांव में जल जीवन मिशन के तहत लगाए गए नलों से आज तक पानी नहीं आया है। आता भी है तो बस उस नल से जो टंकी के ही नीचे लगाया गया है। ग्रामीण बताते हैं कि गांव में जिस हैंडपंप से लोगों को पहले पानी मिलता था, उसमें भी ठेकेदार ने मोटर फिट करवा दी। दूरस्थ इलाका होने के कारण कई बार घंटों बिजली नहीं रहती। लाल जी बैगा बतला रहे है कि हैंडपंप से पानी ले आते थे, उंसमें भी मशीन डाल दी। अब बिजली बंद तो पानी नहीं मिलता। इसके चलते दूर से पानी लाना पड़ता है।

पेयजल लाइन जमीन के नीचे की जगह ऊपर ही बिछाई गई

योजना के तहत ठेकेदारों की लापरवाही का खामियाजा ग्रामीण भुगत रहे हैं। ठेकेदारों ने पेयजल लाइन को जमीन के तीन फीट नीचे डालने की जगह, ऊपर से ही बिछा दिया। इसके कारण जगह-जगह से पेयजल लाइन फूट गई है। इसके कारण भी पानी नहीं आता। कई गांवों में पानी की टंकी को ही नीचे लगा दिया गया है। करंगरा गांव में रहने वाले अमर साए बैगा बताते हैं कि, नल काफी ऊपर है, इसके कारण भी पानी नहीं आता है। हालांकि इसके लिए अफसर भी जिम्मेदार हैं, जिन्होंने जांच तक नहीं की।

जिला मुख्यालय से करीब 15 किमी दूर मरवाही ब्लॉक का महोरा गांव। यहां पेय जल की समस्या सालों से है। ठेकेदारों ने पानी की टंकी बनाई और हर घर में नल लगाया। काम विभाग के इंजीनियर, एसडीओ और ईई की निगरानी में हुआ। नतीजा स्कूल परिसर में बनाई गई इस टंकी को गुणवत्ताहीन बताते हुए तोड़ने का आदेश अफसरों ने कर दिया। उसमें भी लापरवाही बरती गई। ऊपरी हिस्सा तोड़कर उसे छोड़ दिया गया। स्थानीय ग्रामीण कहते हैं कि टंकी के इस्तेमाल के बाद हादसा हो सकता था, अब भी ऐसी ही स्थिति है।

दरंगा फील्ड फायरिंग रेंज में धमाका

हिमाचल प्रदेश का एक जवान शहीद, सेना ने दिए जांच के आदेश

तामुलपुर, 2 मई (एजेंसियां)। असम के तामुलपुर में दररंगा फील्ड फायरिंग रेंज में ब्लास्ट के कारण एक जवान शहीद हो गया। शिल्पकार संदीप कुमार रेंज में सेंट्री ड्यूटी के दौरान ब्लास्ट में घायल हो गए थे। रक्षा प्रवक्ता ने कहा- वह (कुमार) विस्पोट में गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस विस्फोट के बाद रेजिमेंट के मेडिकल अफसर से उसे तुरंत चिकित्सकीय सहायता प्रदान की गई थी। उसे गुवाहटी के बेस अस्पताल में दाखिल किया गया, जहां उसने अपनी चोट के सामने घुटने टेक दिए। घटना की सच्चाई जानने के लिए जांच के आदेश दिए गए हैं। कुमार हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले का रहने वाला था। उसके घर में उसकी पत्नी और एक साल का एक बेटा है।

प्रवक्ता ने कहा- भारतीय सेना कुमार की मृत्यु पर शोक व्यक्त करती है और उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

अब दक्षिण में भी नजर आएगा गर्मी का प्रकोप!

इन वजहों से आ रहे हैं भारत के मौसम में बदलाव

हैदराबाद, 2 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। इस साल गर्मी के शुरुआती के दो माह मार्च और अप्रैल लगातार पश्चिमी विक्षोभ का कारण ठंडे रहे हैं। लेकिन आने वाले दिनों में प्रचंड गर्मी लोगों का हाल बेहाल कर देगी। आने वाले एक या दिन के बाद मौसम पूरी तरह से खुल जाएगा। तापमान बढ़ने के आसार नजर आ रहे हैं। मौसम का बदलता मिजाज और मार्च-अप्रैल में बारिश होने के बाद लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि गर्मी के सीजन में बारिश क्यों हो रही है। आइए जानते है कि आखिरी किन कारणों का असर भारत के मौसम पर नजर आ रहा है। मौसम विभाग ने हाल ही में जानकारी दी है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण पिछले 30 वर्षों में देश के गर्मी वाले क्षेत्रों में हीटवेव की आवृत्ति और अवधि लगभग 2.5 दिन बढ़ गई है। जबकि इसी दौरान शीत लहर की अवधि और आवृत्ति कम हुई है। सामान्य शब्दों में कहें तो साल दर साल धरती गर्म होती जा रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के हालिया शोध पत्र से पता चलता है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते पिछले 30 वर्ष में देश में गर्मी से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में भीषण गर्मी और लू की लपट और इनकी अवधि में लगभग 2.5 दिनों की वृद्धि हुई है। जबकि इसी दौरान न्यूनतम तापमान में वृद्धि के कारण शीत लहरों की आवृत्ति और अवधि में कमी देखी जा रही है।

'मेटियोरोलॉजिकल मोनोग्राफ: हीट एंड कोल्ड वेव्स इन इंडिया:

प्रोसेस एंड प्रिडिक्टिबिलिटी' नाम शोध पत्र में विस्तार से बताया गया है कि लू की लपट, उनकी अवधि और उनकी अधिकतम अवधि बढ़ रही है, जो ग्लोबल वार्मिंग के कारण हैं।' गर्मी की लहरें, आमतौर पर मध्य और उत्तर-पश्चिमी भारत और आंध्र प्रदेश-ओडिशा के तटीय क्षेत्रों में मार्च से जून की अवधि में महसूस की जाती हैं। लेकिन अभी तटीय क्षेत्रों में गर्मी की लहरों की आवृत्ति, उत्तरी भारत की तुलना में थोड़ी कम है। लेकिन शोध पत्र में यह भी कहा गया कि गर्मी की लहरें दक्षिण भारत में भी फैल सकती हैं, जहां फिलहाल गर्मी की लहरें नहीं हैं। इस रिसर्च में मौसम विज्ञान विभाग ने भारतीय परिस्थितियों के हिसाब से तापमान और आर्द्रता में वृद्धि के चलते इसके स्वास्थ्य प्रभावों पर व्यवस्थित तरीके से शोध शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। इसमें कहा गया है, हमें गर्मी और शीत लहरों के लिहाज से विभिन्न तैयारी को सक्रियता से लागू करने के लिए साक्ष्य-आधारित सीमा स्थापित करने की आवश्यकता है। भीषण गर्मी और लू के प्रभाव और अनुकूलन पर विभिन्न एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाने की मांग करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि यह सही समय है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग भारतीय परिस्थितियों के लिए तापमान और आर्द्रता में वृद्धि से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को देखते हुए व्यवस्थित शोध शुरू करे।

रांची सहित कई इलाकों में येलो अलर्ट

रांची, 2 मई (एजेंसियां)। झारखंड में अभी मौसम का मिजाज बदला रहेगा। आज सुबह से राजधानी रांची में बादल छाए हुए हैं। आज भी मौसम विभाग ने बारिश की संभावना जाहिर की है। पिछले 24 घंटे में राज्य के कई हिस्से में गर्जन के साथ मध्यम दर्जे की बारिश हुई है। आज भी राज्य के कई हिस्सों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बदलते मौसम की वजह से राज्य के कई हिस्सों के तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है। मई के महीने में जहां प्रचंड गर्मी पड़ती है वहीं लोग इस मौसम का मजा ले रहे हैं। शाम होते ही राज्य के कई इलाकों में हल्की ठंडक मौसम का सुहाना बना रही है। मौसम विभाग ने आज भी बारिश की संभावना जाहिर करते हुए वज्रपात को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है। साहिबगंज में वज्रपात से हुई बच्चों की मौत के बाद मौसम विभाग भी अलर्ट है और लगातार वज्रपात को लेकर चेतावनी जारी कर रहा है। आज राज्य के कई हिस्सों में सतही हवाएं भी देखी जा सकती है. इस मौसम को देखते हुए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क किया है। झारखंड में बीते दिनों मौसम में काफी बदलाव देखा गया है। सोमवार को कई जगह गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। राजधानी रांची सहित राज्य के कई हिस्सों में अभी मौसम ने गर्मी से बड़ी राहत दे रखी है।

नक्सलियों ने मुखबिरी के शक में दिव्यांग को मार डाला

बीजापुर, 2 मई (एजेंसियां)। छतीसगढ़ के बीजापुर जिले में माओवादियों ने एक ग्रामीण की हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले माओवादियों ने ग्रामीण का अपहरण किया था। जिसपर पुलिस की मुखबिरी करने का आरोप लगाया और फिर धारदार हथियार से उसका गला रेत दिया है। वारदात के वाद शव को थाने के नजदीक लाकर फेंक दिया। जिस युवक को नक्सलियों ने मारा है वह दिव्यांग है। मामला जिले के तर्रेम थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मृतक अवलम हड़मा जिले के तर्रेम के तुर्रेपारा का रहने वाला था। जिसकी एक आंख खराब थी। सोमवार की शाम गांव के अन्य ग्रामीणों के साथ जंगल गया हुआ था। जंगल से जलाऊ लकड़ी इकट्ठा कर रहा था। इसी बीच ग्रामीण वेशभूषा में कुछ माओवादी मौके पर पहुंच गए।

जिन्होंने युवक का अपहरण कर अपने साथ जंगल की तरफ लेकर चले गए। वहां मौजूद अन्य ग्रामीणों को वापस गांव जाने दिया। जिसके बाद नक्सली युवक को घने जंगल की तरफ लेकर चले गए जहां उस पर पुलिस की मुखबिरी करने का आरोप लगाया और धारदार हथियार से उसका गला रेत दिया। इसके बाद देर रात शव को टाइम थाना से करीब 1 किलोमीटर दूर लाकर फेंक दिया सुबह इलाके के ग्रामीणों ने देखा और इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। अपहरण के दौरान जिन अन्य ग्रामीणों को नक्सलियों ने जाने दिया था उन ग्रामीणों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

चार ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

माओवादी से संपर्क के तार तलाश रही है एनआईए, बच्चा सिंह समेत कई लोग रडार पर

बोकारो, 2 मई (एजेंसियां)। बोकारो में सुबह-सुबह एनआईए ने चार ठिकानों पर छापेमारी की है। बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी आवासीय कॉलोनी के चार ठिकानों पर छापा मारा गया है। रांची एनआईए की टीम ने यह कार्रवाई की है। मजदूर संगठन समिति के केंद्रीय महासचिव बच्चा सिंह के साथ- साथ कई ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।यह छापेमारी भाकपा माओवादी संगठन से जुड़े मामले में की जा रही है। अबतक इस संबंध में विस्तार से जानकारी सामने नहीं आ सकी है कि छापेमारी के दौरान एनआईए की टीम के हाथ क्या-क्या लगा है। इस संबंध में विस्तार से स्पष्ट जानकारी दी जा सकती है। यह छापेमारी मंगलवार सुबह को अचानक हुई। बोकारो पहुंची राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम बोकारो जिला स्थित बोकारो थर्मल में निसनहाट कॉलोनी पहुंची। बच्चा सिंह के साथ-साथ जिनके आवास पर छापेमारी की गयी है उनमें नागेश्वर महतो और संजय तुरी के आवास पर छापेमारी जारी है। बताया जाता है कि बच्चा सिंह बोकारो थर्मल प्लांट में सप्लाई मजदूर के रूप में काम करते हैं।

यह छापेमारी मजदूर संगठन समिति पर 2008 में प्रतिबंध लगाया गया था। इस संस्थान को भाकपा माओवादी संगठन का अंग मानते हुए प्रतिबंध लगाया गया था। साल 2022 में कोर्ट ने यह प्रतिबंध हटा लिया। खबर है कि अब फिर इस संगठन के तार भाकपा माओवादी से जुड़ रहे हैं। पिछले महीने भी कोल्हान के कुछ जिलों में छापेमारी की गई थी।

दूल्हे को गोद में उठाकर कांग्रेस विधायक का डांस

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 2 मई (एजेंसियां)। मरवाही विधायक डॉ केके ध्रुव का बिंदास और अनोखा अंदाज हल्दी समारोह में देखने को मिला। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के करहनी गांव में आदिवासी परिवार के घर शादी समारोह में शामिल हुए। यहां वे दूल्हे को आशीर्वाद देने के लिए पहुंचे थे। अब इस समारोह में उनके नाचने का अंदाज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। लोगों को विधायक की ये सादगी खूब पसंद आ रही है। 1 मई को यहां हल्दी की रस्म थी, वहीं आज शादी है। हल्दी की रस्म में जब विधायक पहुंचे, तो यहां दूल्हे नीलेश ओट्टी को हल्दी लगाई जा रही थी। रस्म के बाद यहां ढोलक की थाप पर नाचने-गाने का कार्यक्रम भी चल रहा था। विधायक केके ध्रुव भी खुद को रोक नहीं पाए और ढोल की थाप में झूमने लगे। उन्होंने नीलेश को अपनी गोद में उठा लिया और नाचने लगे। उनके इस अंदाज पर वहां मौजूद लोग भी खुश हो गए। विधायक केके ध्रुव के नाचने का वीडियो लोगों ने बनाकर शेयर कर दिया, जो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वे काफी देर तक आदिवासी लोकगीतों पर झूमते रहे, जिससे ये शादी यादगार बन गई। इसके बाद विधायक केके ध्रुव ने दूल्हे को सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया और वहां से रवाना हो गए। इससे पहले भी मरवाही विधायक डॉक्टर केके ध्रुव कई कार्यक्रमों में डांस करते हुए नजर आए हैं।

इमरान की शहबाज सरकार को दो टूक

कहा- सुप्रीम कोर्ट का फैसला ना माना गया तो सड़कों पर उतरेगी जनता

इस्लामाबाद, 2 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सोमवार को लाहौर में एक रैली को संबोधित करते हुए सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान को चेतावनी दी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि 14 मई को पंजाब प्रांत में चुनाव कराने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ तो उनकी पार्टी इसके विरोध में सड़कों पर उतरेगी।

इमरान ने दी सरकार को चेतावनी

इमरान खान की रैली के लिए बड़ी संख्या में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ता लिबर्टी चौक पर मौजूद रहे। इस रैली को संबोधित करने के लिए इमरान बुलेट बम प्रूफ वाहन में पहुंचे थे। उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वे पीएमएलएन सरकार के चुनावों में देरी करने की साजिश में नहीं फंसेंगे। उन्होंने कहा-पूरे देश में एक साथ ही चुनाव कराने के लिए सरकार को 14 मई को नेशनल असेंबली भंग करना होगा। यदि वह ऐसा नहीं करती है तो फिर उनसे कोई बात नहीं होगी और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार 14 मई को पंजाब में चुनाव कराया जाएगा। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ तो वे इसके विरोध में सड़कों पर उतरेंगे।

सरकार और पीटीआई के बीच आखिरी बातचीत मंगलवार यानी आज दो मई को होगी। इमरान ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा- मैं चोरों (शरीफ और जरदारी) और उनके संचालकों को चेतावनी देता हूं कि अगर वो संविधान का विरोध करते हैं और सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करेंगे पूरा राष्ट्र मेरे साथ शीर्ष अदालत का समर्थन करने सड़कों पर उतर आएगा।

सरकार पर लगाया आरोप

इमरान खान ने सरकार पर चुनाव से भागने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि सरकार को चुनाव में पीटीआई से

हारने का डर है। क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान ने बताया कि शीर्ष अदालत ने 14 मई को पंजाब में चुनाव कराने का आदेश दिया है।

संयुक्त चुनाव के लिए पीटीआई की ओर से शर्त रखते हुए इमरान ने कहा कि विधानसभाओं को 14 मई तक भंग करना होगा। इसके लिए पार्टी केवल मुख्य न्यायाधीश के कहने पर सरकार से बातचीत कर रही है। अगर सरकार बजट पास होने के बाद यानी की सितंबर में चुनाव कराने की बात कहती है तो पार्टी उनकी इस योजना पर नहीं फंसने वाले हैं। फिर वे इस मामले में कानूनी सहारा भी लेंगे।

रैली में भारी संख्या में मौजूद जनता का किया धन्यवाद

ट्वीट की श्रृंखला में इमरान ने कहा- मैं अपने कार्यकर्ता और लाहौर के लोगों का इस रैली में आने के लिए धन्यवाद करता हूं। वे इस रैली से जुड़कर हमारा समर्थन कर रहे हैं। वो जो हमारे कानून और नियमों का उल्लंघन और सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अवमानना कर रहे हैं, यह जान लें कि इस कोर्ट के फैसले का बचाव करने के लिए पाकिस्तान की जनता सड़कों पर उतरेगी।

सुप्रीम कोर्ट की सलाह पर सरकार और पीटीआई के बीच पिछले हफ्ते से इस मुद्दे पर बातचीत हो रही है। इमरान खान की पार्टी पीटीआई जहां प्रांतीय विधानसभाओं में चुनाव कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है, वहीं सरकार पूरे प्रांत में एक साथ चुनाव कराना चाहती है।

बता दें कि नेशनल असेंबली का पांच साल का कार्यकाल इस साल अगस्त में पूरा होगा। संविधान के अनुसार, निचले सदन के विघटन के 90 दिन के भीतर चुनाव होता है।

इस हिसाब से चुनाव अक्तूबर के मध्य तक होना चाहिए। बता दें कि पिछला आम चुनाव जुलाई 2018 में हुआ था।

मिशन मिलेट एवं स्वराज एक गाथा का आयोजन

भारतीय राज्यों के पारंपरिक व्यंजन शामिल

टोरोंटो, 2 मई (एजेंसियां)। कनाडा के शहर टोरोंटो में "रेडियो ढिशुम" और "कॉउंसलेट जनरल ऑफ इंडिया, टोरोंटो" के सहयोग से पहली बार "मिलेट मेला' और "स्वराज - स्वतंत्रता की गाथा' का आयोजन बड़े पैमाने पर रविवार (30 अप्रैल) को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत परंपरागत तरीके से दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में भारत के 28 राज्यों और दो केंद्रीय शासित प्रदेशों की 40 प्रकार के मिलेट से बने पारंपरिक व्यंजन शामिल थे।

सभी होम कुकस अपनी परंपरागत पोशाक में सुसज्जित थे और सभी के खाने की प्रस्तुति में क्षेत्रीय प्रभाव दिखाई दिया। लगभग 500 से ज्यादा आमंत्रित अतिथियों ने खाने-पीने की चीजों का आनंद लिया। सभी लोग मिलेट से बने व्यंजन और विभिन्न राज्यों की इतनी सारी डिशेज देख और खा कर बहुत ही हैरान थे। इसके बाद सभी होम कुकस ने एक अनूठा और निराला फैशन शो किया। लोगों की तालियों की गड़गड़ाहट और उनके शोर से जाहिर था कि वे सभी बहुत उत्साहित थे।

इस कार्यक्रम में दो वर्ष से लेकर 65 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने अनोखी भारत के 'स्वतंत्रता संग्राम एक गाथा' की प्रस्तुति की, जिसका निर्माण और निर्देशन लखनऊ की सौम्या मिश्रा ने किया। लोग मंत्रमुग्ध हो पूर्ण निस्तब्धता से इस नाट्य मंचन को देख भाव-विभोर हो उठे। पूरा हॉल भारत माता और वंदे मातरम के जयकारे से गूंजने लगा। इस नाटकीय-कथा के संपादन में लगभग तीन साल का समय लगा। इसमे 80 स्वतंत्रता सेनानियों का उल्लेख था और अधिकतर वह अगेय संग्राम के हीरो शामिल थे, जिनके बारे में लोगों ने कभी भी नहीं सुना था।

इसके बाद "मिलेट रेसपी बुक" का डिजिटल अनावरण भारत की प्रधान कौंसलाधीश, अपूर्वा श्रीवास्तव और कार्यक्रम की आयोजक सौम्या मिश्रा ने किया। इस किताब में होम कुकस की 34 व्यंजन विधियां शामिल हैं। जिन्हें चार श्रेणियों में बांटा गया है। इस विचार से कि लोग इसे पढ़ कर मिलेट का प्रयोग अपनी जीवन शैली में ज्यादा से ज्यादा करें।

दो लापता नाबालिगों की खोज में निकली पुलिस

तलाशी के दौरान मिले सात शव

वाशिंगटन, 2 मई (एजेंसियां)। अमेरिका से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। बताया जा रहा है पुलिस ओकलाहोमा के एक ग्रामीण इलाके में दो लापता नाबालिगों की खोज कर रही थी, तभी एक घर की तलाशी के दौरान सात लोगों के शव मिले।

यौन अपराधी जेसी मैकफैडेन भी मरा

ओक्लाहोमा के प्रांतीय जांच ब्यूरो के प्रवक्ता गेराल्ड डेविडसन के अनुसार शव सोमवार को ओकलाहोमा से करीब 145 किलोमीटर पूर्व स्थित हेनरीएटा नगर के पास मिले हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मरने वालों में 14 और 16 साल की दो लड़कियां और यौन अपराधी जेसी मैकफैडेन भी शामिल है। इस नगर की आबादी करीब 6 हजार बताई जा रही।

पिछले सप्ताह नाबालिगों को देखा गया

क्लाहोमा स्टेट ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के प्रवक्ता गेराल्ड डेविडसन ने संवाददाताओं से कहा कि प्रांतीय चिकित्सा परीक्षक पीड़ितों की पहचान करेंगे। कथित तौर पर दोनों लड़कियों को आखिरी बार पिछले सप्ताह मैकफैडेन के साथ देखा गया था। इसके बाद वे घर नहीं लौटीं।

2004 में हो चुकी है जेल की सजा

स्थानीय मीडिया ने बताया कि 39 साल के मैकफैडेन को साल 2004 में दुष्कर्म के आरोप में 20 साल की सजा सुनाई गई थी। उसे 2020 में सजा पूरी होने से चार साल पहले जेल से रिहा कर दिया गया था। वहीं उसे सोमवार को यौन शोषण के एक अन्य मामले में जूरी ट्रायल के लिए अदालत में पेश होना था, लेकिन वह नहीं आया।

डेविडसन ने बताया कि एक साथ सात शवों के मिलने के मामले में जांच चल रही है। मौतों के कारण और अन्य चार पीड़ितों की संभावित पहचान के बारे में विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं हैं।

फ्रांस-ग्रीस के अभ्यास में भाग ले रही भारतीय वायुसेना

एथेंस, 2 मई (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ग्रीस में चार सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों के साथ अभ्यास में भाग ले रही है। इस युद्ध अभ्यास को 'इनिओचोस-2023' नाम दिया गया है। वहीं, फ्रांस में चल रहे एक्स-ओरियन में आईएएफ के राफेल लड़ाकू विमान पहली बार भारत के बाहर एक अंतरराष्ट्रीय अभ्यास में भाग ले रहे हैं। एक्स ओरियन युद्धाभ्यास 17 अप्रैल को शुरु हुआ था और यह 5 मई 2023 तक चलेगा। इस अभ्यास में जर्मनी, ग्रीस, इटली, नीदरलैंड, ब्रिटेन, स्पेन और अमेरिका की वायुसेना भाग ले रही हैं। भारत को छोड़ ये सभी उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य हैं।

बवंडर से 60 गाड़ियां टकराईं

6 की मौत, 30 घायल, टोरनेडो की रफ्तार 120 किमी प्रति घंटा, गाड़ियां एक–दूसरे पर चढ़ गईं

इलिनॉइस, 2 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राज्य इलिनॉइस में सोमवार को धूल के बवंडर (डस्ट स्टॉर्म) के कारण इंटरस्टेट हाईवे पर कई गाड़ियां भिड़ गईं। इनमें 20 कॉमर्शियल व्हीकल और 60 से ज्यादा कारें थीं। 6 लोगों की मौत हो गई। इलिनॉइस पुलिस के मुताबिक, 30 से ज्यादा घायलों अस्पताल पहुंचाया गया है। घायलों में 2 साल के बच्चों से लेकर 80 साल के बुजुर्ग शामिल हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। बवंडर के वक्त हवाएं 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थीं। टकराने के बाद कई गाड़ियां एक—दूसरे पर चढ़ गईं। सेंट लुइस से 75 मील (120 किलोमीटर) नॉर्थ में मोंटगोमरी काउंटी में यह हाईवे दोनों दिशाओं में बंद कर दिया गया था। जिसे मंगलवार दोपहर तक खोला जाएगा।

खेतों की जुताई से नर्म पड़ी मिट्टी हवा के साथ उड़ी

सोमवार की सुबह 11 बजे इस हादसे के बारे में जानकारी सामने आई। सेंट लुइस मौसम विभाग के मुताबिक, ये धूल भरी आंधी हाल ही में जोते गए खेतों की मिट्टी और उत्तर-पश्चिमी तेज हवाओं के मिलने से बनी। जिसकी रफ्तार 70 किमी प्रति घंटे थी। यही वजह रही कि विजिबिलिटी कम हो गई और गाड़ियां भिड़ गईं। टॉर्नेडो के बाद 25 साल के इवान एंडरसन ने बताया कि वो शिकागो से अपने घर सेंट लुइस जा रहे थे। तभी उनकी गाड़ी धूल और बवंडर में फंसकर क्रैश हो गई।

इवान ने कहा कि धूल के बीच कुछ नजर नहीं आ रहा था। कुछ लोग गाड़ी की स्पीड धीमे कर रहे थे लेकिन कौन सी कार कहां खड़ी है ये नहीं दिखा। नेशनल वेदर सर्विस ने तूफान को देखते हुए दोपहर करीब 1:25 बजे डस्ट की वॉर्निंग जारी की थी।

वेदर सर्विस ने वॉर्निंग में कहा था कि जिन लोगों को सांस से जुड़ी बीमारी है वो घर से किसी भी कीमत पर बाहर न निकलें। इस दौरान ट्रैवल करना मुश्किल होगा और जान का खतरा भी हो सकता है। अमेरिका की नेशनल वेदर सर्विस के अनुसार, वैसे तो टॉर्नेडो दुनिया में कभी आ सकते हैं, लेकिन अमेरिका में ये सबसे ज्यादा संख्या में आते हैं। अमेरिका में ही सबसे ज्यादा टॉर्नेडो कांसस, ओकलाहोमा, टेक्सास जैसे मैदानी इलाकों में ज्यादा आते हैं।

एनओएए यानी नेशनल ओशियेनिक एटमॉस्फेयरिक एडमिनिस्ट्रेशन का कहना है कि टॉर्नेडो की वजह से अमेरिका में हर साल 50 जानें चली जाती हैं। वहां 2011 के वसंत में बहुत ही विनाशकारी टॉर्नेडो आए थे जिसमें 580 से ज्यादा लोगों ने अप्रैल और जून में अपनी जान गंवा दी थी। अनुमान लगाया गया है कि उनसे 21 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था।

पति की मौत के बाद रखा जुर्म की दुनिया में कदम

'भाई' के नाम पर चलता था हसीना 'आपा' का सिक्का

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। मायानगरी मुंबई, जहां सपने देखे जाते हैं, और उन सपनों को पूरा करने के लिए जमकर मशक्कत की जाती है। और जब किस्मत मेहरबान हो जाए तो सितारों की दुनिया का हिस्सा भी बनने का मौका दे देती है ये मायानगरी मुंबई। लेकिन एक वक्त ऐसा भी था जब मुंबई के लोगों के सपने और उनकी किस्मत एक भाई और उसके बाद उसकी बहन की मुट्ठियों में कैद थी। एक हेड कॉन्स्टेबल के बेटे और बेटी ने देश की वित्तीय राजधानी कहे जानी वाली ग्लैमर से भरपूर मायानगरी मुंबई को अपने इशारों पर नचाया। जी हां, आज हम बात करेंगे कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की बहन हसीना पारकर की जिसने दाऊद के देश से भाग जाने के बाद पूरी मुंबई पर राज किया। आखिर क्या थी हसीना पारकर की कहानी और कैसे वो बन गई जुर्म की दुनिया की सबसे बड़ी आपा, यानि हसीना आपा। मुंबई में जहां हाजी मस्तान से लेकर करीम लाला तक और फिर उसके बाद दाऊद जैसे कई मर्दों ने राज किया उस बीच हसीना पारकर जैसी लेडी डॉन भी बनी जिन्होंने अपराध की दुनिया में अपना पैठ जमाया। इस तरह अपराध की दुनिया में एक गॉडमदर का उदय हुआ। हसीना पारकर महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के मुमका गांव में पैदा हुई थी। वे कुल 12 भाई-बहन हैं जिनमें हसीना 7वीं संतान और दाऊद इब्राहिम तीसरे है। हसीना पारकर कुख्यात डकैत, ड्रग डीलर और आतंकवादी दाऊद इब्राहिम कासकर की छोटी बहन थी। हसीना के पिता इब्राहिम कास्कर मुंबई पुलिस विभाग में एक हेड कांस्टेबल थे और उनकी मां अमीना बी एक गृहिणी थीं। हसीना अंडरवर्ल्ड के मामलों में तब शामिल हुईं जब 1991 में उनके पति इस्माइल पारकर को अरुण गवली और गिरोह ने गोली मार दी थी। कुख्यात जेजे अस्पताल शूटआउट को दाऊद इब्राहिम ने अपने मृत जीजा की मौत का बदला लेने के लिए अंजाम दिया था। हसीना ने अपने भाई दाउद के नाम का फायदा तो उठाया ही था, लेकिन अब वह खुद एक स्थापित माफिया तंत्र का हिस्सा थी। फिरौती, जबरन वसूली, हवाला कारोबार, फिल्मों के ओवरसीज राइट्स लेना, केबल कारोबारियों से प्रोटेक्शन मनी लेना उसके मुख्य धंधे थे। हसीना इतनी प्रभावशाली थी कि एसआरए योजनाओं के तहत अपने प्लॉट के पुनर्विकास के लिए झुग्गीवासियों से अनुमति प्राप्त करने में मदद करने के लिए बिल्डरों द्वारा उनसे संपर्क किया जाता था। हालांकि, इतने सालों के अपराध में हसीना पर सरकारी लैंड प्रोजेक्ट को लेकर केवल एक बार ही एफआईआर 21 अप्रैल 2007 को दर्ज की गई थी।

किंग चार्ल्स की ताजपोशी के लिए लंदन जा रहे लोग

होटल बुक, शहरों में बढ़ी भीड़, लेकिन कुछ लोग इसे जश्न का मौका नहीं मानते

वाशिंगटन, 2 मई (एजेंसियां)। वेल्स के पूर्व राजकुमार और महारानी एलिजाबेथ II के बड़े बेटे चार्ल्स III की ताजपोशी 6 मई को होगी। चार्ल्स उस समय ब्रिटेन के राजा बन गए थे, जब पिछले साल सितंबर में उनकी मां का निधन हो गया था। अब धार्मिक समारोह के दौरान ताज पहनाकर उनका औपचारिक राज्याभिषेक होगा।

70 सालों में ब्रिटेन के पहले राज्याभिषेक का जश्न मनाने अगले हफ्ते बड़ी संख्या में लोग लंदन जा रहे हैं। वहीं, राज्याभिषेक के दौरान वीकेंड पर लंदन जाने वाले सभी यात्री रोमांचित नहीं हैं। वहां रहने वाले कई लोग 3 दिन के इस समारोह के दौरान बाहर जाने की योजना भी बना रहे हैं। राज्याभिषेक समारोह की वजह से लंदन के होटल बुक हैं और बकिंघम पैलेस के आसपास का क्षेत्र लोगों से भरा है। ऐसे में लंदन जाने वाले लोगों को लग रहा है कि वे अपनी छुट्टियों का लुत्फ नहीं उठा पाएंगे। लंदन में रहने वाले कुछ लोग भी इस बात से सहमत हैं कि राज्याभिषेक समारोह की वजह से उनकी छुट्टियां बेकार जाएंगी। कुछ शाही प्रशंसक भी घर पर रह रहे हैं, जो ये मानते हैं कि चार्ल्स अपनी मां महारानी एलिजाबेथ से कम लोकप्रिय हैं। टेक्सास स्थित एक ट्रैवल एजेंसी के एडवाइजर राल्फ इंटोस्का ने कहा, हफ्ते के अंत में कुछ लोग अक्सर लंदन आते हैं, लेकिन उनमें से कुछ को राज्याभिषेक समारोह को लेकर कोई रुचि नहीं है, क्योंकि वे भीड़ नहीं चाहते।

ह्यूस्टन में रहने वाले एक युवा फिटनेस प्रशिक्षक लॉरा एवेदो ने पिछले साल जुलाई में ही परिवार के साथ छुट्टी मनाने के लिए लंदन जाने का प्लान बनाया था।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने बीजेपी को दिया बड़ा झटका

1500 कार्यकर्ताओं के साथ प्रजातांत्रिक समाधान पार्टी के नेता कांग्रेस में हुए शामिल

भोपाल, 2 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही अलग ही अंदाज में एक पार्टी से दूसरी पार्टी में नेताओं के जाने का क्रम जारी हो चुका है। जहां पर पहले कांग्रेस के कई बड़े नेता बीजेपी में शामिल हुए वहीं अब दोबारा और उल्टा दिखाई दे रहा है इसमें बीजेपी से जुड़े या बीजेपी को समर्थन दे चुके कई नेता अब सरकार से नाराज होकर कांग्रेस का रुख अपना रहे हैं। इसका उदाहरण मुख्यमंत्री के स्वयं के गृह जिले में देखने को मिला जब आष्टा विधानसभा सीट से आने वाले प्रजातांत्रिक समाधान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नेता कमल सिंह चौहान ने कमलनाथ की उपस्थिति में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली कमल सिंह चौहान आष्टा से जिला पंचायत सदस्य भी हैं बीते दिनों हुए जिला पंचायत चुनाव में कमल सिंह चौहान ने बीजेपी समर्थित उम्मीदवार के पक्ष में मतदान कर दिया था जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लेकिन सरकार और संगठन की बेरुखी के चलते उन्होंने अब कांग्रेस का दामन थामने का मन बना लिया है। आष्टा क्षेत्र में अपनी बड़ी पकड़ रखने वाले कमल सिंह चौहान ने अपने 1500 समर्थकों के साथ कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की उपस्थिति में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की एवं कांग्रेस की रीति नीति से प्रभावित होकर कमलनाथ के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने की बाद भी कही है। सूत्र बताते हैं कि मुख्यमंत्री के गृह जिले में संगठन और सत्ता के बीच कोई विशेष तालमेल नहीं है यहां पर संगठन और सत्ता के रवैया को लेकर कई नेता कुछ वर्षों से खासे नाराज बताए जा रहे हैं एक और जहां कांग्रेस आष्टा विधानसभा में अपनी स्थिति मजबूत करने में जुटी हुई है ।वहीं दूसरी ओर बीजेपी अपनी जमीन बचाने में थोड़ी सी नाकाम दिखाई दे रही है आष्टा क्षेत्र में जहां कांग्रेस के पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा लगातार सक्रिय हैं वहीं बीजेपी नेताओं की बेरुखी के चलते कई नेता कांग्रेस का रुख अपनाने लगे हैं।

बेटे के पासपोर्ट से पिता का नाम हटवाने के लिए अदालत पहुंची महिला

हाईकोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए पासपोर्ट अधिकारियों को उसके नाबालिग बेटे के पासपोर्ट से पिता का नाम हटाने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता (अकेली मां) ने अपनी याचिका में कहा था कि बच्चे को उसके पिता ने जन्म से पहले ही छोड़ दिया था और बच्चे को उसने अकेले ही पाला है। ऐसे में उसके पासपोर्ट से बच्चे के पिता का नाम हटाया जाए। दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा , 'वास्तव में, यह एक ऐसा मामला होगा जहां पिता ने बच्चे को पूरी तरह से छोड़ दिया है। ऐसी परिस्थितियों में, इस न्यायालय की राय है कि अध्याय 8 का खंड 4.5.1 और अध्याय 9 का खंड 4.1 स्पष्ट रूप से लागू होगा।'

'पिता के नाम के बिना जारी किया जाए नया पासपोर्ट'

जस्टिस सिंह ने इसके साथ ही कहा, 'इस मामले की अनूठी और अजीबोगरीब परिस्थितियों को देखते हुए यह निर्देश दिया जाता है कि बच्चे के पिता का नाम पासपोर्ट से हटा दिया जाए और पिता के नाम के बिना नाबालिग बच्चे का नया पासपोर्ट जारी किया जाए।' दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि कुछ खास परिस्थितियों में जैविक पिता का नाम हटाया जा सकता है और उपनाम बदला भी जा सकता है। अदालत ने कहा कि पासपोर्ट मैनुअल और ओएम दोनों मानते हैं कि पिता के नाम के बिना अलग-अलग परिस्थितियों में पासपोर्ट जारी किए जा सकते हैं। बेंच ने कहा कि इस तरह की राहत पर विचार किया जाना चाहिए, जो प्रत्येक मामले में उभरती तथ्यात्मक स्थिति पर निर्भर करता है। इसमें कोई हार्ड एंड फास्ट रूल लागू नहीं किया जा सकता है। अदालत ने कहा, 'माता-पिता के बीच वैवाहिक कलह के मामले में असंख्य स्थितियां हैं, जहां बच्चे के पासपोर्ट आवेदन पर अधिकारियों को विचार करना पड़ सकता है।'

महिला ने क्या दी दलील

बता दें कि इस एकल मां और उसके नाबालिग बेटे ने अपने मौजूदा पासपोर्ट से नाबालिग बच्चे के पिता का नाम हटाने की मांग करते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाकर्ता ने पिता का नाम उल्लेख किए बिना नाबालिग बच्चे को नया पासपोर्ट फिर से जारी करने की मांग की थी।

याचिकाकर्ता की मां ने दलील दी कि 'चूंकि वह एकल मां है और पिता ने बच्चे को पूरी तरह से छोड़ दिया है। यह एक ऐसा मामला है जहां पासपोर्ट अधिकारियों द्वारा पिता के नाम पर जोर नहीं दिया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने आपसी समझौते और इस तथ्य पर भी जोर दिया कि बच्चे का परित्याग उसके जन्म से पहले भी हुआ था।

ऐसे में हाई कोर्ट ने महिला के पक्ष में 19 अप्रैल के फैसला सुनाते हुए पासपोर्ट अधिकारियों को बच्चे के पिता का नाम हटाने का निर्देश दिया।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मारे गए तीन आतंकवादियों में टीटीपी कमांडर भी शामिल

पेशावर, 2 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने देश के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में अलग-अलग खुफिया-आधारित अभियानों में एक कुख्यात तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) कमांडर और दो अन्य को मार गिराया है और कई महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां की हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में मंगलवार को यह जानकारी सामने आई।

डॉन अखबार ने बताया कि आतंकवादियों की कथित मौजूदगी की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे देश के उत्तर-पश्चिम प्रांत के टांक और डेरा इस्माइल खान जिलों में सोमवार को दो अलग-अलग अभियान चलाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिबंधित टीटीपी गंडापुर समूह का अब्दुल जबर शाह सुरक्षा बलों द्वारा मार गिराए गए तीन आतंकवादियों में शामिल है।

डूडी बोले- जाट को सीएम बनाएं, यह समाज की मांग

कहा- समाज अपना हक-अधिकार लेना जानता है और लेकर रहेगा

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। पूर्व नेता प्रतिपक्ष और राजस्थान कृषि उद्योग विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामेश्वर डूडी ने एक बार फिर जाट सीएम बनाने और जातिगत जनगणना करवाने की मांग उठाई है। डूडी ने कहा- जाट महाकुंभ में मैंने जाट सीएम की मांग उठाई थी, उस मांग पर मैं आज भी कायम हूं। यह मांग मैं ही नहीं कर रहा, यह मांग समाज की है। जाट सबसे बड़ा समाज है। कई वर्षों से यह मांग करता आ रहा है। वह अपना हक-अधिकार लेकर रहेगा।

जयपुर में मीडिया से बातचीत में डूडी ने कहा- जाट समाज लंबे समय से मांग कर रहा है। यह मांग समाज का हक और अधिकार है। समाज अपना हक और अधिकार लेकर रहेगा। यह हक देना चाहिए। मांग किसके आगे कर रहे हैं। समाज अपना हक-अधिकार लेना जानता है। वह इसे लेकर रहेगा। पार्टी के अंदर भी हमने इस मांग को रखा है। बड़े नेताओं के साथ जब भी बैठते हैं, उन्हें इससे अवगत करवाया है।

जातिगत जनगणना से दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा

डूडी ने कहा- आप जातिगत जनगणना करवाइए। जाट सीएम के साथ हमारी मांग जातिगत

जनगणना की भी है। जातिगत जनगणना के बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। जातिगत जनगणना से पता लग जाएगा कौन कितने हैं। अब जिसकी जितनी संख्या वह अपना हक मांग रहा है। जाट सबसे बड़ा समाज है। उसकी सीएम की मांग को दूसरे समाज भी मानते हैं कि यह उसका हक है।

जाट महाकुंभ में उठी थी मांग,अब फिर दोहराई

डूडी ने जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में 5 मार्च को हुए जाट महाकुंभ में भी जाट सीएम की मांग उठाकर सियासी बहस छेड़ दी थी। अब डूडी ने फिर जाट सीएम की मांग को हवा देने का प्रयास किया है। जाट महाकुंभ के दौरान डूडी ने ही सीएम बनाने की मांग को प्रमुखता से उठाया था। डूडी ने पिछले सप्ताह ही बीकानेर जिले के नोखा के पास किसान सम्मेलन करवाकर ताकत दिखाने का प्रयास किया था। डूडी के सम्मेलन में सीएम अशोक गहलोत और उनके खेमे के मंत्री-विधायकों का जमावड़ा हुआ था। डूडी पहले सचिन पायलट के साथ थे, लेकिन अब दोनों के बीच दूरियां बढ़ चुकी हैं। वे गहलोत के नजदीक जा चुके हैं।

चुनावी साल में जाट सीएम की मांग के पीछे कांग्रेस की अंदरूनी सियासत

जाट सीएम की मांग के पीछे राजनीतिक जानकार कांग्रेस की मौजूदा खींचतान को भी कारण मान रहे हैं। सचिन पायलट और उनके समर्थक पायलट को सीएम बनाने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस में जाट सीएम की मांग पायलट विरोधियों खासकर गहलोत खेमे के लिए सूटेबल है। जानकारों का मानना है कि जाट सीएम की मांग उठाने की क्रॉनोलॉजी को देखने पर सारी परतें खुद ब खुद सामने आ जाती हैं। गहलोत खेमे के लिए पायलट को रोकने और उन्हें सियासी रूप से बैलेंस करने के लिए जाट सीएम की मांग को एक काउंटर रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

कांग्रेस के कई रणनीतिकारों को भी लगता है कि इससे पायलट फैक्टर को एकबारगी के लिए बैलेंस किया जा सकता है। मौजूदा सियासी हालात के हिसाब से यह मांग पायलट विरोधियों के लिए सियासी रूप से फायदेमंद है। आगे चलकर यही मांग और तेज होती है तो सियासी समीकरण बदल भी सकते हैं। रामेश्वर डूडी ने ही इस मांग को सबसे पहले उठाया था। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भी डूडी ने किसान सीएम की मांग की तरफ इशारा किया था। उस वक्त यह मांग जोर नहीं पकड़ पाई थी।

जाट सीएम की मांग से कई समीकरण बनेंगे, बिगडेंगे, दूसरे समाज भी उठा रहे हैं मांग

जाट सीएम का मुद्दा हर चुनावों से पहले उठता है। इस मांग के पीछे बड़े नेताओं के सियासी समीकरण और लीडरशिप के इश्यू भी छिपे रहते हैं। एक बड़े वोट बैंक की इस भावनात्मक मांग को सियासी रूप से भुनाने में कई नेता आगे रहे हैं। अंदरूनी सियासी समीकरण साधने के लिए कई बार यह मांग उठती रही है। जाट सीएम के मांग के पीछे फिलहाल पायलट फैक्टर को बड़ा कारण माना जा रहा है। जाट सीएम की मांग के कारण दूसरे समाज भी सामने आ सकते हैं, पहले भी यह हो चुका है।

जाट महाकुंभ में जाट सीएम की मांग के बाद ब्राह्मण, राजपूत और ओबीसी की दूसरी जातियों ने भी सीएम बनाने की मांग प्रमुखता से उठाई है। जाट सीएम की मांग के साथ जातिगत जनगणना की मांग को भी हवा दी जा रही है। विधानसभा चुनावों से पहले जाट सीएम की मांग जोर पकड़ती है तो कई नेताओं के सियासी समीकरण प्रभावित होंगे। दूसरे समाज भी अपना सीएम बनाने की मांग को उठाएंगे। जातिगत आधार पर सीएम बनाने की मांग इस बार भी चुनावों से पहले प्रमुखता से उठना तय है, हर समाज का संगठन चुनावों से पहले मुखर होकर अपनी मांगे रख रहा है।

भाजपा नेता दिलावर का कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे पर तंज

बोले- खड़गे 80 साल के हुए, भगवान उन्हें कभी भी उठा सकता है

उदयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। भाजपा नेता और कोटा की रामगंज मंडी से विधायक मदन दिलावर ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे पर तंज कसते हुए कहा है कि कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष 80 साल के हो गए हैं। भगवान उन्हें कभी भी उठा सकता है पर मैं भगवान से प्रार्थना करूंगा कि कम से 200 साल तक उन्हें नहीं उठाए। दिलावर ने खड़गे द्वारा मोदी को जहरीला सांप बताने वाले बयान की आलोचना की।

दिलावर सोमवार देर शाम को उदयपुर दौरे पर थे। उन्होंने कांग्रेस और उनके नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि ये अली बाबा के 40 चोरों और पागलों का समूह है जो कुछ भी कर सकता है।

राहत कैंप के जरिए गहलोत कर रहे कमाईः दिलावर

दिलावर ने कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए जा रहे राहत कैंप को लेकर सीएम अशोक गहलोत पर निशाना साधा। दिलावर बोले- कांग्रेस के खजाने में धन इकट्ठा करने के लिए ये कैंप लगा रहे हैं। जिसमें टेंट, कप्यूटर सहित अन्य खर्च का करीब 10-10 लाख रूपए में ठेका दिया है। इसमें वास्तविक खर्च 10 प्रतिशत होगा। शेष नकद पैसा गहलोत साहब ले लेंगे। जिसे आगामी चुनाव में काम लिया लाएगा।

कांग्रेस को पागल लोग ही मिलते हैंः दिलावर

भगवान राम पर अभद्र टिप्पणी करने वाले राज्य विमुक्त घुमंतु बोर्ड के उपाध्यक्ष चतराराम के बयान पर दिलावर बोले-पागलों के बारे में कुछ कहने की जरूरत नहीं है। कई पागलों को मंदिर में पत्थर फेंकते देखा है। कांग्रेस को ऐसे ही लोग मिलते हैं। दिलावर ने कांग्रेस मंत्री प्रतापसिंह खाचरिवास को लेकर कहा कि ये क्या बोलता, क्या नहीं बोलता। कभी गहलोत के पक्ष में तो कभी पायलट के पक्ष में बोलते हैं। ये कांग्रेसी कुछ भी बोल सकते हैं।

विधायक कोटे से खेल सामान की खरीद में भ्रष्टाचार

नौकर-करीबी लोगों को करोड़ों का ठेका; वित्तीय मंजूरी के बाद रजिस्टर्ड कराई फर्म

अलवर, 2 मई (एजेंसियां)। बहरोड़ विधायक बलजीत यादव के कोटे से सरकारी स्कूलों के लिए स्पोर्ट्स सामान की खरीद में भ्रष्टाचार की बात सामने आ रही है। खरीद वाली फर्मों और सामानों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। करीब तीन करोड़ रुपए से अधिक के ठेके ऐसी फर्मों को दिए गए, जो हाथों-हाथ या कुछ समय पहले ही रजिस्टर्ड कराई गई थीं।

जिन फर्मों से सामान खरीद बताया गया है, उनमें से किसी ने भी जीएसटी जमा नहीं कराया है। जिनके नाम से फर्म रजिस्टर्ड हैं, वे विधायक के नजदीकी हैं। इनमें से दो फर्में तो सरकार की ओर से वित्तीय मंजूरी जारी किए जाने के बाद रजिस्टर्ड कराई गईं।

फर्मों का ऐसे काम से कोई लेना देना नहीं है। ग्राउंड पर जाकर देखा तो फर्म का जहां ऑफिस बताया गया है, वहां पर निवास पाया और खेल के नाम का बोर्ड तक नहीं मिला।

विधायक द्वारा एक बार 19 स्कूलों को 9-9 लाख रुपए की सिफारिश की गई। राज्य सरकार की ओर से इसकी वित्तीय स्वीकृति 16 फरवरी 2022 को जारी की गई। वित्तीय स्वीकृति के बाद 'शर्मा स्पोर्ट्स' नाम की फर्म का 6 जून 22 को रजिस्ट्रेशन हुआ। इन 19 स्कूलों का टेंडर 18 जुलाई को इसी कंपनी को दे दिया गया।

टेंडर की यह राशि लगभग एक करोड़ 71 लाख रुपए है। जिस शर्मा स्पोर्ट्स को सबसे बड़ा ठेका मिला, उसका मालिक नवीन कुमार है। वह जयपुर में विधायक के शोरूम में काम करता है। कंपनी के रजिस्ट्रेशन में जो पता दिया गया है, वहां निवास स्थान मिला। खेल का बिजनेस होने की भी किसी तरह की कोई जानकारी नहीं मिली।

अकलीमपुर के लिए 8 लाख रुपए की अनुशंसा की गई। इसकी स्वीकृति 5 मई 2021 को जारी की गई। ठेका 'बालाजी कंप्लीट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड' को दिया गया, जिसका रजिस्ट्रेशन 17 मई को हुआ। बीरनवास, कायसा, काठूवास और डूमडोली को 9-9 लाख रुपए की स्वीकृति 5 अगस्त 2021 को जारी की गई। ठेका देने के लिए एक से अधिक फर्मों का होना आवश्यक है, इसलिए 28 सितंबर 21 को 'सूर्या स्पोर्ट्स फर्म' का रजिस्ट्रेशन करवाया गया और

सामान की गुणवत्ता पर भी सवाल

ठेका 3 दिसंबर को 'बालाजी कंपलीट सॉल्यूशन प्रा.लि.' को दे दिया।

रायसराना, माजरीकलां महतावास, गिगलाना, तलवाना रोडवाल, रैवाना, खूंदरोठ स्कूल को 9-9 लाख की अनुशंसा के बाद वित्तीय स्वीकृति 10 सितंबर 2021 को मिली। इनमें से 5 स्कूलों (रायसराना, माजरीकलां, महतावास, गिगलाना, तलवाना) का टेंडर लगाया। इसमें 3 फर्म (बालाजी, सूर्या, राजपूत) शामिल हुईं। इसमें 4 जनवरी 22 को बैट का टेंडर सूर्या को और बाकी बालाजी को दिया गया।

रोडवाल, रैवाना, खूंदरोठ का टेंडर अलग से लगाया गया। उसमें भी ये तीनों फर्म ही शामिल हुईं। इसमें सारे सामान का टेंडर 18 जनवरी 22 को राजपूत फर्म को दे दिया गया, जिसका रजिस्ट्रेशन 9 अक्टूबर 2021 को हुआ।

कुल खरीद लगभग 3 करोड़: एक स्कूल को 9 लाख का सामान, 1 बैट की कीमत 15,600 रुपए

कुल 32 स्कूलों को सामान दे दिया गया है, शेष को देना है। जो बैट दिया गया है, उसकी प्रत्येक की कीमत 15 हजार 600 रुपए तय की गई, ज्यादातर स्कूलों को 50-50 बैट दिए गए हैं। जो बैट स्कूलों में पहुंचा, उसकी कीमत पर सीधा सवाल है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसकी जांच की जाएगी तो मामला सामने आ जाएगा। दावा है कि बैट सनी गोल्ड इंग्लिश विलो कंपनी का है। कई स्कूलों में देखा तो पाया कि बैट पर न तो एमआरपी है और न ही कंपनी की कोई ब्राडिंग, जबकि कंपनी इसके बिना सेल ही नहीं करती। अन्य सामान की कीमतें भी बाजार दर से कई गुना अधिक हैं।

मुद्दे, जिनकी जांच हो तो खुल सकता है मामला

1. वित्तीय स्वीकृति के बाद ठेके के लिए इंतजार क्यों किया गया?
2. जिन फर्मों को ठेका दिया गया, उनके मालिक कौन हैं?
3. जिस कंपनी का बैट 15,600 रुपए का बताया, उस कंपनी से जांच की जाए, इस फर्म ने माल कब खरीदा, उसके भुगतान व जीएसटी के भुगतान की जांच की जाए।

भुगतान के दो दिन बाद पैसा विधायक के रिश्तेदार के खाते में - संजय यादव

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य संजय यादव ने कहा कि मुझे इस मामले की जानकारी मिली तो मैंने एसीबी जयपुर व लोकायुक्त को पूरी जानकारी दी। इसकी उच्च स्तरीय जांच के लिए सरकार से भी बात कर रहे हैं। उनकी मांग है कि सामान की गुणवत्ता के साथ ही उन फर्मों की जांच जरूरी है, जिनसे सामान खरीदा गया है। क्योंकि ये सभी फर्म विधायक के मिलने वालों की हैं और इनमें से कोई भी व्यक्ति स्पोर्ट्स गुड्स संबंधी बिजनेस नहीं करता है। उनका आरोप है कि सरकार की ओर से फर्म को भुगतान के बाद वह राशि विधायक के रिश्तेदारों के खातों में भेज दी गई है। इसका प्रमाण बैंक खातों की जांच होने पर मिल जाएगा।

ठेके देते समय कार्यवाहक विकास अधिकारी रहे आसीन राजेश पंवार ने कहा- समस्त कार्य नियमानुसार किया गया। हमने तो ई-टेंडर मांगा था। उसमें एक या दो ही फर्म आईं तो हम क्या करते? फर्म इस काम को करती है या नहीं या कितनी पुरानी है, इसकी जांच हम नहीं करते।

बीकानेर में पूर्व पार्षद के बेटे पर फायरिंग

बार बंद करके वापस लौट रहे युवक पर चलाई गोलियां

बीकानेर, 2 मई (एजेंसियां)। बीकानेर में फायरिंग की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। बार बार अवैध हथियारों की धरपकड़ के बाद भी पिस्टल व देशी कट्टों से फायरिंग हो रही है। ताजा मामला रामपुरा बस्ती का है। जहां पूर्व पार्षद दीपक अरोड़ा के बेटे पर जानलेवा हमला किया गया है। उस पर फायरिंग कर जान से मारने की कोशिश की गई। नयाशहर थाने में दीपक अरोड़ा ने इस आशय की एफआईआर दर्ज कराई है।

दीपक ने आरोप लगाया- उसका बेटा मोहित अरोड़ा अपना काम करके लौट रहा था। इसी दौरान एक बोलेरो में आए सोहन सिंह भाटी और उसके चार-पांच दोस्तों ने मिलकर हमला कर दिया। इस दौरान फायरिंग भी की गई, जिससे वो बाल-बाल बच गया। फायरिंग के बाद सभी वहां से भाग गए।

दीपक अरोड़ा ने आरोप लगाया- किसी रंजिश को लेकर इन लोगों ने हमला किया था। बीछवाल एरिया में बार में भी इन लोगों के साथ विवाद हुआ था। जब वो बीयर बार बंद करके वापस लौट रहा था, तभी उस पर हमला किया गया। बताया जा रहा है कि हमला करने वाले वहां से सर्वोदय बस्ती की ओर भाग गए। घटना के बाद अब तक पुलिस किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

बारिश से 14 डिग्री गिरा तापमानः 3 दिन पूरे राज्य में तेज बरसात का अलर्ट

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में इस बार मौसम के उलटफेर ने सभी को चौंका दिया। जहां इन दिनों हर साल 44 डिग्री सेल्सियस तापमान वाली भीषण गर्मी लोगों को सताती है। वहीं, इस बार सर्दी जैसी धुंध सुबह-सुबह दिखाई दे रही है और मौसम में काफी ठंडक है। कई शहरों में बीते दो दिनों में डेढ़ से 2 इंच तक बरसात हुई है। इस कारण दिन का तापमान सामान्य से 14 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक मौसम की ये स्थिति अभी अगले 3 दिन और बनी रह सकती है।

बारिश के कारण कई बरसाती नदी-नालों में पानी आ गया है।

फॉरेस्ट ऑफिसर की गाड़ी बही

करौली में ऐसे ही एक नाले में फॉरेस्ट ऑफिसर की गाड़ी बह गई। हालांकि ऑफिसर को बचा लिया गया। राज्य में आज की स्थिति देखें तो बीकानेर, हनुमानगढ़, गंगानगर समेत उत्तर राजस्थान के कई हिस्सों में सुबह-सुबह धुंध छाई रही। इससे पहले पिलानी, चूरू, सीकर, अजमेर समेत कई जिलों में देर शाम तेज बारिश हुई।

हनुमानगढ़-गंगानगर एरिया में 30 किलोमीटर स्पीड से चली तेज हवा के साथ तूफानी बारिश हुई। बारिश का ये मौसम देखकर ऐसा महसूस हो रहा है कि इस बार मानसून समय से पहले आ गया हो। शहरों-गांवों में बारिश के कारण जगह-जगह सड़कों और छोटे बरसाती नालों में पानी बहता दिखा। राज्य के कई शहरों में हुई तेज बारिश के बाद मौसम में ठंडक बढ़ गई। अलवर, जयपुर, पिलानी और सिरोही में कल अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे दर्ज हुआ, जो अमूमन नंवबर-दिसंबर के महीने में रहता है। सबसे ठंडा दिन कल अलवर में रहा, यहां दिन का अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो यहां के सामान्य तापमान से 14 डिग्री सेल्सियस कम रहा। मौसम के इस बदलाव के कारण आज उत्तर भारत के कई जिलों में विजीबिलिटी 300 मीटर से भी कम रही।

राजस्थान में मौसम का ये दौर अभी थमने की उम्मीद कम है। क्योंकि आज से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिसकी तीव्रता ज्यादा है। एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन पंजाब-हरियाणा पर बना हुआ है, जिसके असर से एक ट्रफ लाइन यहां से गुजर रही है।

रोडवेज बस ने पति-पत्नी और बच्चे को कुचला

जेसीबी से निकाले शव; 12 मई को होनी थी दो बेटियों की शादी

शाहपुरा, 2 मई (एजेंसियां)। बेटी के ससुराल में शादी में शामिल होने जा रहे बाइक सवार पति-पत्नी और बेटे को रोडवेज बस ने कुचल दिया। टक्कर मारने के बाद 100 मीटर तक घसीटते ले गई। हादसे में तीनों ने मौके पर दम तोड़ दिया। पुलिस ने जेसीबी की सहायता से शवों को बाहर निकाला। मामला भीलवाड़ा के शाहपुरा का है। हादसा मंगलवार सुबह 11 बजे मंडल सांगानेर मेगा हाईवे पर बडेसरा फैक्ट्री के पास मोड पर हुआ।

घटना में भीलवाड़ा में स्थित गांधी नगर निवासी फकरुदीन (45) पुत्र

फतेह मोहम्मद सिलावट, समीम (34) पत्नी फकरुदीन तथा उनका बेटा अली (17) पुत्र फकरुदीन तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार बस वैशाली नगर आगार जयपुर से शाहपुरा होते हुए भीलवाड़ा से उदयपुर की तरफ जा रही थी। वहीं, बाइक सवार भीलवाड़ा के गांधी नगर से शाहपुरा बड़ी बेटी जाहिदा (24) के ससुराल शादी में होने आ रहे थे। घटना के बाद ड्राइवर और कंडेक्टर बस को छोड़कर फरार हो गए। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो सवारियां भी गायब थी।

फकरुदीन (36) के दो बेटे और तीन बेटियां है। बड़ा बेटा राजू उर्फ अनीस (22), छोटे बेटे अली (17) की हादसे में मौत हो गई। बड़ी बेटी जाहिदा (24) की शादी शाहपुरा में हो चुकी है। वहीं, दो बेटियां तैयाबा (22) और साहिबा (19) की 12 मई को शादी होने वाली थी। एक बेटी रिश्ता कोटडी थाना पारौली, जिला भीलवाड़ा और दूसरी बेटी की बारात शाहपुरा से आने वाली थी। सूचना के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंचल मिश्रा थाना अधिकारी राजकुमार नायक मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे।

नाबालिग का अपहरण कर गैंगरेपः 5 युवकों ने दुष्कर्म कर बनाई अश्लील वीडियो, पिता ने दर्ज करवाई एफआईआर

अजमेर, 2 मई (एजेंसियां)। अजमेर जिले के नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग युवती का अपहरण कर उसके साथ 5 युवको द्वारा सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। मामले में पीड़िता के पिता ने नसीराबाद सदर थाने में शिकायत देकर मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने गैंगरेप सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नाबालिग पीड़िता के पिता ने सदर थाने में मामला दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि गत 28 अप्रेल को उसकी पुत्री घर से लापता हो गई थी। जिसकी गुमशुदगी की शिकायत उसने सदर थाने में देते हुए गांव के ही विक्रम सिंह रावत पर उसकी पुत्री को ले जाने की शंका व्यक्त की थी। पीड़ित पिता ने बताया कि 30 अप्रेल को उसके एक रिश्तेदार को उसकी पुत्री मांगलियावास रोड़ की तरफ पैद चलती हुई दिखी जिस पर उक्त रिश्तेदार ने उसे फोन पर सूचना दी तो मैने उसे घर लाने को कहा। रिश्तेदार 30 अप्रेल की रात्रि करीब 8 बजे उसकी पुत्री को घर लेकर पंहुचा तो उसकी पुत्री गुमसुम दिखी।

जिस पर उसने व परिजनों ने पुत्री को प्यार से समझाकर बुझाकर पूछा तो उसकी पुत्री ने रोते बिलखते हुए बताया कि गत 28 अप्रेल को ग्राम पाबूथान निवासी चांद और एक अन्य युवक जिसका नाम नहीं पता उसे बाइक पर बैठाकर ओमप्रकाश के घर ले गए। जहां पर आरोपी चांद, ओमप्रकाश और तीसरे अन्य युवक ने उसके साथ बारी-बारी से सामूहिक दुष्कर्म किया। उसके द्वारा चिल्लाने पर आरोपियों ने मोबाइल से उसकी नग्न फोटो लेकर लोगों को दिखाने की धमकी दी और पूरी रात उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद दूसरे दिन चांद व ओमप्रकाश ने उसे शिकायत नहीं देने की धमकी देते हुए अपने दोस्त के साथ गांव छोड़ने के लिए भेज दिया।

1 किलो 600 ग्राम गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

गश्त के दौरान पुलिस को देख हड़बड़ाया तो हुआ शक, तलाशी लेने पर मिला गांजा

बूंदी, 2 मई (एजेंसियां)। बूंदी की लाखेरी थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को 1 किलो 600 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया है। पुलिस आरोपी से गांजे की खरीद-फरोख्त और तस्करी के नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है।

थानाधिकारी महेश कुमार ने बताया कि सोमवार देर शाम को पुलिस की टीम के साथ गश्त पर थे। इस दौरान रेलवे स्टेशन क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालय के पास एक व्यक्ति नजर आया। पुलिस को देखकर वह हड़बड़ाने लगा तो टीम को शक हुआ। इस पर टीम ने उसको पकड़कर पूछताछ कि तो उसने अपना नाम बाबू लाल गुर्जर बताया। तलाशी लेने पर उसके पास 1 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार लिया और गांजा जब्त कर थाने ले आई। पुलिस आरोपी से मादक पदार्थ के कारोबार के बारे में पूछताछ करने में जुटी है।

बंडी ने भाजपा पार्षदों की गिरफ्तारी की निंदा की

राज्य सरकार पर लगाया अब तक किसानों को कोई वित्तीय सहायता न देने का आरोप

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज शहर में हैदराबाद मेट्रो वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी) कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे अपने पार्टी पार्षदों की गिरफ्तारी की निंदा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पूछा कि क्या वे जल बोर्ड के मैनहोल और स्ट्रॉम वाटर ड्रेन (एसडब्ल्यूडी) में मासूम बच्चों के डूबने की दुखद घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं देंगे? उन्होंने बोर्ड के नाले में गिरने से मासूम विवेक की मौत को करार दिया।

नगर प्रशासन एवं शहरी विकास मंत्री के तारक रामाराव पर निशाना साधते हुए बंडी ने मंत्री से पूछा कि जब राज्य की राजधानी के बच्चे नालों में डूब रहे हैं तो वह क्या कर रहे हैं? पिछले दो दिनों से शहर में हो रही लगातार बारिश का जिक्र करते हुए उन्होंने राज्य सरकार से पूछा कि शहर के निवासियों की परेशानी को रोकने के लिए वह क्या कर रही है? उन्होंने मांग की कि जीएचएमसी और जल बोर्ड दुखद घटनाओं को रोकने के लिए उनके द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताएं?

यह कहते हुए कि बेमौसम बारिश के कारण किसानों को लगभग 50,000 रुपये प्रति एकड़ का नुकसान हुआ है, संजय ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने अभी तक किसानों को कोई वित्तीय सहायता नहीं दी है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री केसीआर का वादा कि उनकी सरकार बारिश से प्रभावित किसानों को 10,000 रुपये प्रति एकड़ की वित्तीय सहायता देगी, राज्य में अभी तक लागू नहीं किया गया है, जबकि इसे शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में धान खरीदी केन्द्रों के संचालन में राज्य सरकार का संवेदनहीन रवैया साफ देखा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार बारिश के कारण खरीद केंद्रों पर लाया गया धान बह जाने के बावजूद राज्य का कृषि विभाग गहरी नींद में है और इसे अक्षम्य अपराध करार दिया।

यह कहते हुए कि हालांकि राज्य सरकार दावा कर रही है कि वह गीला धान खरीद लेगी, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का वादा हकीकत में लागू नहीं किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार पूर्ण विकसित धान खरीद केंद्र स्थापित कर भीगे धान की तत्काल खरीद के लिए कदम उठाए। उपार्जन केन्द्रों के संचालन का खर्च केंद्र सरकार वहन करने की बात कहते हुए उन्होंने राज्य सरकार से पूछा कि धान की खरीद में क्या दिक्कत आ रही है?

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से यह अक्षम्य अपराध है कि केंद्र सरकार द्वारा खर्च वहन किए जाने के बावजूद वह धान की खरीद के लिए पर्याप्त उपाय नहीं कर रही है।

संजय ने मांग की कि सीएम केसीआर आगामी खरीफ सीजन के लिए किसानों को मुफ्त में बीज और उर्वरक की आपूर्ति करें। उन्होंने कहा कि बेमौसम बारिश के कारण किसानों को लगातार हो रहे नुकसान के बावजूद राज्य सरकार ने अभी तक एक व्यापक फसल बीमा योजना शुरू नहीं की है। उन्होंने कहा कि अगर सीएम केसीआर केंद्र सरकार की फसल भीम योजना को तेलंगाना में लागू करते तो किसानों को फसल बीमा राशि मिलती।

सड़क हादसे में एसआई व निजी चालक की मौत

मुलुगु, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु जिले के एतुरनगरम मंडल में मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में एक सब-इंस्पेक्टर और एक निजी चालक की मौत हो गई। एक पुलिस वाहन जिसमें एतुरनगरम पुलिस स्टेशन में सेवारत एसआई बी इंद्रैया (54) और तडवई मंडल के काटापुर गांव के ड्राइवर चेट्टुपल्ली राजू (37) यात्रा कर रहे थे, एक निम्न स्तर को पार करते समय चालक ने पहिया पर नियंत्रण खो दिया। वन क्षेत्र में एतुरनगरमऔर कमलापुर के बीच जीदीवाडू लकीर पर सेतु। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। एक पुलिस कांस्टेबल, श्रीनिवास, जिन्हें चोटें आईं, उन्हें इलाज के लिए स्थानीय पीएचसी में स्थानांतरित कर दिया गया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए एतुरनगरम सीएचसी ले जाया गया।

मंत्री तलसानी ने किया गोशामहल विस के कई क्षेत्रों का दौरा

स्थानीय नेताओं ने वर्षा जनित समस्याओं की दी जानकारी

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर में जारी भारी बारिश के मद्देनजर मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने आज गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के हिंद नगर सहित कई अन्य क्षेत्रों का दौराकर बाढ की स्थिति के साथ-साथ अन्य जन समस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान गोशामहल विस के पार्षद व कई स्थानीय बीआरएस नेता उपस्थित रहे तथा सभी जनसमस्याओं के बारे में मंत्री को जानकारी दी। इस दौरान स्थानीय गोसामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने बताया कि क्षेत्र की सभी समस्याओं के बारे में उन्होंने पिछले सप्ताह में मंत्री तलसानी से मुलाकात कर जानकारी दे दी थी। साथ में यह भी बताया गया था कि जामबाग मंडल में हिंदी नगर की झुग्गियों में बारिश होते ही घरों में पानी जमा हो जाता है। आज आनन-फानन में संबंधित जलकल विभाग के अधिकारियों से बात कर रुके हुए पानी को तत्काल हटवाया गया। स्थानीय आनंद कुमार गौड़ ने स्थानीय लोगों के ध्यान में लाया कि यह समस्या पिछले कुछ वर्षों से पड़ी पुरानी सीवेज लाइन के कारण हो रही है। इस पर मंत्री तुरंत इस समस्या का स्थाई समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। श्री गौड ने मंत्री को बताया कि यहां के लोग कई वर्षों से कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। जवाब में, मंत्री ने कार्यों को मंजूरी देने के लिए वाटर वर्क्स जीएम सर्कल 4 रेड हिल्स का समर्थन किया। आनंद कुमार गौड़ ने बस्ती वासियों की ओर से मंत्री का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बेगमबाजार पार्षद जी. शंकर यादव, जामबाग प्रमंडल के मुख्य सचिव जी. नंदू कुमार, मोहम्मद अहमद, मोहम्मद सलीम, यूसुफ पटेल, निजाम साद, शेख साजिद, मोहम्मद असद, नसीर व अन्य ने भाग लिया।

जनसेवा संघ द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जनसेवा संघ हैदराबाद के तत्वाधान में क्लासिक गार्डन सिकंदराबाद में संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष लाल मोहर चौधरी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया बेगम पेट समिति के प्रमुख हरी किशोर सिंह की अध्यक्षता में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। गायक टीम काशी के सुप्रसिद्ध (विश्वकर्मा भजन मंडली) के प्रमुख केवीएन सिंह, एनके तिवारी, आरपी तिवारी, सोनू तिवारी, रिंकू तिवारी और संतोष बत्रा की टीम को बुलाया गया जिन्होंने भक्ति मय वातावरण को बनाकर बहुत ही सुंदर ढंग से सुंदर भजन, अध्यात्मिक कथाओं के साथ सुंदरकांड का पाठ किया।

महासचिव सुधीर जायसवाल ने बताया कि हैदराबाद शहर में उत्तर भारतीय काफी संख्या में रहते हैं इस तरह के आयोजन से उनका मनोबल बढ़ता है। सांस्कृतिक परिषद के चेयरमैन आरपी सिंह ने सपरिवार राम दरबार की पूजा अर्चना के साथ ही भव्य हनुमान आराधना का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि विनय कुमार सिंह (प्रशासनिक अधिकारी) पूर्व जेल डीजी तेलंगाना सरकार उपस्थित हुए। विशिष्ट अतिथि रामगोपालपेट के पार्षद श्रीमती सुचित्रा श्रीकांत (भारतीय जनता पार्टी,) मोंडा मार्केट के पार्षद श्रीमती के. दीपिका तथा के नरेश, सीआरपीएफ के पूर्व अधिकारी गणेश प्रसाद श्रीवास्तव इस आयोजन पर उपस्थित हुए। आयोजक मंडल के प्रमुख परमानंद शर्मा, सुशील श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव नारायण ओझा, संजय भगत, एसपी सिंह , एल एन चौबे, राधेश्याम राय यादव, राजीव रंजन चौबे, श्रीकांत पांडेय, डीडी तिवारी कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका अदा की।

जैन फाउंडेशन के ट्रस्टियों की दूसरी वार्षिक साधारण सभा आयोजित

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जैन तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्य महाश्रमण जी के हैदराबाद चातुर्मास के समय निर्मित महाश्रमण वाटिका के प्रबंधन ट्रस्ट जैन फाउंडेशन के ट्रस्टियों की दूसरी वार्षिक साधारण सभा की बैठक कल्पतरु भवन में आयोजित की गयी। अध्यक्ष महेंद्र भंडारी में उपस्थित सभी ट्रस्टियों का स्वागत किया तथा बैठक के उद्देश्यों की जानकारी दी। प्रमुखतः भवन को बहु उपयोगी बनाने के लिए आवश्यक निर्माण कार्यों तथा उसके लिए धनराशि के संग्रह के तरीकों पर आपसी विचार विमर्श करने तथा सभी से उनके सुझाव के अनुरूप कार्यों में प्रगति पर चर्चा की गयी।

चर्चा में नए ट्रस्टी बनाने के अतिरिक्त भवन में हाल तथा कमरों के निर्माण हेतु एक निर्धारित राशि का आर्थिक सहयोग लेने पर व्यापक चर्चा हुई तथा सभी ने सर्वसम्मति से इस निर्णय पर अपनी सहमति प्रदान की। बैठक की महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही की दो कमरों के निर्माण के लिए सुनील सुराणा तथा कमल भंडारी ने अपनी सहमति प्रदान की। सभी ने उनके प्रति आभार प्रकट किया। इस साधारण सभा में चेयरमैन महेंद्र भंडारी, मैनेजिंग ट्रस्टी मनोज दुगड़ के अतरिक्त डालचंद सिपाणी, नवीन दस्सानी, संजय छाजेड़, कमल भंडारी, राजकुमार सुराणा, चिरंजीलाल राखेचा, रंजीत कुमार सुराणा, सुनील कुमार सुराणा, सुरेश कोठारी, बसंत सिंघी, प्रेम दुगड़, निर्मल कोठारी, प्रकाश कोठारी, कमल आच्छा, स्नेह दुगड़, विमल दुगड़ उपस्थित थे। सहमंत्री संजय छाजेड़ ने आभार ज्ञापन किया।

यादगिरीगुट्टा मंदिर का कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष वी. हनुमंत राव के साथ दर्शन-पूजन करते हुए पहाड़ी श्याम मंदिर के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया।

एग्रीकल्चर मार्केट कमेटी के सलाहकार बोर्ड की बैठक मार्केट यार्ड, बोइनपल्ली में आयोजित की गई। इसमें भाग लेते हुए मार्केटिंग सलाकहकार बोर्ड के निदेशक ए. गौतम जैन, ई. श्रीनिवास, उपाध्यक्ष वेणुगोपाल रेड्डी व अन्य।

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा की वार्षिक सभा 21 मई को, बैठक हुई

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा की वार्षिक साधारण सभा और वर्ष 2023-25 हेतु नए पदाधिकारियों का चयन 21 मई रविवार को हिमायतनगर स्थित होटल प्लेटिनम में संपन्न होंगे। चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश पंसारी, पर्यवेक्षक गिरधारी लाल अग्रवाल और सहयोगी राजेश अग्रवाल तथा जुगल किशोर अग्रवाल (मित्तल) होंगे। यह निर्णय संपन्न शाखा की कार्यकारी सभा में लिया गया। अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल के स्वागत संबोधन के पश्चात मानद मंत्री योगेश अग्रवाल ने पिछली कार्यकारिणी सभा की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष विजय कुंछल ने वर्ष 2022-23 आय-व्यय का लेखा-जोखा, महिला समिति की संयोजिका सरला अग्रवाल ने महिला समिति की, क्लीनिक संयोजक अक्षय अग्रवाल ने क्लीनिक का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

शाखा द्वारा अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर 26 मार्च को आयोजित किए गए रजत जयंती महोत्सव की जानकारी डॉ दिलीप पंसारी ने प्रस्तुत की। इसी क्रम में राजेश दादू, देवकीनंदन जाजोदिया के साथ ही शाखा के 19 सदस्य और अग्र महिला मंच द्वारा प्रदान किए गए सहयोग हेतु सभा में उन्हें धन्यवाद दिया गया। इस अवसर पर सीमा अग्रवाल, महिला समिति उप संयोजिका, पूजा अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, परामर्शदाता श्याम लाल अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष गिरधारी लाल गुप्त और अन्य ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

दीवार गिरने से महिला की मौत

सिद्दीपेट, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अक्कन्नापेट मंडल के गुडाटीपल्ली में मंगलवार को दीवार गिरने से एक महिला की मौत हो गई।

उसी मंडल के मीरजापुर की बधनापुरम अनुषा (30) ने इमारतों की दीवारों से लोहे के कचरे को उबारने के लिए गांव का दौरा किया था। गुडाटीपल्ली गांव को खाली कर दिया गया था क्योंकि यह गौरावेली जलाशय के नीचे डूब जाएगा। अनुषा दीवारों से लोहे का कचरा इकट्ठा कर रही थी, तभी एक दीवार उसके ऊपर गिर गई। चूंकि उसने अपने पति की कॉल का जवाब नहीं दिया, वह उस स्थान पर पहुंचा और उसे मृत पाया। अक्कन्नापेट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद द्वारा जानकी नवमी महोत्सव

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मिथिला सांस्कृतिक परिषद द्वारा सिकंदराबाद स्थिति लायंस भवन में जानकी नवमी महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पं. मणिकांत झा ने विधिवत पूजा-अर्चना सम्पन्न कराया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में माता जानकी का पूजन, स्तुति एवं सामूहिक आरती-गान किया गया। तत्पश्चात रोशनी झा, विभा झा, नीलम झा, पूनम झा, ममता मिश्र एवं अन्य महिलाओं द्वारा जन्मोत्सव पर एकल व कोरस भक्ति- गीत गाये गयेंसत्येंद्र नाथ झा एवं अमर कान्त मिश्र आदि ने भी भजन गाया। दूसरे सत्र में परिचर्चा तथा साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

धीरेन्द्र कुमार झा ने जानकी जी के जीवन के मुख्यांश को समेटते हुए संक्षिप्त में एक गीत गाकर इस सत्र का संचालन प्रारंभ किया। प्रथम वक्ता के रूप में पूर्व अध्यक्ष संयोग ठाकुर ने जानकी जी के जन्म से लेकर उनके पृथ्वी समाहित होने तक की किंवदंतियों एवं ऐतिहासिक साक्ष्य को उद्धृत किया। परिषद् के अध्यक्ष विनय कुमार झा ने इस परिचर्चा को धार्मिक आस्था के साथ-साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित करते हुए कहा कि सीताजी के जीवन से हमें कई शिक्षा मिलती है। महोत्सव में परिषद् के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्वअध्यक्ष फिरन झा, पूर्वअध्यक्ष एवं वर्तमान सरंक्षक आलोक कुमार झा, उपाध्यक्ष शशिकांत मिश्र, कोषाध्यक्ष मनीन्द्र झा एवं क्षेत्रीय प्रतिनिधि निर्मल कांत झा आदि की उपस्थिति रही।

टीएससीएचई में एमसेट के आयोजन को लेकर बैठक

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन (टीएससीएचई) एमसेट 2023 परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए कमर कस रहा है, जो राज्य भर में दो सत्रों में 10 से 14 मई तक आयोजित की जाएगी। पहला सत्र सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, टीएससीएचई के अध्यक्ष प्रोफेसर आर लिम्बाद्री ने कहा कि पहली बार, तेलंगाना एमसेट के लिए 3.20 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं और परीक्षा के सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था जोरों पर है।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश दोनों राज्यों में कुल 137 परीक्षा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें तेलंगाना में 104 केंद्र और आंध्र प्रदेश में 34 केंद्र हैं। प्रो. लिम्बाद्री ने कहा कि इस बार परीक्षा प्रक्रिया की बारीकी से निगरानी करने और उसे सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सिटिंग ऑब्जर्वर की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। उन्होंने छात्रों से परीक्षा केंद्रों पर अग्रिम रूप से पहुंचने का अनुरोध किया और ईएएमसीईटी के लिए उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए "एक मिनट देर से प्रवेश नहीं करने का नियम" लागू किया जाएगा।

सिकंदराबाद एओसी सेंटर में बाढ की स्थिति, लोग परेशान

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर में हुई भारी बारिश की वजह से एओसी सेंटर, सिकंदराबाद में बाढ सी स्थिति पैदा हो गई है। सड़क पर पेड़ के गिर जाने से भी आवाजाही बिलकुल बंद हो गई है। इससे गभवती महिलाओं, वृद्धों तथा अन्य नागरिकों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि सीवरेज पाइप लाइन बहुत पुरानी होने से जल निकासी सही रूप से नहीं हो पा रही है। स्थानीय लोगों से आज छावनी परिषद के सीईओ मधुकर नाइक से मिलकर इस समस्या की शिकायत की तथा सीईओ ने इस पर तत्काल में ध्यान देने का आश्वासन दिया।

अग्रणी महिला मंच ने की बैठक

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने उक्त जानकारी देते हुए कहा हिमायत नगर स्थित कार्यालय में बैठक की गई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों पे चर्चा की गई। आगामी कार्यक्रम जैसे छाछ वितरण, महापुरुषों की जयंती, एवं अन्य कार्यक्रम को लेके चर्चा की गई। अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, श्रद्धा सुखिया, संगीता जाजोदिया, प्रीति गोयल, रूपा गुप्ता, स्मिता शाह, मीनाक्षी अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

राजभवन में आयोजित गुजरात-महाराष्ट्र स्थापना दिवस में भाग लेती हुईं जागीरदार फाउंडेशन की अध्यक्षा जयाबेन जागीरदार, उपाध्यक्षा गीता शाह, मंत्री रिद्धिश जागीरदार, लव फ़ॉर काउ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, कच्छी मित्र मंडल के अध्यक्ष सुशील कापड़िया, दिनेश गोसर, तरुण महेता, भारतीय जैन संगठना की मंत्री रंजना शाह व अन्य।

राजभवन में गुजरात-महाराष्ट्र स्थापना दिवस आयोजित

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजभवन में गुजरात-महाराष्ट्र स्थापना दिवस राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदराजन की उपस्थिति में मनाया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के पूर्व गवर्नर सी. विद्यासागर की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में गुजरात महाराष्ट्र की पारंपरिक संस्कृति के विविध नृत्यों की प्रस्तुति की गई। बालको द्वारा प्रस्तुत किये गये विविध नृत्य आकर्षण का केंद्र बने। राज्यपाल तमिलिसाई सौंदराजन ने अपने वक्तव्य में गुजरात और महाराष्ट्र राज्यो की अप्रतिम प्रगति की प्रशंशा की। उन्होंने बताया कि राजभवन द्वारा गरीब और आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिस के लिए सहयोग देने की अपील की। इस अवसर पर गुजराती प्रगति समाज के अध्यक्ष महेश पटेल के अलावा और कई गणमान्य की उपस्थिति रही।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पीएम बोले-ये ...

हमारी सरकार मेडिकल से लेकर इंजीनियरिंग तक की पढ़ाई स्थानीय भाषा में कराने पर जोर दे रही है। इससे गांव गरीब के युवाओं को विशेष लाभ होगा।

बीजेपी के घोषणा पत्र में कर्नाटक को देश में नंबर 1 राज्य बनाने के लिए एक रोड मैप है। इसमें आधुनिक बुनियादी ढांचे के लिए एक ब्लू-प्रिंट है, इसमें महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

राहुल गांधी के संबोधन की बड़ी बातें...

राहुल ने हरिहर में कहा, पीएम को यहां के लोगों को बताना पड़ेगा कि बीजेपी ने यहां पानी का वादा किया उसे उन्होंने पूरा नहीं किया। और तो और यहां के किसानों से जमीन छीनी गई। कर्नाटक के तीर्थहल्ली में जनता को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी, यहां जो लोग खेती करते हैं, उन्हें उनकी जमीनें नहीं दी जा रही हैं, तब आपने क्या किया? यहां जो विश्वेश्वरैया आयरन एण्ड स्टील प्लांट था, उसके बारे में आपने क्या किया? ये चुनाव नरेंद्र मोदी जी के बारे में नहीं, यहां के बच्चों, युवाओं और माताओं-बहनों के भविष्य के बारे में है। ये कर्नाटक का चुनाव है।

राहुल ने अपने संबोधन में यह भी कहा, हमने 'मन की बात' नहीं की बल्कि कर्नाटक के मन की बात सुनी। हमने सर्वे किया और प्रदेश के युवाओं, माताओं-बहनों से पूछा कि हमें क्या करना चाहिए। आपने हमें पांच चीजें बताईं, इन पांच कामों को हम पहली कैबिनेट मीटिंग में पारित करने जा रहे हैं।

बीजेपी का सात घेरों का सुरक्षा चक्र :

कर्नाटक की जनता के लिए बीजेपी सरकार ने योजनाओं का सात घेरों का सुरक्षा चक्र तैयार किया है। पीएम मोदी ने रैली के दौरान इन सात योजनाओं के बारे में बताया।

...तो भारत में ...

गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने 21 मार्च को कहा था कि वह फांसी के जरिए मौत की सजा दिए जाने पर विचार कर सकती है। कोर्ट ने इस पर केंद्र से मौत की सजा के अलग-अलग तरीकों पर बेहतर डेटा देने की मांग की थी। इस मामले में वकील ऋषि मल्होत्रा ने 2017 में एक जनहित याचिका दायर की थी और कहा था कि फांसी की सजा की जगह मौत के लिए किसी कम दर्दनाक तरीके पर विचार किया जाना जरूरी है।

वकील बोला-5 ...

इस साल 12 जून से होगी परीक्षा

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2023 के लिए एओआर परीक्षा की तिथियां घोषित कर दी हैं। इस साल परीक्षा 12, 13, 14 और 15 जून को आयोजित की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने नोटिफिकेशन में कहा है कि ऐसे एडवोकेट जो एओआर की परीक्षा में शामिल होना चाहते हैं उनका एप्लीकेशन हर हाल में 6 मई 2023 तक सेक्रेटरी के पास पहुंच जाना चाहिए। 6 मई के बाद किसी भी एप्लीकेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

विराट-गंभीर 10 साल बाद मैदान पर फिर भिड़े

कोहली ने मैदान से सीना ठोका, इशारा किया; मैच फीस का 100% जुर्माना लगाया गया

लखनऊ, 2 मई (एजेंसियां)। लखनऊ में आईपीएल के मैच में विराट कोहली और गौतम गंभीर की टसल एक बार फिर देखने को मिली। दोनों एक दूसरे के सामने आ गए। 5 मिनट तक तीखी नोक-झोंक होती रही। मामला इतना बढ़ गया कि एलएसजी के कप्तान केएल राहुल और सीनियर खिलाड़ी अमित मिश्रा को बीच बचाव करना पड़ा। इसके बाद भी कोहली और गंभीर एक-दूसरे से नाराज दिखे। इससे पहले 2013 में भी दोनों में तीखी बहस हुई थी।

मैच के दौरान विराट ने जूता दिखाकर नवीन उल-हक पर स्लेजिंग भी की। इस विवाद के बाद एलएसजी के मेंटर गौतम गंभीर और आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली पर आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करने पर मैच फीस का 100% जुर्माना लगाया गया। एलएसजी के गेंदबाज नवीन-उल-हक पर भी मैच फीस का 50% जुर्माना लगाया गया। कोहली और नवीन ने अपनी गलती मान ली है। इस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 18 रन से हरा दिया।

कोहली ने लिखा- ना तथ्य, ना ही सत्य

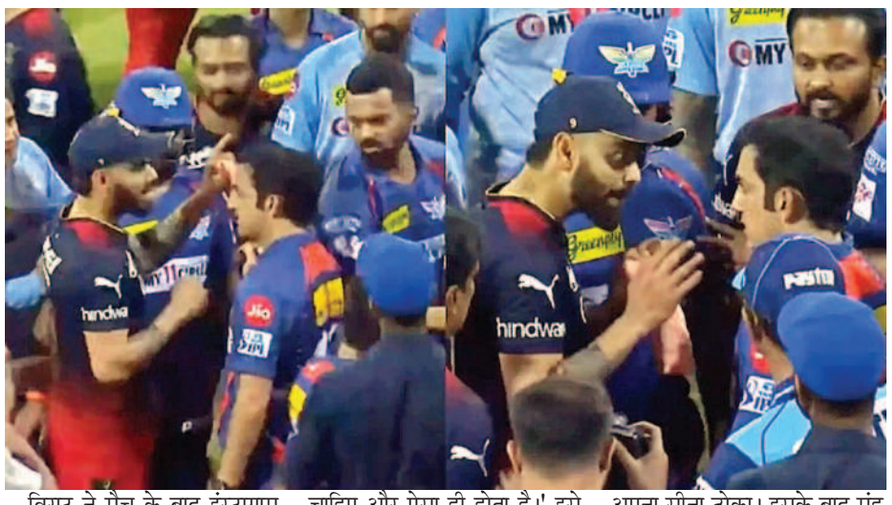

विराट ने मैच के बाद इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इसे सफाई के तौर पर देखा जा रहा है। लिखा, 'जो भी कुछ हम सुनते हैं, वे विचार होते हैं, तथ्य नहीं। हम जो कुछ भी देखते हैं वह एक दृष्टिकोण है, सत्य नहीं। इसके नीचे मार्कस ऑरेलियस का नाम लिखा है

नवीन ने लिखा- आपको वही मिलता है जो आप डिजर्व करते है

मैच के बाद नवीन उल-हक ने भी इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाई है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा- 'आपको वही मिलता है जो आप डिजर्व करते है। ऐसा ही होना चाहिए और ऐसा ही होता है।' इसे भी उस नोक-झोक से जुड़ा माना जा रहा है।

वे 3 पल, जिसकी वजह से झगड़ा हुआ

चौथे ओवर में विराट ने सीना ठोका, इशारा कियाः लखनऊ की टीम बल्लेबाजी कर रही थी। मैच का चौथा ओवर था। क्रुणाल पंडया और आयुष बदोनी बल्लेबाजी कर रहे थे। ग्लेन मैक्सवेल की तीसरी गेंद पर पंड्या ने लॉन्ग पर शॉट मारा। उधर, विराट ने कैच लपका लिया। इसका जश्न मनाते हुए विराट ने स्टैंड्स की तरफ देखकर अपना सीना ठोका। इसके बाद मुंह पर उंगली रखकर इशारा किया। डगआउट में बैठे गौतम ये सब देख रहे थे।

16वें ओवर के बाद विराट ने नवीन को इशारा कियाः16वें ओवर के बाद विराट स्टंप के पीछे से दौड़ते हुए आए और नवीन को देखकर कुछ इशारा किया। इस पर नवीन उल-हक भी उनके करीब आ गए और दोनों में बहस शुरू हो गई। इस बीच विराट ने अपने जूते की तरफ भी इशारा किया और उसमें से मिट्टी निकाली। बाकी खिलाड़ियों ने बीच-बचाव की कोशिश की तो कोहली और अमित मिश्रा के बीच भी बहस हो गई। आरसीबी के दिनेश कार्तिक और अंपायर ने आकर दोनों को अलग किया।

मैच के बाद नवीन-विराट हाथ मिला रहे थेः मैच खत्म होने के बाद लखनऊ और बेंगलुरु के खिलाड़ी जब हाथ मिला रहे थे। इस दौरान नवीन-उल-हक और विराट के बीच बहस शुरू हो गई।

आरसीबी के खिलाड़ी विराट को लेकर चले गए। विराट फिर लखनऊ के ऑलराउंडर काइल मेयर्स के साथ बातचीत करने लगे। तभी गंभीर ने आकर मेयर्स को अपने साथ लेकर जाने लगे। उसी दौरान गंभीर कुछ-कुछ कहने लगे। कोहली ने जवाब दिया। बहस बढ़ गई और दोनों खिलाड़ी भिड़ गए। अंपायर और सीनियर्स खिलाड़ी अमित मिश्रा और लखनऊ कोचिंग स्टाफ के सदस्य विजय दहिया ने बीच-बचाव किया।

बेंगलुरु में गौतम ने मुंह पर उंगली रखकर चुप रहने का इशारा किया था

10 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स ने इस सीजन के 15वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को उसके घर में जाकर हराया था। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर आरसीबी ने 212 रन बनाए थे। मैच की आखिरी गेंद पर लखनऊ ने लक्ष्य हासिल कर लिया था। इस जीत के बाद लखनऊ के मेंटर गौतम गंभीर ने आरसीबी के फैंस की तरफ मुंह पर उंगली रखकर चुप रहने का इशारा किया था।

दोनों में 10 साल पहले 2013 में भी मैच के बाद भी बहस हुई थी

दस साल पहले यानी 2013 में हुए आईपीएल के छठे सीजन के मैच के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच ग्राउंड पर नोंक झोंक हुई थी। तब विराट कोहली आरसीबी में ही थे, जबकि गौतम गंभीर कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान थे।

कभी गौतम ने अपना मैन ऑफ द मैच विराट को दिया था

साल 2009 में गौतम गंभीर ने अपना मैन ऑफ द मैच विराट को दे दिया था। दरअसल, श्रीलंका के खिलाफ मैच था। गौतम ने नाबाद 150 रनों की पारी खेली थी और उनको मैन ऑफ द मैच चुना गया था। इस मैच में विराट (107) ने अपने ओडीआई करियर का पहला शतक बनाया था। गंभीर ने अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान आगे आकर विराट को यह अवॉर्ड सौंप दिया। उस मैच में टीम इंडिया ने श्रीलंका को सात विकेट से हराया था।

40 की उम्र में अमित मिश्रा का बड़ा कारनामा

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बन गए तीसरे गेंदबाज

खेल डेस्क, 2 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में अमित मिश्रा ने आरसीबी के खिलाफ दो विकेट लेते ही एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मैच खेला गया। इस मैच में आरसीबी ने जीत दर्ज की। इस मैच में भले ही लखनऊ की बल्लेबाजी खराब रही हो लेकिन टीम की गेंदबाजी दमदार थी। टीम की तरफ से अनुभवी खिलाड़ी अमित मिश्रा ने दो विकेट झटके। इसी के साथ उन्होंने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

अमित मिश्रा ने कई गेंदबाजों को छोड़ा पीछे

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में आरसीबी की पारी के 15वें ओवर की तीसरी गेंद पर मिश्रा ने सुयश भुदेशाई को पवेलियन भेज दिया। 40 वर्षीय अमित मिश्रा की आईपीएल में यह 171वीं विकेट है। इसके साथ मिश्रा ने लसिथ मलिंगा, पीयूष चावला और आर अश्विन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया जिन्होंने एक समान 170 विकेट अपने नाम किए हैं। आईपीएल में सर्वाधिक विकेट झटकने के मामले में अमित मिश्रा तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके अब 172 विकेट हो गए हैं।

आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अभी ड्वेन ब्रावो के नाम हैं। ब्रावो ने 161 मैचों में183 विकेट चटकाए हैं। भारतीय लेग स्पिनर और मौजूदा समय में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे युजवेंद्र चहल इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। चहल ने 140 मैचों में 178 विकेट चटकाए हैं। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर अमित मिश्रा आ गए हैं जिनके 172 विकेट हो गए हैं।

इस लिस्ट में लसिथ मलिंगा 122 मैचों में 170 विकेट के साथ चौथे, रविचंद्रन अश्विन 193 मैचों में 170 विकेट के साथ पांचवे। पीयूष चावला 170 मैचों में 170 विकेट के साथ छठें नंबर पर मौजूद है। अमित मिश्रा अगर 7 विकेट और ले लेते हैं तो वे युजवेंद्र चहल के 178 विकेट वाले रिकॉर्ड को तोड़ देंगे।

वंतिका अग्रवाल अंतर्राष्ट्रीय मास्टर बनने वाली 11वीं भारतीय महिला

अब एशियन गेम्स में करेंगी कमाल

खेल डेस्क, 2 मई (एजेंसियां)। वंतिका अग्रवाल ने पिछले दो महीनों में चार अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट खेले हैं। इस दौरान उन्होंने फाइड रेटिंग में 61 अंक हासिल किए। वह देश की 11वीं महिला हैं, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय मास्टर का खिताब मिला है। वहीं, रैंकिंग में वह तीसरे स्थान पर हैं।

एशियन गेम्स से पहले भारत की चेस खिलाड़ी वंतिका अग्रवाल शानदार लय में चल रही हैं। उन्होंने पिछले दो महीनों में चार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेले हैं। इस दौरान उन्होंने फाइड रेटिंग (अंतर्राष्ट्रीय शतरंज संघ) में 61 अंक हासिल किए हैं। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर वह देश की तीसरी सबसे बेहतरीन रैंकिंग वाली खिलाड़ी बन गई हैं। अब वंतिका से ऊपर सिर्फ कोनेरू हंपी और हरिका द्रोणवल्ली हैं। हंपी देश की शीर्ष रैंकिंग वाली महिला खिलाड़ी हैं। वहीं, हरिका दूसरे स्थान पर हैं।

महिला ग्रैंड मास्टर वंतिका के पास 2428 रेटिंग अंक हैं, जबकि हरिका के पास 2501 और हंपी के पास 2567 अंक हैं। वंतिका ने बुडापेस्ट में अपना तीसरा और अंतिम आईएम मानदंड हासिल किया और शतरंज में अंतर्राष्ट्रीय मास्टर खिताब हासिल करने वाली 11वीं भारतीय महिला बन गई हैं। उनका चयन चीन के हांग्जो में होने वाले एशियाई खेलों के लिए किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में भी उनसे काफी उम्मीदें होंगी।

मेनोरका ओपन में बनी चैंपियन

वंतिका पिछले महीने स्पेन में मेनोरका ओपन में महिला चैंपियन बनी थी। उन्होंने जनवरी 2023 में कोहलापुर में आयोजित राष्ट्रीय महिला चैंपियनशिप में कांस्य पदक और फरवरी 2023 में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के लिए स्वर्ण पदक भी जीता है। वह 2022 में 44वें शतरंज ओलंपियाड में भारत की दूसरी टीम के लिए पहले बोर्ड में खेली थीं और आईएम मानदंड हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी थीं।

2021 में बनी थीं महिला ग्रैंड मास्टर

वंतिका ने 2021 में महिला ग्रैंड मास्टर का खिताब हासिल किया था और राष्ट्रीय महिला चैंपियन बनीं थीं। उन्होंने इसी साल फाइड बिनेंस बी स्कूल कप में अपनी स्कूल एसआरसीसी के लिए स्वर्ण पदक जीता था। 2020 में वह चेस ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। वंतिका को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सम्मानित कर चुके हैं और खेल में उनकी उत्कृष्टता के लिए पूर्व भारतीय राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने राष्ट्रपति पुरस्कार से भी उन्हें सम्मानित

'वो चतुर गेंदबाज, उन्हें पिक करना इतना आसान नहीं'

भारतीय युवा स्पिनर की तारीफ में माइकल वॉन ने कही बड़ी बात

खेल डेस्क, 2 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 के 40वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स को 9 विकेट से हरा दिया। इस मैच में एसआरएच के युवा लेग स्पिनर मयंक मार्कंडे ने कमाल की बॉलिंग की। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 20 रन देकर 2 विकेट निकाले और जीत में अपनी टीम के लिए अहम योगदान दिया। इस खिलाड़ी ने अपनी स्पिन बॉलिंग से इंग्लैंड टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन को काफी प्रभावित किया है।

माइकल वॉन ने मैच के बाद युवा लेग स्पिन मयंक मारकंडे की काफी तारीफ की है और कहा है कि उनको पिक करना किसी भी बल्लेबाज के लिए बिल्कुल भी आसान काम नहीं होता है। साथ ही उन्होंने इस बॉलर को चतुर बताया है।

माइकल वॉन ने क्रिकबज्ज पर बातचीत के दौरान अपने बयान में कहा कि 'मयंक मारकंडे काफी चतुर गेंदबाज हैं। उनके पास दूसरी तरफ से भी स्पिन कराने की क्षमता है। मुझे नहीं लगता है कि उन्हें पिक करना इतना आसान होता होगा। बल्लेबाज समझ ही नहीं पा रहे होंगे कि गेंद किस तरफ से स्पिन होगी। जब आपको यही ना पता हो तो फिर शॉट लगाना आसान नहीं होता है।'

साइना नेहवाल ने लिया बड़ा फैसला, एशियाई खेलों के ट्रायल से हुई बाहर

खेल डेस्क, 2 मई (एजेंसियां)। साइना नेहवाल ट्रायल्स में भाग नहीं लेंगी क्योंकि उन्हें फिटनेस संबंधी कुछ दिक्कतें हैं। साथ ही कुशल राज और प्रकाश राज की पुरुष जोड़ी भी ट्रायल्स से हट गई है। नई दिल्लीः दो बार की राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन साइना नेहवाल फिटनेस के चलते आगामी एशियाई खेलों के लिए राष्ट्रीय बैडमिंटन चयन ट्रायल में भाग नहीं लेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चीन के हांगझोउ में होने वाले टूर्नामेंट के लिए तेलंगाना में ज्वाला गुट्टा अकादमी ऑफ एक्सीलेंस में 4 से 7 मई तक ट्रायल आयोजित करेगा। साइना नेहवाल इसमें भाग नहीं लेंगी क्योंकि उन्हें फिटनेस संबंधी कुछ दिक्कतें हैं। साथ ही कुशल राज और प्रकाश राज की पुरुष जोड़ी भी ट्रायल्स से हट गई है। हालांकि, बाकी खिलाड़ी जिन्हें ट्रायल के लिए आमंत्रित किया गया था, वे इस सप्ताह प्रतिस्पर्धा करेंगे।

चोटों से जूझ रही हैं साइना

साइना आखिरी बार अप्रैल में ऑरलियन्स मास्टर्स में खेली थीं। पिछले कुछ समय से वह चोटों से जूझ रही हैं। पूर्व विश्व नंबर-1 खिलाड़ी ने जनवरी में बैडमिंटन एशिया मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप के ट्रायल में हिस्सा नहीं लिया था। वह पिछले साल कॉमनवेल्थ गेम्स के ट्रायल्स में भी हिस्सा नहीं ले पाई थीं।

शीर्ष 20 रैंकिंग लिस्ट के खिलाड़ियों को सीधे एंट्री

बीएआई ने डबल ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, एचएस प्रणय, चिराग शेट्टी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को सीधे चुना था। ये चयन 18 अप्रैल को बीडब्ल्यूएफ शीर्ष 20 रैंकिंग लिस्ट में उनके स्थान पर आधारित रहा। राष्ट्रीय महासंघ ने 22 अप्रैल को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल के लिए खिलाड़ियों की सूची जारी की थी, जिसकी पुष्टि के लिए समय सीमा 28 अप्रैल तय की गई थी।

पुरुष एकल और महिला एकल के लिए तीन खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा

विश्व चैंपियनशिप के रजत और कांस्य पदक विजेता किदांबी श्रीकांत, राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन, ऑरलियन्स मास्टर्स सुपर 300 विजेता प्रियांशु राजावत, राष्ट्रीय चैंपियन मिथुन मंजूनाथ और टोक्यो ओलंपियन बी साई प्रणीत नौ पुरुषों में शामिल हैं। महिला एकल में आकाशी कश्यप, मालविका बंसोड़, अश्मिता चालिहा, उन्नति हुड्डा ट्रायल्स में मौजूद महिला एकल खिलाड़ियों में शामिल होंगी। पुरुष एकल और महिला एकल के लिए तीन खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा, जबकि दो मिक्स्ड डबल, एक पुरुष और एक महिला जोड़ी को ट्रायल्स से चुना जाएगा।

'नंबर 5 पर खुश नहीं', मोहम्मद रिजवान बैटिंग पोजिशन से निराश

बीच सीरीज छेड़ी नई बहस

खेल डेस्क, 2 मई (एजेंसियां)। मोहम्मद रिजवान ने सोमवार को कराची में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बात की। उन्होंने कहा- निजी तौर पर मैं पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करके खुश नहीं हूं।

नई दिल्लीः पाकिस्तान-न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही 5 मैचों की वनडे सीरीज में पाकिस्तान ने पहले दो मुकाबले जीत लिए हैं। पाकिस्तान के लिए फखर जमां और इमाम उल हक ओपनिंग कर रहे हैं और इस स्लॉट को लेकर खींचतान जारी है। जहां फखर कह चुके हैं कि वे ओपनिंग में बाबर-रिजवान से बेहतर हिट कर सकते हैं तो वहीं अब रिजवान ने भी अब नई बहस छेड़ दी है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने वनडे में नंबर 5 पर खेलने को लेकर चिंता और निराशा जताई है।

नंबर 4 पर उतारने का सुझाव

रिजवान को न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही सीरीज के दौरान 5वें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। हालांकि उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की है और अब तक दो

मैचों में 96 रन बना चुके हैं। इसके बावजूद उनका बल्लेबाजी क्रम चर्चा का विषय बन रहा है। राशिद लतीफ सहित कई पूर्व क्रिकेटरों ने पाकिस्तान टीम प्रबंधन को चौथे नंबर पर रिजवान को उतारने का सुझाव दिया है।

मैं चौथे नंबर पर खेलना चाहता हूं, लेकिन मेरी इच्छा से कोई फर्क नहीं पड़ता

रिजवान ने 3 मई को होने वाले तीसरे मैच से पहले सोमवार केा कराची में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बात की। उन्होंने कहा- निजी तौर पर मैं पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करके खुश नहीं हूं। मैं चौथे नंबर पर खेलना चाहता हूं, लेकिन मेरी इच्छा से कोई फर्क नहीं पड़ता। अंतिम फैसला कप्तान और कोच का है और हमें इसे स्वीकार करना होगा। उन्होंने कहा- मैंने इसकी शिकायत किसी से नहीं की है। यह अनिवार्य नहीं है कि खिलाड़ी जो चाहता है उसे मिल जाए। रिजवान ने वनडे में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 20 पारियों में 43.85 की औसत से 742 रन बनाए हैं।

आलोचकों को सलाम

हालांकि बाबर-रिजवान को अपनी बैटिंग को लेकर कई बार आलोचना का भी सामना करना पड़ता है। रिजवान ने इस पर कहा- "आलोचकों को सलाम। अगर वे पाकिस्तान के बारे में सोचते हैं तो अच्छा है क्योंकि रचनात्मक आलोचना हमारे खेल को आगे ले जाएगी।" "हम इस साल विश्व कप में जा रहे हैं। विश्व कप 20 खिलाड़ियों के लिए नहीं है, इसमें मीडिया सहित सभी शामिल हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट दबाव के बारे में है और हम इसे संभालने के आदी हैं।"

रवि शास्त्री का ये बयान कहीं सौरव गांगुली पर निशाना तो नहीं?

खेल डेस्क, 2 मई (एजेंसियां)। अभी तो रवि शास्त्री ने बस ये बड़ा बयान दिया है. लेकिन, इससे पहले वो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में विराट कोहली के कप्तान बनाए जाने की भी बात कर चुके हैं.

रवि शास्त्री की आवाज इन दिनों आईपीएल में गूंज रही है. आईपीएल 2023 में वो हर जगह छाए हैं. लेकिन, इसी बीच एक इंटरव्यू में उन्होंने एक बड़ा राज भी खोला है. उनहोंने कहा कि टीम इंडिया के साथ 7 साल तक जुड़े होने के बावजूद भी, उन्होंने कभी सेलेक्शन कमिटी की मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया.

हालांकि, रवि शास्त्री ने सौरव गांगुली का नाम नहीं लिया है. लेकिन, उनकी बातों से साफ है कि कहीं ना कहीं निशाना उन्हीं की ओर है. सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि रवि शास्त्री ने पूरी बात कही क्या है?

शास्त्री ने जो कहा उसके मुताबिक वो 7 साल तक टीम इंडिया से जुड़े रहे. लेकिन कभी भी सेलेक्शन कमिटी की मीटिंग में नहीं गए. उनकी मानें तो उन्हें कभी मीटिंग में हिस्सा लेने के लिए बुलाया भी नहीं गया. उन्होंने कहा कि बीते कुछ सालों में कई ऐसे लोगों ने सेलेक्शन मीटिंग में हिस्सा लिया है, जिन्हें वहां नहीं होना चाहिए था क्योंकि बीसीसीआई का संविधान इसकी इजाजत नहीं देता.

अब बाकी सब तो ठीक है लेकिन उन्होंने जो इस पूरी बात में आखिरी लाइन कही है कि सेलेक्शन मीटिंग में कई ऐसे लोग बैठते थे, जिन्हें वहां नहीं होना चाहिए था, ये संभवतः इशारा सौरव गांगुली की ओर ही है.

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए कहा था- विराट बनें कप्तान

बहरहाल, बता दें कि इससे पहले रवि शास्त्री वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में विराट कोहली के कप्तान बनाए जाने की भी बात कर चुके हैं. उन्होंने कहा था कि डब्ल्यूटीसी फाइनल बड़ा टूर्नामेंट है, जिसके लिए वो चाहेंगे कि रोहित शर्मा फिट रहें. लेकिन अगर वो अनफिट रहते हैं तो वो चाहेंगे कि फिर कप्तान विराट कोहली को ही बनाया जाए.

एशिया कप : पाकिस्तान के बिना भारत 5 देशों का टूर्नामेंट करा सकता है

इस्लामाबाद, 2 मई (एजेंसियां)। इस साल सितंबर में पाकिस्तान में होने वाला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट कैंसिल हो सकता है। यह दावा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के हवाले से पाकिस्तानी वेबसाइट 'पाकिस्तान क्रिकेट' ने किया है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि एशिया कप कैंसिल होने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पांच देशों के टूर्नामेंट का आयोजन कर सकता है। इसमें पाकिस्तान को छोड़कर एशिया की अन्य सभी टीमें हिस्सा ले सकती हैं।

विवाद की वजह

आईसीसी के कैलेंडर में 2023 में होने वाले एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई है। बीसीसीआई ने कैलेंडर जारी होते ही यह साफ कर दिया था कि भारतीय टीम खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। बीसीसीआई ने एशिया कप किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराने को कहा था, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड नहीं माना, क्योंकि अपनी बिगड़ी हुई आर्थिक स्थिति संवारने के लिए उसे एशिया कप से ही उम्मीद है।

हालांकि पाकिस्तान ने टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर कराने का प्रस्ताव भी दिया है। इसके मुताबिक भारत के मैच बाहर करा दिए जाएंगे और बाकी टूर्नामेंट पाकिस्तान में होगा। भारत अगर फाइनल में पहुंचता है तो फाइनल भी पाकिस्तान के बाहर होगा।

इस पर बीसीसीआई की ओर से कोई साफ बयान नहीं आया है। बीच में यह खबर आई थी कि बांग्लादेश और श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड ने हाइब्रिड मॉडल का विरोध किया है। उनका कहना है कि इससे टूर्नामेंट का खर्च बढ़ेगा और रेवेन्यू में उनकी हिस्सेदारी में कमी आएगी।

जय शाह ने हाल ही में कहा था एशिया कप पर अभी कोई फैसला नहीं

हाल ही में बी सी सी आ ई सचिव और एशिया क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष जय शाह ने कहा था कि एशिया कप में टीम इंडिया के मैच पाकिस्तान के बजाय दूसरे देश में कराने को लेकर पीसीबी के प्रस्ताव पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। अन्य देशों से भी उनके फीडबैक लिए जा रहे हैं। उस फीडबैक के आधार पर ही अगला फैसला लिया जाएगा।

10 साल में भारत-पाक के बीच 15 मैच

दोनों देशों के बीच आखिरी बाइलैट्रल सीरीज जनवरी 2013 में भारत में हुई थी। पाकिस्तान ने इस दौरे पर 3 वनडे और 2 टी-20 खेले थे। इसके बाद दोनों देश मल्टीनेशन टूर्नामेंट में ही भिड़े। दोनों के बीच सभी फॉर्मेट के कुल 15 मुकाबले ही हो सके। इनमें 8 वनडे और 7 टी-20 खेले गए। इनमें भारत ने 11 और पाकिस्तान ने 4 जीते।

पाकिस्तान 2016 में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने आ चुकी है

टीम इंडिया राजनीतिक कारणों से पाकिस्तान नहीं जाती है, लेकिन पिछले 10 सालों में पाकिस्तान की टीम 2016 का टी-20 वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत आ चुकी है। बाइलैट्रल सीरीज न होने के कारण 2007 के बाद दोनों के बीच कोई टेस्ट मैच भी नहीं खेले गए।

सरकार वर्षा प्रभावित किसानों के साथ : केटीआर

मंत्री ने बारिश से हुए नुकसान का जायजा लिया

राजन्ना सिरसिल्ला, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिरसिल्ला में बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान के बाद किसानों को बहादुर बनने और चिंता न करने का आश्वासन देते हुए नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामा राव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ है, जिन किसानों की फसल बर्बाद हुई है, सरकार हर संभव सहायता प्रदान करेगी। मंत्री ने मंगलवार को मुस्तबाद मंडल के गोपालपल्ली में धान खरीद केंद्र का दौरा करने के अलावा येल्लारेड्डीपेट मंडल के गुंटापल्ली चेरुवु थंडा और वीरनापल्ली में खेतों में क्षतिग्रस्त धान की जांच की। किसानों के साथ बातचीत करते हुए, मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उनके साथ है। सरकार प्रभावित किसानों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों को बहादुर बताते हुए मंत्री ने कृषक समुदाय से आशा नहीं खोने का भी अनुरोध किया। खरीद केंद्रों में भंडारण के दौरान खराब हुई फसल के अलावा, खेतों में खराब हुई खड़ी फसल को भी राज्य सरकार द्वारा खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि लावणी पट्टा वाले किसानों को भी मुआवजा दिया जाएगा।

वर्तमान स्थिति के लिए कोई भी जिम्मेदार नहीं है क्योंकि बेमौसम बारिश के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा है। राज्य सरकार किसानों को पर्याप्त पानी, बिजली, खाद और अन्य सुविधाएं मुहैया करा रही है, लेकिन बारिश को रोकना किसी के लिए भी संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों को देश में सबसे ज्यादा मुआवजा दिया जाएगा।

मंत्री के दौरे में बाधा डालने वाले कांग्रेसी हिरासत में

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री केटी रामाराव के काफिले को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को राजन्ना सिरसिला जिले के येल्लारेड्डीपेटा में रोकने की कोशिश की। केटीआर किसानों की फसलों को बेमौसम बारिश से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए निर्वाचन क्षेत्र का दौरा कर रहे थे।

कांग्रेस के प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां पकड़ रखी थीं और केटीआर के काफिले में वाहनों को रोकने की कोशिश की, जिसके कारण पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। कांग्रेस पार्टी ने मांग की कि बेमौसम बारिश से भीगे धान की खरीद की जाए। मंत्री केटीआर के आने की जानकारी पर कांग्रेसी प्रदर्शन की तैयारी में लगे हुए थे।

जवाहर नगर में अवैध निर्माण गिराया गया

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहर नगर में एचएमडीए की जमीन पर अवैध निर्माण पर अधिकारियों ने कार्रवाई की।

सरकारी जमीन पर बने अवैध ढांचों को स्थानीय पुलिस की मदद से अधिारियों और प्रवर्तन तंत्र द्वारा संयुक्त रूप से ध्वस्त कर दिया गया था।

उनमें से, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) के अधिकारियों द्वारा तीन घर की संरचनाएं, पांच बेसमेंट, परिसर की दीवारें और बिजली के खंभे जमीन पर गिरा दिए गए। एचएमडीए के तहत विभिन्न सर्वेक्षण संख्या में लगभग तीन हजार (3,000) यार्ड क्षेत्रों में पाए गए अवैध निर्माणों को अधिकारियों ने ध्वस्त कर दिया है। बाद में अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ अधिकारियों ने जवाहर नगर पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कराई।

फोरेंसिक लैब का भरपूर उपयोग करें और दोष सिद्धि सुनिश्चित करें : डीजीपी

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अंजनी कुमार ने पुलिस अधिकारियों से फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं का सर्वोत्तम उपयोग करने और आपराधिक मामलों में संदिग्धों की सजा सुनिश्चित करने के लिए कहा। जांच अधिकारियों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम के तहत मंगलवार को आयोजित एक राज्य स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस में उन्होंने सुझाव दिया कि अधिकारियों को जांच के लिए भेजे गए नमूने के साथ प्रयोगशालाओं में प्रश्नों का एक सही सेट जमा करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उचित प्रश्नावली भेजने से परीक्षण करने वाले वैज्ञानिक को जांच अधिकारी की विशिष्ट आवश्यकता को समझने और उसके अनुसार काम करने में मदद मिलेगी। तेलंगाना फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (टीएफएसएल) के विशेषज्ञों ने कंप्यूटर, मोबाइल फोन, अन्य डिजिटल उपकरणों, फोरेंसिक ऑडियो/वीडियो, आवाज विश्लेषण और पोस्को मामलों से डेटा पुनर्प्राप्ति के अवलोकन के बारे में बताया।

अंजनी कुमार ने कहा कि साइबर क्राइम की जांच में फोरेंसिक साइंस की अहम भूमिका होती है, जो आपराधिक जांच में सबसे नई चुनौती है। इसके अलावा पोस्को मामलों की जांच में इसे प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने का सुझाव दिया गया है। टीएफएसएल की निदेशक, अतिरिक्त महानिदेशक शिखा गोयल ने कहा कि प्रयोगशाला पॉक्सो मामलों की जांच में हफ्तों के भीतर रिपोर्ट प्रदान करती है। नशीले पदार्थों और नशीले पदार्थों का पता लगाने के लिए सबसे उन्नत उपकरण प्रदान किए गए हैं।

डीजीपी ने पुलिस से नागरिकों से विनम्रता से बात करने को कहा

डीजीपी अंजनी कुमार ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि वे नागरिकों से विनम्रता से बात करें और थाने में आने वाले किसी भी व्यक्ति के स्वाभिमान को महत्व दें। उन्होंने अधिकारियों को हिरासत में हिंसा और मौतों के बारे में बेहद सतर्क रहने को कहा।

बारिश पानी से भरे गड्ढे में गिरने से मासूम की मौत

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को बारिश के पानी से भरे गड्ढे में गिरने से एक छह साल के बच्चे की मौत हो गई। पास में खेलते समय विवेक गलती से गड्ढे में गिर गया और डूब गया। यह घटना जुबली हिल्स रोड नंबर 45 पर हुई। लड़का एक मोटरबाइक शोरूम के बगल में एक खुली जगह में एक गड्ढे में गिर गया, जहां उसके पिता कार्यरत थे। यह परिवार करीब छह साल पहले आंध्र प्रदेश के काकीनाडा से हैदराबाद आया था। लड़के के पिता भीमा शंकर एक मोटरबाइक शोरूम में चौकीदार के रूप में काम करते हैं। शहर में पिछले तीन-चार दिनों से बेमौसम बारिश के कारण गड्ढे में पानी भर गया था। चार दिनों में हैदराबाद में इस तरह की यह दूसरी घटना है। बीते 29 अप्रैल को सिकंदराबाद के कलासिगुड़ा में एक खुले मेनहोल में गिरने के बाद एक 11 वर्षीय लड़की नाले में बह गई। यह घटना तब हुई जब मृत लड़की मौनिका अपने भाई के साथ दूध लेने के लिए अपने घर से बाहर निकली।

यात्रियों से भरी आरटीसी बस में आग लगी

पश्चिम गोदावरी। 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पश्चिम गोदावरी जिले के श्रृंगवृक्षम में मंगलवार को 40 यात्रियों को ले जा रही आंध्रप्रदेश परिवहन निगम की बस में आग लग गई। सूत्रों के मुताबिक, घटना के समय बस भीमावरम से पालकोली जा रही थी।

सतर्क चालक ने आग पर ध्यान देने के बाद बस पर सवार सभी यात्रियों को संभावित आपदा से बचा लिया। जल्दी से बस को सड़क के किनारे खड़ी कर दिया। इसके बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित होगा नेहरू जू-पार्क

मंत्री इंद्रकरन रेड्डी की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार ने साठ साल पूरे कर चुके हैदराबाद नेहरू चिड़ियाघर पार्क को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने का फैसला किया है। तेलंगाना के चिड़ियाघर और पार्क प्राधिकरण (जेडएपीए) गवर्निंग काउंसिल की बैठक वन और पर्यावरण मंत्री अलोला इंद्रकरन रेड्डी की अध्यक्षता में अरण्य भवन में हुई।

शासी परिषद की बैठक में राज्य में नेहरू चिड़ियाघर पार्क और अन्य चिड़ियाघरों को और विकसित करने और उन्हें पर्यावरण के अनुकूल कार्यक्रमों के साथ आगंतुकों के लिए और अधिक आकर्षक बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में काकतीय जू पार्क-हनुमाकोंडा, पलासमर्री मिनीजू पार्क- महबूबनगर, लोअर मनेरू डियर पार्क- करीमनगर, किन्नरसनी डियर पार्क-पलवांचल, पशु संरक्षण-प्रदर्शनी गतिविधियों, केबीआर, मृगावनी, महावीर हरिना वसंतली और अन्य शहरी वन उद्यानों पर मुख्य रूप से चर्चा की गई। बैठक में नेहरू चिडियाघर में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुविधाओं में सुधार, जंगली जानवरों के आवासों को अधिक आरामदायक बनाने, अधिक आकर्षक जानवरों का आयात करने, आगंतुकों के लिए अधिक सुविधाएं, और एक पर्यावरण विज्ञान केंद्र स्थापित करना, कांच के विभाजन वाले बाड़ों में बाघों और शेरों को देखने की सुविधा प्रदान करने पर चर्चा की गई। क्यूरेटर प्रशांत पाटिल ने नेहरू चिड़ियाघर पार्क में मौजूदा सुविधाओं और आगे के विकास के अवसरों पर एक प्रस्तुति दी। मंत्री इंद्रकरण रेड्डी ने विशेषज्ञों के सुझावों से जल्द से जल्द क्रियान्वयन के लिए कदम उठाने का आदेश दिया। मुख्य वन अधिकारी (पीसीसीएफ, एचओओएफ) आर.ए.एम. डोब्रियल ने कहा कि सरकार की अनुमति से, हैदराबाद के साथ-साथ सभी चिड़ियाघर पार्क, राष्ट्रीय उद्यान और शहरी वन पार्क को पर्यावरण के अनुकूल बनाया जाएगा और जनता के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। शासी परिषद ने स्वामित्व की बढ़ी हुई लागत को देखते हुए नेहरू चिड़ियाघर पार्क के प्रवेश शुल्क में मामूली वृद्धि को मंजूरी दे दी है।

इसके बाद से सप्ताह के दिनों में वयस्कों के लिए 70 रुपये, छुट्टियों पर 80 रुपये, बच्चों के लिए 45 रुपये और छुट्टियों पर 55 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। शासी निकाय ने जानवरों को गोद लेने और रखरखाव लागत दान करने की सुविधा का और विस्तार करने का निर्णय लिया है। मिरलाम टैंक से जू पार्क में आने वाले पानी को नियंत्रित करने और मिशन भागीरथ के माध्यम से पशुओं के लिए पेयजल आवास उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में जू पार्क के निदेशक विनय कुमार, ओएसडी शंकरन, जैपैट शासी निकाय के सदस्य, विभिन्न चिड़ियाघर पार्कों और राष्ट्रीय उद्यानों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

निजी विश्वविद्यालयों को लेकर एनएसयूआई का मंत्री आवास पर प्रदर्शन

प्रदेश एनएसयूआई अध्यक्ष बालमुरी वेंकट सहित पंद्रह नेता हिरासत में

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) की तेलंगाना इकाई के नेताओं ने मंगलवार को यहां शिक्षा मंत्री पी. सबिता इंद्रा रेड्डी के घर का घेराव करने की कोशिश की और बिना उचित अनुमति के निजी विश्वविद्यालयों को अनुमति देने के लिए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी अमीरपेट इलाके में श्रीनगर कॉलोनी में मंत्री के आवास के बाहर एकत्र हुए और सरकार से गैर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों को अनुमति रद्द करने की मांग की। पुलिस ने घेराबंदी करने की कोशिश करने वाले एनएसयूआई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। एनएसयूआई तेलंगाना के अध्यक्ष बालमुरी वेंकट सहित पंद्रह नेताओं को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें गोशामहल पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया। बालमूरी वेंकट ने आरोप लगाया कि निजी विश्वविद्यालय छात्रों को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने पहले कहा था कि वे अवैध रूप से प्रवेश की अनुमति देने के लिए गुरुनानक और श्रीनिधि विश्वविद्यालयों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार बिना उचित अनुमति के निजी विश्वविद्यालयों को अनुमति दे रही है।

2008 में राज्य सरकार ने पांच निजी विश्वविद्यालयों को अनुमति दी और 2021 में सरकार ने फिर से छह विश्वविद्यालयों को अनुमति दी। उन्होंने कहा कि उचित दिशा-निर्देशों के तहत निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना के लिए राज्यपाल की मंजूरी आवश्यक है। लेकिन, राज्य सरकार ने उन निजी विश्वविद्यालयों को अनुमति दी है, जिन्होंने बिना उचित सुविधाओं के छात्रों को प्रवेश देने के लिए नियमों का उल्लंघन किया है।

शिक्षा विभाग राज्य में अवैध रूप से चल रहे निजी विश्वविद्यालयों के खिलाफ कार्रवाई करता है। वेंकट ने आरोप लगाया कि प्रबंधन ने राजनीतिक प्रभाव से निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना की है और अभिभावकों से मोटी फीस वसूल कर छात्रों को ठगने में लिप्त है। प्रबंधन ने अनुमोदन देने में देरी के लिए अपने छात्रों को राज्यपाल के आवास पर धरना देने के लिए भी प्रभावित किया।

वेंकैया नायुडू ने पाका इडली का आनंद लिया

विजयवाड़ा, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने विजयवाड़ा के एक इडली सेंटर में नेठी इडली का लुत्फ उठाने के लिए विजयवाड़ा के नगर कर्मचारी कॉलोनी पहुंच गए। सूत्रों के अनुसार, वेंकैया नायडू ने पूर्व मंत्री कामिनेनी श्रीनिवास राव के साथ प्रसिद्ध पाका इडली का स्वाद चखने के लिए गन्नावरम से विजयवाड़ा की विशेष यात्रा की। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण इडली परोसने के लिए मालिक कृष्ण प्रसाद की सराहना की। वेंकैया नायडू पाका इडली के लिए अपना विशेष प्यार बताया।

अवैध हुक्का पार्लर चलाने वाले दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर पुलिस आयुक्त की टास्क फोर्स, पश्चिम क्षेत्र ने बड़ा बाजार, गोलकोंडा, हैदराबाद में अवैध हुक्का पार्लर चलाने वाले लो लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों के पास से भारी मात्रा में अवैध सामाग्री मिली है। गिरफ्तार लोगों में मिर्जा इब्राहिम अहमद निवासी बड़ा बाजार, गोलकुंडा, मोहम्मद वाजिद निवासी लैंगरहाउस, हैदराबाद शामिल है। जबकि इस मामले का एक अन्य आरोपी मिर्जा फुरकान बेग फरार बताया रहा है। पुलिस के अनुसार मिर्ज़ा इब्राहिम अहमद ने खुलासा किया कि, मिर्ज़ा इब्राहिम अहमद और मिर्ज़ा फुरकान बेग दोनों दोस्त हैं। दोनों ने हुक्का कारोबार से पैसा कमाने का फैसला किया और मोहम्मद वाजीद को भी इसमें शामिल किया। इन आरोपी व्यक्तियों और जब्त सामग्री को आगे की कार्रवाई के लिए एसएचओ गोलकोंडा थाने को सौंप दिया। आरोपियों की गिरफ्तारियां पुलिस उपायुक्त (ओएसडी), आयुक्त टास्क फोर्स, पी. राधा किशन राव, की देखरेख में एमडी खलील पाशा, पुलिस निरीक्षक, पश्चिम क्षेत्र और एसआई मोहम्मद मुजफ्फर अली ने की।

हैदराबाद में अगले छह दिनों तक बारिश का अनुमान

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में अगले छह दिनों के मौसम के पूर्वानुमान में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद के पूर्वानुमान के अनुसार कई दिनों तक शहर में एक या दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। मौसम का यही मिजाज 3 मई को भी जारी रहने के आसार हैं। 4 मई और 5 मई को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और एक या दो बार बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान है। 6 मई को शाम या रात में बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। यह पैटर्न 7 मई और 8 मई को भी जारी रहने की उम्मीद है। हैदराबाद में दोनों दिन बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। पूर्वानुमान के मुताबिक, दिन का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना रहेगा। हालांकि, हैदराबाद में रात का तापमान 23 और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

महबूबनगर में 26 मक्का खरीद केंद्र स्थापित किए गए

महबूबनगर, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इस यासंगी मौसम में काटे गए मक्का की खरीद के लिए राज्य सरकार के निर्देशों के बाद, अधिकारी तत्कालीन महबूबनगर जिले में खरीद केंद्र स्थापित कर रहे हैं। जिले में कुल 26 उपार्जन केंद्र खोले जाएंगे और आठ मई से खरीदी शुरू होगी। अधिकारियों ने इस फसल सीजन के लिए 44,000 मीट्रिक टन मक्का की खरीद का लक्ष्य रखा है। खरीद मार्कफेड और प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियों द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा पूर्व में घोषित 1,962 रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मक्का की खरीद की जाएगी।

कृषि अधिकारियों के अनुसार, तत्कालीन महबूबनगर जिले में 58,000 एकड़ से अधिक में मक्का उगाया जाता था। नागरकुर्नूल जिले में फसल की खेती में तेजी से वृद्धि हुई है, जहां 2016 में 845 एकड़ के मुकाबले 2023 में 20,942 एकड़ से अधिक में फसल उगाई गई थी। महबूबनगर जिले में, पिछले साल 2,000 एकड़ के मुकाबले इस यासंगी में मक्का 4,860 एकड़ में उगाया गया है।

शर्मिला ने सीएम को भेजा क्षतिग्रस्त फसल से भरा ट्रक

कहा, इससे सीएम जागेंगे और मुश्किल में फंसे किसानों को उचित मुआवजा देंगे

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) की नेता वाईएस शर्मिला ने मंगलवार को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव का ध्यान बेमौसम बारिश के कारण तेलंगाना के कई जिलों में किसानों को हुए नुकसान की ओर आकर्षित करने के लिए क्षतिग्रस्त फसलों से लदा एक ट्रक भेजा। उन्होंने कहा कि हाल की बारिश ने किसानों को अभूतपूर्व नुकसान पहुंचाया है और अच्छी फसल की उनकी उम्मीदों को बड़ा झटका दिया है। मीडिया को ट्रक का प्रदर्शन करते हुए, वाईएसआर तेलंगाना पार्टी प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी केसीआर को क्षतिग्रस्त फसल का भार भेज रही है ताकि कम से कम चुनावी वर्ष के दौरान, वह "गहरी नींद" से जाग सकें और किसानों को उचित मुआवजा दे सकें। शर्मिला ने कहा कि बेमौसम बारिश से करीब 10 लाख एकड़ में फसल खराब होने का अनुमान लगाया गया है, लेकिन एक भी अधिकारी या विधायक ने किसानों के पास जाकर नुकसान का जायजा नहीं लिया। जबकि वे सभी 1600 करोड़ रुपये की लागत से बने नवनिर्मित सचिवालय में तस्वीरें क्लिक करने में व्यस्त हैं, यह शर्म की बात है कि किसानों को उच्च ब्याज पर ऋण लेना पड़ा, फसलों के लिए अपने जीवनसाथी के आभूषण बेचने पड़े। यह ट्रक किसानों के आंसू बहाता है। वाईएसआरटीपी नेता ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में, संचयी फसल नुकसान 14,000 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान लगाया गया है, लेकिन इस "लापरवाह" सरकार के पास फसल बीमा की कोई अवधारणा नहीं है। उन्होंने कहा कि जब कोई फसल बीमा नहीं है, तो कम से कम सरकार को मुआवजा देना चाहिए। केसीआर ने प्रति एकड़ 10,000 रुपये देने का वादा किया था, जो नगण्य है क्योंकि लागत में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। शर्मिला ने मांग की कि केसीआर मुआवजे के रूप में कम से कम 30,000 रुपये प्रति एकड़ का भुगतान करें। "धान की खरीद तुरंत शुरू होनी चाहिए। 7500 आईकेपी केंद्र स्थापित करने का आश्वासन भी विफल रहा और 2500 से कम स्थापित किए गए। हम मांग करते हैं कि केंद्रों को आपातकालीन आधार पर स्थापित किया जाए।

तिरुमला में आतंकवादियों की आवाजाही के बारे में मिला ईमेल, तनाव

तिरुमला, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुपति पुलिस को एक अज्ञात व्यक्ति से मंदिर में आतंकवादियों की मौजूदगी का उल्लेख करने वाला एक ई-मेल प्राप्त होने के बाद तिरुमला मंदिर में तनाव व्याप्त हो गया। तिरुमला पुलिस ने तुरंत निरीक्षण शुरू किया और तिरुमाला में पुलिस द्वारा अलर्ट जारी किया गया। पुलिस ने श्रीवारी मंदिर के आसपास और गलियों का निरीक्षण किया और मंदिर में श्रद्धालुओं को सतर्क किया। पुलिस ने मंदिर के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले।

थोड़ी देर बाद पुलिस ने स्पष्टीकरण दिया कि उन्हें जो ई-मेल मिला है वह फर्जी है और आतंकवादियों की गतिविधियां अफवाह पर आधारित हैं। एसपी परमेश्वर रेड्डी ने पुष्टि की कि तिरुमाला में कोई आतंकवादी गतिविधि नहीं है। इससे पहले, तिरुमला तिरुपति देवस्थम (टीटीडी) के अधिकारियों ने घोषणा की कि वे गर्मी की छुट्टी के कारण भीड़ बढ़ने के कारण तिरुमाला आने वाले भक्तों के लिए बेहतर सेवाओं की योजना बना रहे हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.